भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 28 MARCH 2026

■ Five-tier security ring for inauguration; 5,000 personnel deployed

Modi to open Noida airport today

New Delhi, March 27: The much-awaited Noida International Airport is set to be inaugurated on Saturday by Prime Minister Narendra Modi, the second major airport in the National Capital Region that will boost the country's efforts to be a global aviation hub.

Among the largest greenfield airport projects in the country, Noida Airport, located in Jewar, Gautam Buddh Nagar district of Uttar Pradesh, will initially have a capacity to handle 12 million passengers per annum.

Once fully developed, the airport will have a total passenger handling capacity of 70 million.

Mr Modi on Friday said the airport will boost commerce and connectivity and ease congestion at the Indira Gandhi International Airport in the national capital.

"Tomorrow, March 28, is a day of immense importance for the people of Uttar Pradesh and the NCR. Phase-1 of Noida International Airport will be inaugurated. This will boost commerce and connectivity. It will ease congestion at the IGI Airport in Delhi," he said.

The first phase of the airport has been developed at an investment of around ₹11,200 crore.

"DXN" is the code for the airport, which will be operated by Yamuna International Airport Pvt. Ltd (YIAPL), a subsidiary of Zurich Airport International AG, under a public-private partnership.

A view of the newly-constructed Noida International Airport ahead of its inauguration by Prime Minister Narendra Modi on Saturday. — PTI

"The airport features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft, along with modern navigation systems including instrument landing system (ILS) and advanced airfield lighting to support efficient, all-weather, round-the-clock operations," an official statement said on Thursday.

Originally scheduled to commence passenger services in September 2024, NIA is being developed in four phases along with a dedicated cargo terminal.

It received an aerodrome license from the aviation regulator, DGCA, earlier this month.

According to an official statement on Friday, the Delhi and Noida airports will function together as an integrated aviation system, easing congestion, expanding passenger capacity, and positioning Delhi-NCR among the leading global aviation hubs.

A five-tier security ring has been put in place, and around 5,000 security personnel have been deployed for the inauguration of Noida International Airport on Saturday.

The airport will have a robust cargo ecosystem, including a multi-modal cargo hub, featuring an integrated cargo terminal and logistics zones. — PTI

Traffic curbs, diversions in Noida for event today

Noida, March 27: Entry routes have been earmarked, parking zones segregated, and commercial vehicles diverted as the Gautam Buddh Nagar traffic police issued a detailed advisory ahead of Prime Minister Narendra Modi's visit for the inaugural ceremony of Noida Airport on Saturday.

The advisory will remain in force from 7 am to 11 pm on Saturday, with arrangements made to ensure uninterrupted passage of emergency vehicles such as ambulances and fire services.

Vehicles from Meerut and Ghaziabad will be routed via the eastern peripheral expressway, exiting at Sirsa toll and proceeding through designated roundabouts before reaching the venue, where separate parking zones — P-07 (Meerut) and P-06 (Ghaziabad) — have been earmarked, officials said.

Traffic coming from Mathura and Aligarh via Yamuna Expressway will exit at Jewar cut and enter through Sabauta underpass and Kishorpur gate, with parking allocated in zones P-05, P-09 and P-11 respectively. Vehicles from Hapur, Bulandshahr and nearby areas will be diverted along the Jewar-Khurja road and enter through Parohi gate, with parking arranged in zones P-13 and P-14.

Dignitaries will access the venue through the dedicated Yamuna Expressway interchange and park in zones P-01, P-02 and P-03, while media personnel will enter via Kishorpur gate and park in P-08.

The police, administrative and government staff on duty will also use the Kishorpur gate, with parking designated at P-10, while official buses will be routed via Dayanantpur and parked in P-15.

Commuters from Noida and Greater Noida using the Noida-Greater Noida Expressway will be diverted through specified roundabouts and service roads before entering via a temporary gate near Ranehra Police Post, with parking mainly at P-07.

Vehicles from Greater Noida west will be routed through Pari Chowk, while those from Dankaur and nearby regions will follow service roads and canal routes to designated entry points. — PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 28 MARCH 2026

नोएडा हवाईअड्डे का उद्घाटन आज

नोएडा एयरपोर्ट

पीएम मोदी ने कहा-उत्तर प्रदेश व एनसीआर के लिए अहम दिन

नोएडा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा व्यापार एवं कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा और दिल्ली के आईजीआई हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ को कम करेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को नवनिर्मित नोएडा हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, उत्तर प्रदेश व एनसीआर के लोगों के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण दिन है। नोएडा हवाईअड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा। इसे दिल्ली-एनसीआर के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रूप में विकसित किया गया है।

- नोएडा हवाईअड्डा देश की प्रमुख हरित परियोजनाओं में से एक है।
- **11,200 करोड़ रुपये की लागत** से बने इस हवाईअड्डे से शुरुआत में प्रति वर्ष 1.2 करोड़ यात्री आवाजाही कर सकेंगे।

ब्यूरो >> 25 वर्षों का इंतजार खत्म : पेज 8

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 28 MARCH 2026

पीएम मोदी आज देंगे नोएडा हवाईअड्डे की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देगा और दिल्ली के आईजीआई हवाईअड्डे पर भीड़भाड़ को कम करेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को यूपी के गौतमबुद्ध नगर में नवनिर्मित नोएडा हवाईअड्डे का उद्घाटन करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, 28 मार्च, उत्तर प्रदेश और एनसीआर क्षेत्र के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण दिन है। नोएडा हवाईअड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा। इसे दिल्ली-एनसीआर के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के रूप में विकसित किया गया है, जो इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का पूरक है। नोएडा हवाईअड्डा देश की प्रमुख हरित परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा, इसमें मजबूत कार्गो प्रणाली होगी, जिससे लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि इसका उद्घाटन भारत के वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

11,200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस हवाईअड्डे से शुरुआत में प्रति वर्ष 1.2 करोड़ यात्री आवाजाही कर सकेंगे। नोएडा हवाईअड्डा भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजनाओं में से एक है।

>> संबंधित खबर पेज 02 पर

वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज के लिए जेवर से सीधी फ्लाइट

उत्तर प्रदेश में अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज, कुशीनगर के लिए जेवर से सीधे उड़ान होगी। इसके अलावा पर्यटकों के लिए जम्मू, अमृतसर व बिहार में गया के लिए भी पर्यटकों को यहां से फ्लाइट मिलेगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 28 MARCH 2026

वीआईपी को ले जाने वाले विमान के चालक दल पर न डालें अनुचित दबाव

डीजीसीए ने जारी किए नए दिशा-निर्देश, कहा-नियमों का उल्लंघन भी हादसों की वजह

मुंबई/नई दिल्ली। देश के विमानन नियामक डीजीसीए ने मुख्यमंत्रियों व राज्यपालों सहित महत्वपूर्ण (वीआईपी) व अति महत्वपूर्ण यात्रियों (वीवीआईपी) को ले जाने वाले विमानों के संचालकों के लिए शुक्रवार को नए दिशानिर्देश जारी किए। इसमें साफ किया गया कि चालक दल पर किसी तरह का अनुचित दबाव नहीं डाला जाना चाहिए, ताकि उड़ान सुरक्षित तरीके से संचालित की जा सके। डीजीसीए ने कहा कि निर्देशों के उल्लंघन हादसों की बड़ी वजह है।

वीआईपी-वीवीआईपी को ले जाने वाले विमान और हेलिकॉप्टर संचालकों पर लागू होने वाले ये दिशा-निर्देश जनवरी में हुए हादसे के मद्देनजर जारी किए गए हैं, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की मृत्यु हो गई थी। डीजीसीए ने कहा, वीआईपी या वीवीआईपी की जरूरतों के कारण निर्धारित उड़ान में अंतिम समय में किसी भी बदलाव का समन्वय केवल प्रबंधन के जरिये हो, न कि सीधे चालक दल के साथ। डीजीसीए ने यह भी कहा कि वीवीआईपी की चुनावी उड़ानों से जुड़ी पिछली दुर्घटनाओं के विश्लेषण से पता चला है कि निर्देशों का उल्लंघन होने के कारण सुरक्षा खतरे में पड़ी है। ब्यूरो/एजेंसी

पायलट को विमान उड़ाने का 3,000 घंटों का हो अनुभव

वीवीआईपी यात्रियों को ले जाने वाले गैर-निर्धारित विमान के पायलट इन कमांड के पास कम से कम 3,000 घंटों का उड़ान अनुभव होना चाहिए। हेलिकॉप्टर के मामले में यह अनुभव 2,000 घंटों का होना चाहिए।

चुनाव के दौरान उड़ान भरना चुनौतीपूर्ण कार्य : नियामक ने कहा, चुनाव के दौरान उड़ान कौशल, व्यावसायिकता और सूझबूझ अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य है। उड़ान के लंबे घंटे, बड़ी संख्या में टेक-ऑफ और लैंडिंग, जल्दबाजी में तैयार किए गए हेलीपैड, यात्रा कार्यक्रम में बार-बार बदलाव और तनावपूर्ण सुरक्षा व्यवस्था शामिल हैं। इसलिए प्रबंधन को उड़ान भरने वाले व्यक्ति को बताना चाहिए कि वह उड़ान दल और अन्य पेशेवरों के निर्णयों का सम्मान करे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 28 MARCH 2026

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज करेंगे नोएडा एयरपोर्ट का लोकार्पण

जागरण संवाददाता, नोएडा

24 साल का इंतजार समाप्त हो चुका है। जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण के साथ वर्षों पहले देखा गया सपना फलीभूत हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों लोकार्पण के लिए नोएडा एयरपोर्ट तैयार हो चुका है। लोकार्पण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सुरक्षा और जनसभा की व्यवस्थाओं दुरुस्त रखने के लिए शुक्रवार को अंतिम रूप दिया गया। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने जनसभा स्थल पहुंच सुरक्ष और यातायात की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसपीजी ने अपने हाथ में ले ली है। सीआइएसएफ, पीएसी, आरएएफ और एटीएस के जवान भी सुरक्षा में तैनात किए गए हैं। कार्यक्रम स्थल एवं एयरपोर्ट परिसर में सीसीटीवी से निगरानी के लिए बने कंट्रोल रूम और पुलिस हेल्प डेस्क ने शुक्रवार से काम शुरू कर दिया है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के अलावा अन्य वीआइपी की सुरक्षा को देख पूरे क्षेत्र को रेड जोन घोषित करते हुए एंटी ड्रोन सिस्टम की तैनाती की गई है। इंटरनेट मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की तरफ से यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के 20 हजार वाहनों के लिए 15 पार्किंग की व्यवस्था की गई है। रैली स्थल और उसके आने जाने वाले रास्तों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू कर रियल टाइम मानिटरिंग की व्यवस्था है। आपातकालीन एवं आपदा प्रबंधन के तहत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के साथ ही फायर ब्रिगेड को स्टैंडबाय मोड पर रखा गया है। सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ ही एयरपोर्ट पर शुक्रवार को माक ड्रिल भी कराई गई हैं। कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल डेस्क, एंबुलेंस एवं एंबुलेंस कारिडोर बनाया गया है। बम एवं अन्य खतरों से निपटने के लिए स्नाइफर डाग एवं डाग स्क्वाड की तैनाती के साथ बम निरोधक दस्ते की टीमों द्वारा चेकिंग की जा रही है। पीएम की सुरक्ष के लिए कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से खास ड्रेस कोड में पुलिस के तेजतर्रार सब इंस्पेक्टरों को सुरक्षा घेरा में तैयार किया है।

प्रशासनिक अधिकारियों ने संभाली व्यवस्थाएं : जनसभा से लेकर लोगों के आवागमन को आसान बनाए रखने के लिए जिले के अलावा अन्य जिलों से 20 एडीएम और 40 से अधिक एसडीएम को व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दी गई है। यातायात व्यवस्था से लेकर जनसभा और हेलीपैड पर इन अधिकारियों को व्यवस्थाओं को देखरेख की जिम्मेदारी दी गई है। सभी अधिकारियों ने शुक्रवार दोपहर से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली।

पीएम की सुरक्षा में एसपीजी, पीएसी, आरएएफ और एटीएस के अलावा पांच हजार पुलिसकर्मी रहेंगे तैनात

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के यात्री टर्मिनल बिल्डिंग में बना अंतरराज्यीय द्वार। जागरण

उप्र और एनसीआर के लोगों के लिए 28 मार्च का दिन महत्वपूर्ण है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के चरण-I का उद्घाटन किया जाएगा। इससे व्यापार और कनेक्टिविटी को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। नोएडा एयरपोर्ट हमारे देश की प्रमुख ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा, यहां मजबूत कार्गो प्रणाली भी विकसित की जा रही है, जिससे लाजिस्टिक्स सेक्टर को भी बढ़ावा मिलेगा। - **प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी**

'नया उत्तर प्रदेश' वैश्विक कनेक्टिविटी और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के हब के रूप में स्थापित हो रहा है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के प्रथम चरण का भव्य उद्घाटन होगा। यह एयरपोर्ट आर्थिक प्रगति के नए द्वार खोलने के साथ ही प्रदेश के विकास व समृद्धि यात्रा को नई गति प्रदान करेगा।
-**योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 26 MARCH 2026

Flights at Navi Mumbai airport to grow 3x in summer schedule

Aneesh Phadnis
Mumbai

Flights at Navi Mumbai airport are set to treble with the launch of new destinations, including Kolkata, Ayodhya, Agra and Tirupati, in the summer schedule starting Sunday.

Domestic passenger operations at Navi Mumbai began last Christmas with 46 scheduled flights (arrival and departure).

The airport currently handles around the same number of scheduled flights and this is expected to increase to 144 in the summer schedule.

There are no immediate plans for international operations.

CAPACITY EXPANSION

Until February end, the airport handled over 4 lakh passengers, Airport Authority of India data show.

Until February end, the airport handled over 4 lakh passengers

IndiGo will lead the capacity expansion at the airport with 116 flights (arrival and departures).

The number of destinations connected by IndiGo from Navi Mumbai will rise from 13 to 46.

This follows a tweak in its network. Destinations like Ayodhya, Agra, Hindon, Jabalpur and Tirupati will be served from Navi Mumbai instead of Mumbai.

An executive said there would be no reduction in overall capacity at Mumbai and only destinations contributing fewer connecting traffic to its international routes are being moved to Navi Mumbai.

Akasa Air is expected to operate 16 flights and add new destinations — Kolkata and Lucknow. Air India Express will have around 12 flights daily, including a new service to Hyderabad.

Star Air, which launched operations from Navi Mumbai on Day 1, is not resuming connectivity from the airport. The airline earlier cited aircraft availability issues for the route suspension.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 28 MARCH 2026

नोएडा एयरपोर्ट से बढ़ेंगे प्रॉपर्टी के दाम!

संकेत कौल
नई दिल्ली, 27 मार्च

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) के उद्घाटन से यमुना एक्सप्रेसवे के आसपास जमीन-जायदाद के दाम काफी बढ़ने के आसार हैं। बाजार विश्लेषकों और डेवलपरों का कहना है कि रिहायशी और औद्योगिक दोनों इकाइयों की कीमतों में इजाफा होगा जिसका असर नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों पर भी पड़ेगा।

रियल एस्टेट सलाहकार फर्म कॉलियर्स के आंकड़ों के अनुसार, यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में अगले दो वर्षों के दौरान भूखंड के दाम करीब 28 फीसदी और अपार्टमेंट की कीमतें करीब 22 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है। जेवर भी इसी इलाके में स्थित है जहां नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन शनिवार को होगा।

जेवर हवाई अड्डे की घोषणा 2021 में की गई थी। उसके बाद से ही इस क्षेत्र के रियल एस्टेट में काफी हलचल देखी जा रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान यीडा इलाके के अपार्टमेंट की कीमतें करीब तीन गुना बढ़ चुकी हैं। कीमतें 2020 में 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 2025 में 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट दर्ज की गईं। नैशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नरेडको) के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने कहा कि यमुना एक्सप्रेसवे एसईजेड के कुछ सेक्टरों में दरें पहले ही करीब 8,000 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच चुकी हैं। उन्होंने कहा, 'यह काफी महत्त्वपूर्ण है। खास तौर पर यह देखते हुए कि जेवर के प्रभाव वाले इलाकों जमीन के दाम पिछले 5 वर्षों के दौरान करीब 40 फीसदी बढ़ चुके हैं।'

डेवलपरों और बाजार विश्लेषकों का कहना है कि शुरुआती वृद्धि को निवेशकों से रफ्तार मिलने की उम्मीद है। ऐसे में विशेष रूप से कॉरिडोर के साथ भूखंडों और शुरुआती स्तर की रिहायशी परियोजनाओं में वृद्धि होगी।

निवेशकों से मांग को रफ्तार

- नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जेवर, नोएडा व ग्रेटर नोएडा में जमीन के दाम बढ़ने के आसार
- रियल एस्टेट में निवेश बढ़ने से मांग में आएगी तेजी
- लघु अवधि में बाजार को निवेशकों से मिलेगी रफ्तार

नोएडा के निंबस ग्रुप के मुख्य कार्याधिकारी साहिल अग्रवाल ने कहा, 'कम ऊंचाई वाली परियोजनाओं और एकीकृत टाउनशिप की लोकप्रियता बढ़ रही है। उद्योगों और संस्थानों का संचालन शुरू होने के साथ ही अच्छी तरह से नियोजित रिहायशी परियोजनाओं की मांग बढ़ रही है।'

यमुना एक्सप्रेसवे के आसपास भूखंडों की कीमतें 2020 में 1,100 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं जो करीब 127 फीसदी बढ़कर 2025 में 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट हो चुकी हैं। साल 2027 तक इसे 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंचने का अनुमान है।

डेटा सेंटर जैसी औद्योगिक इकाइयों में लगातार निवेश किया जा रहा है। इस प्रकार औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक केंद्र स्थापित होने से रोजगार बढ़ने और मध्यावधि में अंतिम उपयोगकर्ता की मांग में बदलाव होने की भी उम्मीद है।

कंट्री ग्रुप के निदेशक अमित मोदी ने कहा, 'नोएडा एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डे के आसपास के क्षेत्र में डेटा सेंटर, आईटी पार्क, लॉजिस्टिक्स हब, रिटेल और होटल संपत्तियों में बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है।'

(शेष पृष्ठ 4 पर)

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से बढ़ेंगे जमीन के दाम

पृष्ठ 1 का शेष...

नोएडा, ग्रेटर नोएडा को फायदा

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण यीडा में बढ़ रही दिलचस्पी का फायदा पड़ोसी नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बाजारों को भी मिलेगा।

नोएडा मेट्रो के विस्तार और गाजियाबाद-जेवर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) जैसी बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी वाली परियोजनाओं से इस क्षेत्र में मांग बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही इससे आसपास के तकनीकी एवं फिल्म केंद्रों में 4,50,000 से अधिक नौकरियों का सृजन भी होगा। ऐसे में पहले केंद्रीय नोएडा पर ध्यान केंद्रित करने वाले डेवलपर अब ग्रेटर नोएडा और यीडा सहित एक्सप्रेसवे पट्टी में अपने पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं।

सलाहकार फर्म एनारॉक के आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 से 2025 के बीच नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा के इलाकों में 52,000 से अधिक रिहायशी इकाइयों को लॉन्च किया गया है।

एनसीआर में काम करने वाली रियल एस्टेट कंपनी निराला वर्ल्ड के सीएमडी सुरेश गर्ग ने कहा कि नोएडा एक्सप्रेसवे के आसपास ग्रेड-ए ऑफिस स्पेस की कीमतों में 20 फीसदी की वृद्धि देखी जा रही है।

उन्होंने कहा कि यीडा लक्जरी होटल और हाई-स्ट्रीट रिटेल में काफी निवेश आकर्षित कर रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि विशेष रूप से ग्रेटर नोएडा में परियोजनाओं के लॉन्च में तेजी दिख रही है। जैन ने कहा, 'भूमि की उपलब्धता एवं नियोजित सेक्टर के मद्देनजर ग्रेटर नोएडा एक दमदार रिहायशी एवं संस्थागत केंद्र के रूप में उभर सकता है।' ग्रेटर नोएडा में सबसे अधिक यानी करीब 32,179 इकाइयों की आपूर्ति दर्ज की गई है। उसके बाद नोएडा में 11,312 और यीडा में 8,544 इकाइयां आईं। डेवलपरों ने कहा, 'नई परियोजनाओं में रिहायशी इकाइयां सबसे अधिक हैं जो विशेष रूप से प्रीमियम एवं ऊपरी श्रेणी की हैं।'

एचएनआई, एनआरआई की दिलचस्पी

खरीदारों का प्रोफाइल भी बदल रहा है। नोएडा की प्रॉपर्टी में निवेश करने वालों में धनाढ्य व्यक्तियों के अलावा प्रवासी भारतीय, कंपनियां, छोटे एवं मझोले शहरों के उद्यमी और चर्चित हस्तियां शामिल हैं।

स्मार्टवर्ल्ड डेवलपर्स के अध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) आशिष जेरथ ने कहा, 'नोएडा न केवल दक्षिणी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली से अपग्रेड करने वाले मकान खरीदारों को फायदा पहुंचा रहा है बल्कि एक्सप्रेसवे के जरिये तेज कनेक्टिविटी के साथ यह उत्तर प्रदेश भर के खरीदारों को भी निवेश के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।'बीपीटीपी ग्रुप के सीईओ मणिक मलिक ने कहा कि नए हवाई अड्डे से निकटता को देखते हुए हरियाणा के फरीदाबाद को भी दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे (डीएमआईसी) और जेवर के बीच प्रस्तावित नमो भारत कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं के कारण बेहतर कनेक्टिविटी का फायदा मिलेगा।

किफायती होगी यीडा खासियत

यीडा क्षेत्र गुरुग्राम जैसे दिल्ली एनसीआर के अन्य प्रीमियम बाजारों के मुकाबले काफी सस्ता है। अग्रवाल ने कहा, 'अगर नोएडा और गुरुग्राम जैसे स्थापित बाजारों से तुलना की जाए तो यमुना एक्सप्रेसवे काफी सस्ता है।' एनारॉक ग्रुप के वाइस चेयरमैन संतोष कुमार ने बताया कि गुरुग्राम में औसत कीमतें 13,000 रुपये प्रति वर्ग फुट हैं जो नोएडा में 10,300 रुपये प्रति वर्ग फुट के मुकाबले 26 फीसदी अधिक हैं। ग्रेटर नोएडा में कीमतें 7,500 रुपये प्रति वर्ग फुट के मुकाबले गुरुग्राम की औसत कीमतों में 73 फीसदी का अंतर है। यीडा में कीमतें गुरुग्राम के मुकाबले लगभग आधी हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में भी वृद्धि की काफी गुंजाइश है।' नाइट फ्रैंक इंडिया की राष्ट्रीय निदेशक (अनुसंधान) अंकिता सूद ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में रिहायशी कीमतों के लिहाज से ग्रेटर नोएडा और यीडा क्षेत्र नोएडा के मुकाबले सस्ते हैं। इससे दिल्ली और आसपास के इलाकों को भी फायदा होगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 28 MARCH 2026

Taxiing to take off, Jewar airport could lift land values

SANKET KOUL
New Delhi, 27 March

The inauguration of Noida International Airport (NIA) is expected to push up prices of both residential and industrial units in micromarkets along the Yamuna Expressway, with the momentum spilling over into neighbouring Noida and Greater Noida, according to developers and market observers.

Set to be inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on Saturday, property values in the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (Yeida) region, which includes Jewar, are projected to rise by 28 per cent for plots and 22 per cent for apartments over the next two years, according to Colliers. The region has seen strong realty activity since the airport was announced in 2021. Apartment prices in Yeida have nearly trebled over the past five years — from ₹3,200 per square foot (psf) in 2020 to ₹9,600 psf in 2025.

Praveen Jain, president of the National Real Estate Development Council, said rates in some sectors of the Yamuna Expressway Special Economic Zone had already touched around ₹8,000 psf. "This is significant, given that land values in the broader Jewar influence zone have risen by nearly 40 per cent over the past five years," Jain said.

Turn to Page 6

Prime Minister Narendra Modi will inaugurate Noida International Airport, the second major one in the National Capital Region, on Saturday PHOTO: NOIDA INTERNATIONAL AIRPORT

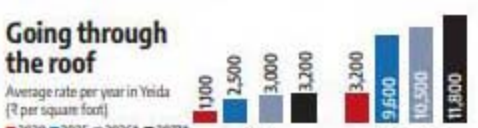

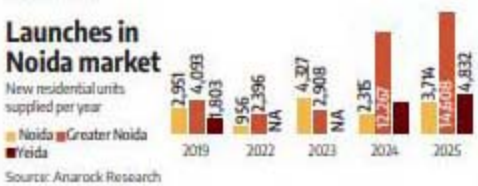

Taxiing to take off, Jewar airport could lift land values

Developers and market watchers expect Yeida's growth to be investor-led over the next two to three years, with a surge in plotted developments and early-stage residential projects, particularly along the expressway corridor.

"Formats such as low-rise developments and integrated townships are gaining traction. At the same time, as industries and institutions begin operations, they are adding to demand for well-planned housing," said Sahil Agarwal, chief executive officer of Noida-based Nimbus Group.

Plot prices along the Yamuna Expressway have reached ₹2,500 psf in 2025, up 127 per cent from ₹1,100 psf in 2020, and are projected to rise further to ₹3,200 psf by 2027.

Ongoing investments in data centres, industrial parks, and logistics hubs are expected to support job creation and gradually shift demand towards end-users over the medium term.

"Large-scale investments are underway in data centres, information technology parks, logistics hubs, retail and hospitality assets along Noida Expressway and near the airport zone," said Amit Modi, director at County Group.

Runway to riches

NIA's impact is already spilling over into Noida and Greater Noida.

Connectivity projects such as Noida Metro expansion and Ghaziabad–Jewar Regional Rapid Transit System are expected to further drive demand, alongside the creation of over 450,000 jobs across upcoming technology and film hubs.

Developers who were earlier focused on central Noida are now expanding across the expressway belt, including Greater Noida and Yeida.

According to Anarock, more than 52,000 residential units were launched across Noida, Greater Noida, and Yeida between 2022 and 2025.

Suresh Garg, chairman and managing director of National Capital Region (NCR)-based developer Nirala World, said Noida Expressway is also seeing a 20 per cent rise in Grade A office space, while Yeida is attracting investments in luxury hotels and high-street retail.

Greater Noida, in particular, has seen faster absorption, especially in the mid-income and upper-mid segments. "Greater Noida is likely to emerge as a strong residential and institutional hub, given its land availability and planned sectors," Jain said.

Of the total launches, Greater Noida accounted for the highest supply at 32,179 units, followed by Noida (11,312) and Yeida (8,544). Residential projects dominate, especially in the premium and upper-mid segments.

Capital shift flips buyer script

The buyer profile is shifting, with high networth individuals, non-resident Indians, companies and entrepreneurs from Tier-I and Tier-II cities entering the market, along with a smaller set of celebrity investors.

"Noida is seeing buyers upgrading from South and East Delhi. Improved expressway connectivity is also drawing buyers from across Uttar Pradesh, who see Noida as both a residential and investment destination," said Ashish Jerath, president, sales and marketing, Smartworld Developers.

Manik Malik, chief executive officer of BPTP Group, said Faridabad is also likely to benefit due to its proximity to the airport and improved connectivity via the Delhi-Mumbai Industrial Corridor and the proposed Namo Bharat corridor.

Yeida holds price edge

Despite rising prices, Yeida continues to remain more affordable than premium NCR markets such as Gurugram.

"Affordability remains a key advantage for Yamuna Expressway compared to established markets like Noida and Gurugram," Agarwal said.

Santhosh Kumar, vice-chairman at Anarock, said average prices in Gurugram are around ₹13,000 psf — about 26 per cent higher than Noida's ₹10,300 psf.

"In comparison, Greater Noida averages ₹7,500 psf, while Yeida is roughly half of Gurugram's pricing. This leaves considerable headroom for growth," he said.

Ankita Sood, national director (research) at Knight Frank India, added that Greater Noida and Yeida continue to trade at a discount to Noida due to their peripheral location, though this gap is expected to narrow as infrastructure improves.

The region is also set to benefit from its proximity to Delhi and established urban centres, she said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 28 MARCH 2026

कार्गो हब से बदलेगी व्यापार की तस्वीर

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का पहला चरण आज होगा उद्घाटित

- नरेंद्र मोदी करेंगे लोकार्पण, 2.5 लाख मीट्रिक टन वार्षिक कार्गो क्षमता
- भविष्य में 18 लाख मीट्रिक टन तक विस्तार संभव

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर भारत में व्यापार और लॉजिस्टिक्स को नई गति देने वाला नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अब औपचारिक रूप से संचालन की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को लगभग 11:30 बजे टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे और दोपहर करीब 12 बजे एयरपोर्ट के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

करीब 11,200 करोड़ रुपए के निवेश से विकसित यह परियोजना देश के विमानन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। खास बात यह है कि एयरपोर्ट को मल्टी-मोडल कार्गो हब के रूप में विकसित किया गया है, जिससे व्यापार, ई-कॉमर्स, निर्यात और औद्योगिक गतिविधियों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।

कार्गो हब बनेगा व्यापार का नया इंजन

एयरपोर्ट में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कार्गो टर्मिनल, लॉजिस्टिक्स जोन और मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी की सुविधा दी गई है।

प्रारंभिक चरण में कार्गो सुविधा की क्षमता 2.5 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष रखी गई है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर लगभग 18 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष तक किया जा सकेगा।

कार्गो प्रणाली को इस तरह डिजाइन किया गया है कि तेज, किफायती और समयबद्ध माल ढुलाई सुनिश्चित हो सके। इससे उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर और आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों के निर्यातकों को बड़ी राहत मिलेगी। एयरपोर्ट परिसर में 40 एकड़ क्षेत्र में एमआरओ (मेंटीनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल) सुविधा भी विकसित की जा रही है, जिससे विमानों की मरम्मत और रखरखाव से जुड़े उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

एनसीआर को मिलेगा दूसरा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

यह एयरपोर्ट दिल्ली-एनसीआर के लिए दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में कार्य करेगा और इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बढ़ते दबाव को कम करेगा। दोनों एयरपोर्ट मिलकर क्षेत्र को एक मजबूत वैश्विक एविएशन हब के रूप में स्थापित करने में मदद करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि कार्गो हब की मजबूत क्षमता के कारण यह एयरपोर्ट आने वाले वर्षों में उत्तर भारत के प्रमुख लॉजिस्टिक्स और निर्यात केंद्र के रूप में उभर सकता है।

मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी से आसान होगा परिवहन

यमुना एक्सप्रेस वे पर रणनीतिक रूप से स्थित यह एयरपोर्ट सड़क, रेल, मेट्रो और क्षेत्रीय परिवहन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। इसे एक मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया गया है, जिससे यात्रियों के साथ-साथ कार्गो परिवहन भी तेज और सुविधाजनक होगा। बेहतर कनेक्टिविटी से दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के उद्योगों को सीधा लाभ मिलने की संभावना है।

12 मिलियन यात्रियों से 70 मिलियन तक क्षमता

एयरपोर्ट के पहले चरण में 12 मिलियन यात्रियों प्रति वर्ष की क्षमता निर्धारित की गई है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 70 मिलियन यात्रियों प्रति वर्ष तक किया जाएगा।

एयरपोर्ट में 3,900 मीटर लंबा रनवे, अत्याधुनिक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और उन्नत एयरफील्ड लाइटिंग जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जिससे हर मौसम में सुरक्षित संचालन संभव होगा।

ग्रीनफील्ड व पर्यावरण अनुकूल परियोजना

यह एयरपोर्ट देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं में से एक है। इसे ऊर्जा-कुशल प्रणालियों और पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के साथ विकसित किया गया है, ताकि भविष्य में कम उत्सर्जन वाली आधुनिक अवसंरचना तैयार की जा सके। एयरपोर्ट की डिजाइन भारतीय स्थापत्य शैली से प्रेरित है, जिसमें पारंपरिक घाट और हवेलियों की झलक दिखाई देती है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 28 MARCH 2026

पीएम के कार्यक्रम में होना है शामिल, जाने रूट व पार्किंग स्थल

नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन आज पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे। सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री एयरपोर्ट पहुंचेंगे। आधे घंटे तक एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद जनसभा स्थल जाएंगे। यहां 15 12 बजे के आसपास बटन दबाकर एयरपोर्ट का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद जनता को संबोधित करेंगे। जनसभा में 2 लाख लोग पहुंचने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के लिए बनाए गए हैलीपैड

जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए हैलीपैड बनाए गए है। जनसभा में कुल 5 हैलीपैड बनाए गए है। प्रधानमंत्री के लिए तीन हैलीपैड है। मुख्यमंत्री और अन्य वीवीआईपी के लिए लिए 1-1 हैलीपैड बनाए गए है।

कैसे पहुंचेंगे कार्यक्रम स्थल तक इसको देखे

कार्यक्रम में मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, बुलंदशहर, हापुड़ के अलावा आसपास के इलाकों के हजारों लोग शामिल होंगे। सभी के कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के रूट तय किए गए है।

मेरठ और गाजियाबाद से आने वाले लोग

ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे से सिरसा टोल होकर दाढ़ा गोलचक्कर, सुपरटेक गोलचक्कर, नट मड़ैया, होंडा सीएल चौक और पुस्ता तिराहा होते हुए गलगोटिया विश्वविद्यालय के सामने से डबल सर्विस रोड से कार्यक्रम स्थल तक पहुंचेंगे। मेरठ से आने वाले वाहन पार्किंग पी-7 और गाजियाबाद के वाहन पी-6 में पार्क होंगे।

मथुरा और अलीगढ़ से आने वाले वाहन

मथुरा और अलीगढ़ की ओर से आने वाले वाहन यमुना एक्सप्रेस-वे से जेवर टोल पार कर जेवर कट से उतरकर सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट के जरिए एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। मथुरा के लिए पी-05 और अलीगढ़ के लिए पी-9 व पी-11 तय की गई है।

हापुड़ और बुलंदशहर के लिए मार्ग

हापुड़ और बुलंदशहर से आने वाले वाहन जेवर-खुर्जा मार्ग से ग्राम थोरा से मुड़कर पारोही गेट से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। हापुड़ के वाहन पी-14 और बुलंदशहर के वाहन पी-13 में पार्क किए जाएंगे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा से आने वालों के लिए मार्ग

नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहन गलगोटिया कट, एक्सपोमार्ट गोलचक्कर, एनएसजी गोलचक्कर और पुस्ता तिराहा होते हुए दयानतपुर इंटरचेंज के पास बने अस्थाई गेट से प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-7 में पार्क होंगे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सूरजपुर से आने वाले वाहन

ग्रेटर नोएडा वेस्ट और सूरजपुर से आने वाले वाहन परौंछा, पी-3 गोलचक्कर, होंडा सीएल चौक और पुस्ता तिराहा से होकर दयानतपुर इंटरचेंज के पास बने अस्थाई गेट से प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-7 पार्किंग स्थल निर्धारित है। वहीं जेवर कस्बे से आने वाले वाहन सबौता अंडरपास से किशोरपुर गेट के जरिए एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। इनके लिए पी-12 पार्किंग तय की गई है। दोपहिया और हल्के वाहन

- **सुबह 9 बजे तक करे प्रवेश, मेरठ, गाजियाबाद, अलीगढ़, बुलंदशहर, हापुड़ से आएंगे लोग**
- **दोपहर 12 बजे पीएम करेंगे एयरपोर्ट का शुभारंभ**

किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पी-04 पार्किंग में अपने वाहन खड़े कर सकेंगे।

वीवीआईपी और वीआईपी के लिए अलग व्यवस्था

अति विशिष्ट और विशिष्ट अतिथि यमुना एक्सप्रेस-वे के 32 किमी माइलस्टोन पर बने इंटरचेंज से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। इनके वाहन पी-1, पी-2 और पी-3 में पार्क होंगे, जहां से शटल बसों के जरिए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया जाएगा।

मीडिया कर्मियों के लिए रास्ता

मीडिया कर्मियों के वाहन किशोरपुर गेट से प्रवेश करेंगे और अपने वाहन पी-8 पार्किंग में खड़े करेंगे। पुलिस, प्रशासन और अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी किशोरपुर गेट से प्रवेश कर पी-10 पार्किंग में वाहन खड़े करेंगे। वहीं प्रशासनिक बसें दयानतपुर मार्ग से होकर पी-15 पार्किंग तक पहुंचेंगी।

बाहरी जिलों के मालवाहक वाहनों के लिए डायवर्जन

कार्यक्रम के दौरान कई मार्गों पर मालवाहक वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। गोपालगढ़ से जेवर जाने वाले वाहन टप्पल की ओर भेजे जाएंगे। खुर्जा से जेवर आने वाले कामर्शियल वाहन खुर्जा से ही डायवर्ट होंगे। सिकंदराबाद और काकोड से आने वाले वाहन चचुरा नहर पुल से खैलरी की ओर भेजे जाएंगे। आगरा से आने वाले वाहन जेवर टोल से पहले यू-टर्न लेकर अलीगढ़-टप्पल मार्ग से जाएंगे।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : 25 वर्षों का सपना साकार

जेवर अब एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों की कतार में

■ देवेंद्र सिंह

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में एक नया अध्याय आज जुड़ने जा रहा है। जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शनिवार को उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद यह ग्रीनफील्ड परियोजना अब व्यवसायिक उड़ानों के लिए तैयार है। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बढ़ते बोझ को कम करने और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को नई उड़ान देने वाले इस मेगा प्रोजेक्ट की विकास यात्रा 25 वर्ष पुरानी है, एक विचार से लेकर विश्वस्तरीय हब तक की अनुपम कहानी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : अब इंतजार नहीं, उड़ान का समय आ गया है!

सपने की शुरुआत : 2001 से 2021 तक की लंबी प्रतीक्षा

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अवधारणा सबसे पहले वर्ष 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह द्वारा रखी गई थी। उन्होंने जेवर को ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल एविएशन हब बनाने का प्रस्ताव दिया। दो वर्ष बाद, 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने इसकी तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। 2007 में पूर्ण बहुमत के साथ प्रदेश में बसपा की सरकार बनाने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। प्रदेश और केंद्र सरकार में आपसी तालमेल की कमी के कारण एयरपोर्ट परियोजना फाइलों में दब कर रह गई। 2012 में प्रदेश में जब समाजवादी पार्टी की सरकार बनी, सपा सरकार ने यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के मास्टर प्लान से जेवर एयरपोर्ट के लिए चिन्हित जमीन को ग्रीन बेल्ट में तब्दील कर दिया, जेवर के बजाय आगरा के आसपास एयरपोर्ट को स्थानांतरित करने का फैसला लिया।

हालांकि, परियोजना लंबे समय तक फाइलों में दबी रही। वर्ष 2014 में केंद्र में भाजपा सरकार के सत्ता में आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन के साथ इसे नई गति मिली। गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा केंद्र में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री पर बनने पर जेवर में एयरपोर्ट परियोजना को आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश में 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिमी यूपी के विकास को प्राथमिकता दी गई। किसानों के सहयोग और राज्य सरकार की दुरदर्शिता से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज हुई। मील का पत्थर 26 नवम्बर 2021 का दिन था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद जेवर पहुंचकर एयरपोर्ट की नींव रखी। उस समय यह मात्र एक सपना था, लेकिन आज वह हकीकत बन चुका है।

निर्माण की रफ्तार : जून 2022 से मार्च 2026 तक

निर्माण कार्य जून 2022 में शुरू हुआ। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (यापल) द्वारा विकसित यह परियोजना स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य की अनोखी मिसाल है। पहले चरण का काम 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में किया गया। पहले चरण में कुल परियोजना लागत लगभग 6876 करोड़ रुपए बताई जा रही है, जिसमें पहले चरण में भूमि अधिग्रहण और निर्माण पर प्रमुख निवेश हुआ। करीब साढ़े चार वर्ष में ही पहले चरण का 95 प्रतिशत से अधिक काम पूरा हो गया। रनवे की लंबाई 3900-4150 मीटर है, जो वाइड-बॉडी विमानों के लिए उपयुक्त है। टर्मिनल-1, एटीसी टावर, कार्गो सुविधाएं और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। कोहरे में भी सुरक्षित लैंडिंग की सुविधा, नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्य और डिजिटल सेवाओं से लैस यह एयरपोर्ट स्विट्जरलैंड जैसा फील देगा। मार्च 2026 की शुरुआत में डीजीसीए से एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद उद्घाटन की तारीख तय हुई। शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी टर्मिनल भवन का दौरा करेंगे, उद्घाटन करेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। शुरुआती उड़ानें मई 2026 के आसपास शुरू होने की उम्मीद है।

चार चरणों में विकास : 1.2 करोड़ से 7 करोड़ यात्री क्षमता

एयरपोर्ट चार चरणों में विकसित होगा, जिसकी कुल क्षमता सात करोड़ यात्री प्रतिवर्ष होगी और छह रनवे तक विस्तार होगा-

चरण-1 (2026) : 1.2 करोड़ यात्री/वर्ष, एक रनवे, 150 उड़ानें प्रतिदिन, लागत-6876 करोड़

चरण-2 : तीन करोड़ यात्री, दूसरा रनवे और टर्मिनल, लागत-5983 करोड़

चरण- 3 : 5 करोड़ यात्री, चार रनवे, लागत-8415 करोड़।

चरण- 4 (2040-50 तक): सात करोड़ यात्री, छह रनवे, लागत-10575 करोड़, पूर्ण लॉजिस्टिक्स हब।

इसके अलावा भूमि अधिग्रहण पर 4406 करोड़ खर्च, चारों चरण की कुल लागत 36255 करोड़ रुपए प्रस्तावित है।

पूर्ण रूप से तैयार होने पर यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा, इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से 2.5 गुना बड़ा।

स्थानीय जीवन पर असर : रोजगार और विकास की नई लहर

जेवर के गांवों में पहले शांति थी, अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बन रही है। भूमि अधिग्रहण पर अच्छा मुआवजा मिलने से किसान संतुष्ट हैं। एयरपोर्ट ने सड़क चौड़ीकरण, नई फैक्ट्रियां, होटल और रियल एस्टेट को बढ़ावा दिया। स्थानीय युवा दीपक कुमार, शिवम कुमार जैसे निवासियों का कहना है, पहले बेरोजगारी थी, अब रोजगार के नए अवसर आए हैं। योगी जी की नीतियों ने क्षेत्र को नई उड़ान दी है।

कार्गो हब बनने से व्यापार-पर्यटन को बल मिलेगा। दिल्ली-एनसीआर के यात्री भी राहत पाएंगे।

भविष्य की उड़ान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट न केवल यूपी बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए गेम-चेंजर साबित होगा। इंडिगो, अकासा एयर, एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी एयरलाइंस पहले से ही तैयार हैं। वाराणसी, लखनऊ, मुंबई, बेंगलुरु समेत कई शहरों के लिए उड़ानें शुरू होंगी।

यह परियोजना 'न्यू इंडिया' के इंफ्रास्ट्रक्चर विजन का प्रतीक है, जहां हर सपना उड़ान बनता है। 28 मार्च 2026 का दिन इतिहास में दर्ज होगा, जब जेवर की धरती पर नई उड़ान का शंखनाद होगा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट : प्रमुख तिथियां (टाइमलाइन)

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) परियोजना से जुड़ी महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं वर्ष 2017 से लगातार आगे बढ़ती रही हैं। विभिन्न सरकारी स्वीकृतियों, समझौतों और निर्माण चरणों के बाद अब एयरपोर्ट को एयरोड्रोम लाइसेंस भी प्राप्त हो चुका है। प्रमुख तिथियां इस प्रकार हैं :-

वर्ष	माह	उपलब्धि
2017	जुलाई	नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा साइट क्लीयरेंस
2017	अक्टूबर	गृह मंत्रालय से एनओसी प्राप्त
2018	जून	पीडब्ल्यूसी द्वारा टेक्नो-इकोनॉमिक व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार
2018	अगस्त	एनआईएएल का गठन
2019	मई	कंसेशनायर के चयन हेतु आरएफपी जारी
2019	नवम्बर	तकनीकी व वित्तीय बोली खोली गई
2020	मार्च	एयरपोर्ट स्थल के लिए पर्यावरण स्वीकृति
2020	मई	ज्यूरिख इंटरनेशनल एजी को एलओए प्रदान
2020	अक्टूबर	कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर
2021	मार्च	स्टेट सपोर्ट एग्रीमेंट
2021	जून	कंसेशनायर और आईएमडी के बीच समझौता
2021	जुलाई	शेयरहोल्डर्स एग्रीमेंट
2021	अगस्त	वित्तीय क्लोजर
2021	अगस्त	एस्क्रो एग्रीमेंट व सब्स्टीट्यूशन एग्रीमेंट
2021	अगस्त	एनआईएएल द्वारा मास्टर प्लान को मंजूरी
2021	अक्टूबर	अपॉइंटेड डेट घोषित
2021	नवम्बर	कंसेशनायर और भारत सरकार के बीच एमओयू
2022	फरवरी	सीएनएस-एटीएम समझौते का निष्पादन
2022	मार्च	कंसेशनायर व बीसीएएस के बीच समझौता
2022	मार्च	निर्माण कार्य शुरू, माइलस्टोन-1 पूरा
2022	जून	टाटा प्रोजेक्ट्स को ईपीसी कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त
2022	जुलाई	इंजीनियरिंग इंडिया लि. के साथ आईई एग्रीमेंट
2022	दिसम्बर	माइलस्टोन-2 पूरा
2023	जून	माइलस्टोन-3 पूरा
2024	फरवरी	माइलस्टोन-4 पूरा
2024	अक्टूबर	माइलस्टोन-5 पूरा
2025	अक्टूबर	कैलिब्रेशन फ्लाइट
2026	मार्च	एनआईए को एयरोड्रम लाइसेंस प्राप्त

जेवर एयरपोर्ट बनेगा यूपी की आर्थिक रीढ़, प्रति टिकट 401 रुपए राजस्व

■ संचालन शुरू होने के 6वें साल से मिलना शुरू होगा राजस्व

■ नोएडा-ग्रेटर नोएडा और यीडा को भी भारी फायदा, प्राधिकरणों की आय का नया स्रोत

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन के साथ ही उत्तर प्रदेश को नया राजस्व स्रोत मिलने वाला है। स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी द्वारा संचालित इस ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट पर हर यात्री (घरेलू व अंतरराष्ट्रीय) से 400.97 रुपए की फीस नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) के खाते में जमा होगी। यह राशि यूपी सरकार, नोएडा प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के बीच उनकी हिस्सेदारी के अनुपात में बांटी जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में हिस्सेदारी इस प्रकार है- उत्तर प्रदेश सरकार और नोएडा प्राधिकरण को 37.5-37.5 प्रतिशत, जबकि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और यीडा को 12.5-12.5 प्रतिशत। यानी यूपी सरकार को कुल राजस्व का 37.5 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।

कब से और कितना राजस्व?

वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होने के छठे वर्ष से ही यह राजस्व साझेदारी शुरू होगी। यानी 2026 में उड़ानें शुरू होने पर 2032 से यूपी सरकार को नियमित राजस्व मिलना शुरू हो जाएगा। शुरूआती चरण में 50-60 लाख यात्रियों के आधार पर कुल राजस्व लगभग 200-240 करोड़ रुपए सालाना होगा, जिसमें से यूपी सरकार को करीब 75-90 करोड़ रुपए मिल सकते हैं। चरण-1 की पूर्ण क्षमता (1.2 करोड़ यात्री) पर यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। 2040 तक 7 करोड़ यात्रियों की संभावना के साथ यह राजस्व कई गुना बढ़ सकता है।

प्रदेश के बजट में कितना प्रतिशत?

2026-27 के यूपी बजट का आकार 9.13 लाख करोड़ रुपए है। शुरूआती राजस्व (75-90 करोड़) बजट का महज 0.01 प्रतिशत के आसपास होगा, लेकिन पूर्ण क्षमता पर यह आंकड़ा अर्थपूर्ण हो जाएगा और प्राधिकरणों की आय का मजबूत आधार बनेगा।

नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा को कितना मिलेगा?

नोएडा प्राधिकरण : 37.5 फीसदी (शुरुआती अनुमान में 75-90 करोड़)

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण : 12.5 फीसदी (25-30 करोड़)

यीडा 12.5 फीसदी (25-30 करोड़)

तीनों प्राधिकरणों ने अब तक एयरपोर्ट के लिए 4,406 करोड़ रुपए से ज्यादा की भूमि अधिग्रहण पर खर्च किए हैं। प्लॉट बिक्री से आय सीमित होने के बाद यह राजस्व इनकी आर्थिक रीढ़ बनेगा। यीडा क्षेत्र में औद्योगिक और शहरी विकास को गति मिलेगी। यह मॉडल देश का पहला ऐसा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट है जहां प्रति यात्री तय राजस्व सीधे सरकार और प्राधिकरणों को मिलेगा। पहले के प्रोजेक्ट्स में सिर्फ लाभांश पर निर्भरता थी। अब कर्नाटक, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्य भी इस मॉडल को अपनाने पर विचार कर रहे हैं।

एयरपोर्ट चरण-1 में 1.2 करोड़ यात्री क्षमता के साथ शुरू होगा और पूर्ण रूप से 15 करोड़ यात्री सालाना संभालेगा। यह न सिर्फ यूपी बल्कि पूरे छब्त् की कनेक्टिविटी और अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाई देगा।

नोएडा एयरपोर्ट : स्विस एयरपोर्ट की तर्ज पर सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश का पहला एयरपोर्ट है, जो पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जा रहा है, सौ फीसदी विदेशी निवेश पर विकसित होने वाला एयरपोर्ट है, जहां पर यात्रियों को हवाई सफर करने पर स्विस एयरपोर्ट का एहसास कराएगा। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की सहायक कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आर्थिक विकास, औद्योगिक निवेश और वैश्विक कनेक्टिविटी को नई गति देने वाली मानी जा रही है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में क्या है खास!

एयरपोर्ट का रनवे 3900 मीटर लंबा और 45 मीटर चौड़ा है, जो बड़े विमानों के संचालन के अनुकूल है। यह आईसीएओ कोड 4 ई मानक के अनुरूप तैयार किया जा रहा है, जिसमें भविष्य में बड़े विमानों (कोड एफ) को भी संचालित किया जा सकेगा।

एयरसाइड इंफ्रास्ट्रक्चर : आधुनिक विमानन सुविधाएं

- 3900 मीटर लंबा रनवे (10/28 कॉन्फिगरेशन)
- समानांतर टैक्सीवे और रैपिड एग्जिट टैक्सीवे
- 25 पार्किंग एप्रन (फेज-1 में 9 सक्रिय)
- 3 राइट एंगल टैक्सीवे
- 2 कार्गो एप्रन (कोड डी और एफ)

टर्मिनल भवन में हाईटेक सुविधाएं

एयरपोर्ट का पैसेंजर टर्मिनल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है।

मुख्य सुविधाएं

- 2 एंट्रेंस लॉबी
- 48 चेक-इन काउंटर (आधे सेल्फ बैग ड्रॉप)
- 11 सिक्योरिटी लेन
- 8 इमिग्रेशन काउंटर (डिपार्चर)
- 10 इमिग्रेशन काउंटर (अराइवल)
- 10 कॉन्टैक्ट गेट
- 4 बैगेज बेल्ट

मल्टी मॉडल कार्गो हब : 1.8 मिलियन टन कार्गो क्षमता

एयरपोर्ट परिसर में 87 एकड़ भूमि पर मल्टी-मॉडल कार्गो हब विकसित किया जा रहा है।

इंटीग्रेटेड कार्गो टर्मिनल

- 30 एकड़ क्षेत्र
- 800 करोड़ निवेश (पहला चरण)
- कुल निवेश 3200 करोड़
- प्रारंभिक क्षमता 2.55 लाख मीट्रिक टन
- अंतिम क्षमता 1.8 मिलियन मीट्रिक टन

वेयरहाउस एवं लॉजिस्टिक्स जोन

- 57 एकड़ क्षेत्र
- 700 करोड़ निवेश
- 3.5 लाख वर्गफुट वेयरहाउस स्पेस (पहला चरण)

इन-फ्लाइट किचन और एमआरओ सुविधा से बढ़ेंगे रोजगार

एयरपोर्ट पर इन-फ्लाइट किचन का संचालन ताज सैट्स एयर केटरिंग लिमिटेड द्वारा किया जाएगा।

- 45,000 वर्गफुट क्षेत्र
- 66 करोड़ निवेश
- 25,000 भोजन प्रतिदिन क्षमता

एमआरओ (विमानों का रखरखाव और मरम्मत)

एयरपोर्ट में 40 एकड़ क्षेत्र में विमान मरम्मत सुविधा विकसित की जा रही है।

साझेदारी अकासा एयर

- निवेश : 60 करोड़
- कोड सी श्रेणी के विमानों की मरम्मत

फ्यूल फार्म और ग्रीन एनर्जी पर विशेष फोकस

फ्यूल स्टोरेज और हाइड्रेंट सिस्टम इंडियन ऑयल स्काईटैंकिंग द्वारा विकसित किया गया है।

- 10,665 किलोलीटर ईंधन क्षमता
- 10 एकड़ क्षेत्र
- 300 करोड़ निवेश

ग्रीन एयरपोर्ट विशेषताएं

- 82.94 एकड़ सोलर प्लांट
- 51,966 मेगावाट बिजली उत्पादन क्षमता
- 100 फीसदी इलेक्ट्रिक एयरसाइड वाहन

वर्षा जल संचयन प्रणाली

- 3 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट
- आईजीबीसी ग्रीन कैंपस सर्टिफिकेशन

एयरपोर्ट से क्षेत्र में बढ़ा औद्योगिक निवेश

जेवर एयरपोर्ट के कारण आसपास के क्षेत्र में औद्योगिक विकास तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्य परियोजनाएं

- डेटा सेंटर पार्क
- एमएसएमई पार्क
- टॉय पार्क
- अपैरल पार्क
- ओडीओपी हस्तशिल्प पार्क

सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए एचसीएल और फॉक्सकॉन का संयुक्त निवेश करीब 3700 करोड़ है।

निवेश

- 350 एकड़ मेडिकल डिवाइस पार्क
- 1500 करोड़ की फिल्म सिटी

कुल औद्योगिक निवेश लगभग 30,000 करोड़

पुनर्वास योजना के तहत 3074 परिवारों को बसाया गया

एयरपोर्ट परियोजना से प्रभावित परिवारों के लिए 50 हेक्टेयर क्षेत्र में पुनर्वास कॉलोनी विकसित की गई है। यहां करीब 3074 परिवारों को बसाया गया है, जहां सड़क, बिजली, पानी और सीवरेज जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सड़क, रेल और बस से बेहतर कनेक्टिविटी

एयरपोर्ट को प्रमुख एक्सप्रेस वे और रेल नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है-

- यमुना एक्सप्रेस वे से सीधा कनेक्शन
- दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे लिंक
- ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे
- प्रस्तावित आरआरटीएस कनेक्टिविटी

दिल्ली-हावड़ा और दिल्ली-मुंबई रेल लाइन से जुड़ाव

बस सेवाएं- दिल्ली, हरियाणा और उत्तराखंड के प्रमुख शहरों से सीधी बस सेवा, परी चौक से हर 30 मिनट में बस सेवा प्रस्तावित, रेडबस के माध्यम से लक्जरी बस सुविधा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 28 MARCH 2026

एयरपोर्ट को साकार करने में जनप्रतिनिधि के साथ अधिकारियों की रही अहम भूमिका

■ विशाल धर दुबे

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशन एयरपोर्ट का उद्घाटन 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं, इतने बड़े एयरपोर्ट की आधारशिला रखने में जनप्रतिनिधि और अधिकारियों को याद न किया जाय तो वह बेइमानी होगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की परिकल्पना को तत्कालीन केन्द्र व प्रदेश सरकार की सहमति बनने से परियोजना को मूर्तरुप देने में सफलता मिली है। 2014 में केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद जेवर में एयरपोर्ट की आधारशिला करने की कवायद शुरु गई थी, इस एयरपोर्ट को स्थानान्तरित करके राजस्थान में ले जाया जा रहा था, लेकिन तत्कालीन सांसद व नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री डॉ. महेश शर्मा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनप्रतिनिधियों ने ने जेवर में एयरपोर्ट बनाने को लेकर एडी चोटी की जोर लगा दी थी कि एयरपोर्ट का निर्माण जेवर में ही होगा।

एयरपोर्ट निर्माण की अड़चनों को सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कराया दूर

डॉ. महेश शर्मा केंद्र में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री रहते हुए जेवर एयरपोर्ट को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया और मंत्रालय स्तर पर इसकी फाइलों को तेजी से आगे बढ़ाया। मंत्रालय द्वारा तकनीकी सर्वे और अन्य औपचारिकताओं के बाद परियोजना को हरी झंडी दी गई, जिससे यह वर्षों से लंबित योजना फिर से पटरी पर आई। जेवर एयरपोर्ट परियोजना लंबे समय तक दूरी नियम (दिल्ली एयरपोर्ट से 150 किमी की शर्त), पर्यावरण मंजूरी और भूमि अधिग्रहण जैसी बाधाओं के कारण अटकी रही। डॉ. महेश शर्मा ने केंद्र, राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित कर इन अड़चनों को दूर करने में भूमिका निभाई, जिसके बाद परियोजना पर ठोस काम शुरू हो सका।

किसानों के असमंजस्य को विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किया दूर, रखी क्षेत्र के विकास की रुपरेखा

एयरपोर्ट निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण के दौरान कई गांवों में असमंजस और विरोध की स्थिति बनी थी। ऐसे समय में विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गांव-गांव जाकर किसानों से संवाद किया, उनकी शंकाओं को सुना और उन्हें भरोसा दिलाया कि एयरपोर्ट बनने से क्षेत्र में रोजगार, उद्योग और आधारभूत सुविधाओं का तेजी से विकास होगा। उनके इस प्रयास से कई स्थानों पर विवाद कम हुए और परियोजना के प्रति सकारात्मक माहौल बना। विधायक के रूप में उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा में भी जेवर एयरपोर्ट परियोजना को प्राथमिकता से उठाया और राज्य सरकार से इसके लिए आवश्यक बजट, सड़क कनेक्टिविटी और सुरक्षा व्यवस्थाओं को शीघ्र पूरा करने की मांग की। प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। धीरेन्द्र सिंह ने जेवर एयरपोर्ट को केवल एक सरकारी परियोजना न मानकर क्षेत्रीय विकास के आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न जनसभाओं, पंचायत बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में यह संदेश दिया कि एयरपोर्ट पश्चिमी उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ेगा।

तत्कालीन जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने जेवर के लिए एयरपोर्ट की आवश्यता को बताया जरुरी

जेवर एयरपोर्ट जैसी विशाल परियोजना में भूमि अधिग्रहण सबसे चुनौतीपूर्ण चरण माना जाता है। ऐसे में तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा अपनाई गई संवाद-प्रधान रणनीति ने न केवल संभावित टकराव को टाला, बल्कि परियोजना को समय पर आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज जब नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट देश की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं में गिना जा रहा है, तो उसके पीछे प्रशासनिक स्तर पर किए गए ऐसे प्रयासों को भी याद किया जा रहा है। उन्होंने किसानों के बीच जाकर व्यक्तिगत संवाद स्थापित किया और उन्हें एयरपोर्ट परियोजना की आवश्यकता तथा उससे होने वाले स्थानीय विकास के लाभों के बारे में विस्तार से समझाया। उस समय जेवर क्षेत्र के किसानों में भूमि अधिग्रहण को लेकर असमंजस और विरोध की स्थिति थी। उनके इस संवादात्मक और संवेदनशील दृष्टिकोण के कारण बड़ी संख्या में किसानों ने स्वेच्छा से भूमि देने पर सहमति जताई, जिससे अधिग्रहण की प्रक्रिया अपेक्षाकृत सुचारु रूप से पूरी हो सकी। बाद में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में योगी आदित्यनाथ ने भी बृजेश नारायण सिंह के कार्य की खुले मंच से सराहना की थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि प्रशासनिक स्तर पर जिस तरीके से किसानों से संवाद स्थापित कर सहमति बनाई गई।

आधारभूत स्तंभ के रुप में डॉ. अरुणवीर सिंह का योगदान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परियोजना के प्रशासनिक संचालन, भूमि प्रबंधन, निवेश आकर्षण और समग्र क्षेत्रीय योजना के क्रियान्वयन में तत्कालीन सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह का योगदान आधारभूत स्तंभ की तरह रहा। उनके नेतृत्व में यमुना प्राधिकरण ने इस परियोजना को केवल एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि एक व्यापक आर्थिक विकास क्षेत्र के रूप में आकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए। एयरपोर्ट के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने, सेक्टर योजना बनाने और आसपास के क्षेत्रों के मास्टर प्लान को अंतिम रूप देने में डॉ. अरुणवीर सिंह की निर्णायक भूमिका रही। उनके नेतृत्व में प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के साथ-साथ एयरोसिटी, लॉजिस्टिक हब और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए विस्तृत योजना तैयार की, जिससे परियोजना केवल एयरपोर्ट तक सीमित न रहकर एक समग्र आर्थिक क्षेत्र के रूप में विकसित हो सके। डॉ. अरुणवीर सिंह ने देश-विदेश के निवेशकों के साथ बैठकें कर जेवर एयरपोर्ट के आसपास औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की रणनीति तैयार की। उनकी पहल पर कई निवेशक सम्मेलन आयोजित हुए, जिनमें एयरपोर्ट-आधारित विकास मॉडल को बढ़ावा दिया गया। डॉ. अरुणवीर सिंह ने एक मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट और इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित करने की दीर्घकालिक रणनीति पर काम किया।

एयरपोर्ट के सूत्रधार के रुप में एसीईओ शैलेन्द्र भाटिया ने किया काम

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण और उससे जुड़े प्रशासनिक समन्वय में यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेन्द्र भाटिया ने महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाई। उन्होंने प्राधिकरण, राज्य सरकार, निर्माण एजेंसियों और स्थानीय स्तर के अधिकारियों के बीच लगातार संवाद बनाए रखते हुए परियोजना को गति देने में योगदान दिया। एयरपोर्ट जैसी बहुस्तरीय परियोजना में विभिन्न विभागों-भूमि, निर्माण, आधारभूत ढांचा और निवेशके बीच तालमेल बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए शैलेन्द्र भाटिया ने नियमित बैठकों और फील्ड विजिट के माध्यम से समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया। इससे परियोजना से जुड़ी कई प्रशासनिक बाधाएं समय रहते दूर हो सकीं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN DELHI 28 MARCH 2026

24 साल का इंतजार हुआ समाप्त, प्रधानमंत्री आज करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण

नोएडा एयरपोर्ट की यात्री टर्मिनल बिल्डिंग • जागरण

- सुबह 11:30 बजे लोकार्पण, फिर जनसभा करेंगे पीएम मोदी
- एसपीजी, पीएसी, आरएएफ, एटीएस के अलावा पांच हजार पुलिसकर्मी भी रहेंगे तैनात

जागरण संवाददाता जेवर: 24 साल का इंतजार समाप्त हो गया है। शनिवार को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण होने के साथ ही वर्षों पहले देखा गया सपना फलीभूत हो जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह 11:30 बजे लोकार्पण करेंगे। इसके बाद जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसमें करीब दो लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। एसपीजी ने सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल ली है। सीआइएसएफ, पीएसी, आरएएफ और एटीएस के जवान भी तैनात हैं। सुरक्षा में पांच हजार पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे। सीसीटीवी से निगरानी के लिए बने कंट्रोल रूम व पुलिस हेल्प डेस्क ने काम शुरू कर दिया है। पूरे क्षेत्र को रेड जोन घोषित कर एंटी ड्रोन सिस्टम एक्टिव कर दिया गया है। 20 हजार वाहनों के लिए 15 पार्किंग बनाई गई है। शुक्रवार को तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ ही माक ड्रिल भी की गई।

मल्टी माडल कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण व एमआरओ का शिलान्यास भी करेंगे पीएम: प्रधानमंत्री मोदी मल्टी माडल कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण और मेंटेनेंस रिपेयर ओवरहालिंग (एमआरओ) का शिलान्यास भी करेंगे। एमआरओ से विमानों की मरम्मत व ओवर हालिंग की सुविधा मिलेगी। संवाद >> जागरण सिटी

उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए 28 मार्च का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है। नोएडा एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया जाएगा। इससे व्यापार और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही आइजीआइ एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को भी कम करने में मदद मिलेगी। नोएडा एयरपोर्ट हमारे देश की प्रमुख ग्रीनफील्ड परियोजनाओं में से एक है। यहां मजबूत कार्गो प्रणाली भी विकसित की जा रही है, जिससे लाजिस्टिक्स सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा।

– **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से आज विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के प्रथम चरण का भव्य उद्घाटन होगा। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश का जेवर, भारत का भी 'जेवर' बनकर उभरा है। 25 करोड़ प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक स्वागत व अभिनंदन।

– **योगी आदित्यनाथ**, सीएम, उत्तर प्रदेश

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 28 MARCH 2026

Building a transit hub faces challenges deeper than the infra build-up Noida airport represents

Arrival at Departure Lounge

Dipankar Bhattacharyya

Today's inauguration of the first phase of Noida International Airport is being seen as a vital piece in India's effort to build its own transit hub. Indians are driving global aviation growth. But a large part of business is conducted overseas. Dubai and Singapore have served as India's gateways for a considerable amount of time, and bringing a transit hub onshore faces challenges deeper than the infrastructure build-up the Noida airport represents.

A transit hub runs on interlocking ecosystems of airports, airlines, aircraft maintenance and leasing, cargo handling, and retail. All of these have to come together at scale to create an aviation hub. India is essentially a traffic-originating market that is in the process of setting up capacities across each of these silos. And it's relying heavily on the private sector to step up.

Singapore, Doha and Dubai have achieved their market dominance through heavy state intervention in aviation. Governments there built strong airlines and large airports with public funds, which helped them to anchor international traffic to these destinations. It allowed for the consequential growth in logistics and aircraft maintenance capabilities. The countries strategically kept taxes on jet fuel low, and built domestic aircraft leasing capability. They negotiated hard for open skies, and developed tourism around transit.

Boarding has started

India, by contrast, is relying on the market to reach the same ends. Its airports are being built by private firms, some of them foreign — like Zurich International Airport, which will operate Noida International Airport as a subsidiary, Yamuna International Airport Private Limited (YIAPL). The country's principal airlines are privately owned, with strong overseas shareholding extending to strategic interest of Singapore Airlines in Tata-owned Air India. This creates a patchwork of ownership that will have to traverse a different path to airline-airport convergence.

IndiGo and Air India have placed large aircraft orders with Boeing and Airbus, and should be able to relocate maintenance facilities away from Dubai and Singapore. Onshore aircraft leasing, which is picking up in Gujarat's GIFT City, has a symbiotic relationship with MRO (maintenance, repair, operations/overhaul). But the bigger hurdle is the historical experience with repossessing aircraft from India's legion of failed airlines. The legal framework has been tweaked, but market perceptions will take time to alter.

Aviation turbine fuel (ATF) for international flights is exempt from central VAT, in line with global tax practice. But the elephant in the room is the diversity in state VAT on jet fuel for domestic flights. This has two market-distorting effects: one, it keeps domestic aviation uncompetitive. Two, states can leverage tax on jet fuel to get ahead in the airports game.

Noida airport benefits from UP government's decision to tax ATF at 1%. Aircraft refuelling at Delhi's Indira Gandhi International Airport pay an eye-watering 25%. IGI Airport handles the biggest chunk of cargo traffic from the country, which will, by design, shift to the Noida airport less than 100 km away because existing capacity is under strain. Tax differential hastens the transition, and can be avoided if the Centre prevails on Delhi government to match UP's tax on jet fuel.

India's journey towards becoming a transit hub involves an unusually large number of stakeholders. Even the location of the first hub is up in the air — bets are split between Delhi and Bengaluru. These cities now have airports at distances that permit development of logistics and aeronautical services.

The US has four primary cargo hubs and three for passengers, each anchored by an airline. The numbers are similar for China, the world's second-biggest aviation market. India at third place will be replicating this model more than the city-state transit hubs that draw India's international traffic. This accounts for divergence in outcomes and, hence, methods. Some elements of the Dubai or Singapore models — such as retail — can be de-emphasised as India builds its own hubs.

Singapore (pic), Doha and Dubai have achieved their market dominance through heavy state intervention. India, by contrast, is relying on the market to reach the same ends

How the various parts of Indian aviation come together will also be determined by geopolitical events. The airline industry is particularly prone to shocks and business downturns. There is additional drag of low-margin domestic aviation in the hub-and-spoke configuration.

The most pressing need is to claw back market share from foreign carriers. This limits India's options to open its skies while its airlines bulk up their fleets. Slow aircraft addition, with spillover effects on factors like training pilots in the country, reinforces the pricing power of West Asian carriers that are pushing for liberalised bilateral flying rights.

Finally, it's India's originating traffic pitted against the locational advantage of East Asia's and West Asia's transit hubs. Strong interest by foreign investors in every link in India's aviation value chain indicates the location factor can be neutralised. For that to happen, a lot of moving parts would have to fuse into a sophisticated piece of machinery.

It's India's originating traffic vs locational advantage of East and West Asia's transit hubs. Strong foreign investor interest in India's aviation value chain indicates the location factor can be neutralised

dipankar.bhattacharyya@timesofindia.com

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 28 MARCH 2026

Noida Airport to be inaugurated today by Modi

THE MUCH-AWAITED Noida International Airport (NIA) is set to be inaugurated on Saturday by Prime Minister Narendra Modi, the second major airport in the national capital region.

FE BUREAU & AGENCIES

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 27 MARCH 2026

Airport prayer room video sparks debate

FPJ News Service
MUMBAI

BJP leader Kompella Madhavi Latha's video of reciting mantras at Delhi's Indira Gandhi International Airport has sparked a national debate on the inclusivity of multi-faith prayer rooms at Indian airports.

In the video, Latha is seen reciting "Durga Suktam" inside a women's prayer room while a few Muslim women are present. Her post urged Hindus to use these spaces and "purify" them.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES DELHI 28 MARCH 2026

वर्ष 2001 में पहली बार प्रयास शुरू हुआ, वर्ष 2021 में परियोजना का शिलान्यास किया गया, इस वर्ष छह मार्च को विमान सेवा के लिए लाइसेंस मिला

नोएडा एयरपोर्ट का 25 वर्ष पुराना सपना आज साकार होगा

शुभारंभ आज

■ निशांत कौशिक

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में 25 वर्ष पहले देखा गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना शनिवार को साकार होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह करीब 11 बजे इसका उद्घाटन करेंगे।

नोएडा एयरपोर्ट के लिए सबसे पहले वर्ष 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रयास शुरू किया। उन्होंने इंटरनेशनल एयरपोर्ट एंड और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वर्ष 2014 से पुनः प्रयास तेज हुए। वर्ष 2015 में अखिलेश यादव ने जेवर एयरपोर्ट शुरू करने की इच्छा के प्रयासों से एयरपोर्ट निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय से क्लीयरेंस मिला। उस समय दिल्ली एयरपोर्ट से कम दूरी का हवाला देकर मामला फिर लटका दिया गया। इस बीच एयरपोर्ट को आगरा स्थानांतरित करने के प्रयास हुए। केंद्र

और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद वर्ष 2014 से पुनः प्रयास तेज हुए। वर्ष 2015 में अखिलेश यादव ने जेवर एयरपोर्ट शुरू करने की इच्छा

जारी किया।

सुरक्षा कड़ी : उद्घाटन कार्यक्रम और जनसभा में सुरक्षा के लिए सात हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 नवंबर 2021 को जेवर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने के लिए शिलान्यास किया। अब यह बनकर तैयार है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने छह मार्च 2026 को एयरपोर्ट के लिए एयरोड्रम लाइसेंस जारी किया।

सुरक्षा कड़ी : उद्घाटन कार्यक्रम और जनसभा में सुरक्षा के लिए सात हजार से अधिक पुलिसकर्मियों की

पहला एमआरओ हब होगा। फिलहाल देश के विमानों में बड़ी तकनीकी और अन्य दिक्कतें आने पर मरम्मत के लिए विदेश पर निर्भर रहना पड़ता है।

एमआरओ हब की भी नींव रखेंगे: प्रधानमंत्री एयरपोर्ट परिसर में एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) हब की भी नींव रखेंगे। नोएडा एयरपोर्ट परिसर में विमानों के रखरखाव के लिए बनने वाला यह

पहला एमआरओ हब होगा। फिलहाल देश के विमानों में बड़ी तकनीकी और अन्य दिक्कतें आने पर मरम्मत के लिए विदेश पर निर्भर रहना पड़ता है।

सरकार ने ईंधन पर एक फीसदी वैट लगाने का निर्णय लिया, जबकि दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानों को ईंधन पर 25 फीसदी वैट देना पड़ता है।

वाले विमानों में यात्री किराया दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट के मुकाबले कम हो सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट की अपेक्षा यहां से उड़ान भरने वाले विमानों को ईंधन सस्ती दर पर उपलब्ध होगा। निर्माण से पहले हुए समझौते में यूपी

सरकार ने ईंधन पर एक फीसदी वैट लगाने का निर्णय लिया, जबकि दिल्ली एयरपोर्ट पर विमानों को ईंधन पर 25 फीसदी वैट देना पड़ता है।

प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए तीन पंडाल बने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए तीन पंडाल बनाए गए है। उनकी जनसभा में दो लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। नोएडा एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री टर्मिनल भवन का निरीक्षण कर जनसभा को संबोधित करेंगे। समारोह में यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

वाहनों को वापस टप्पल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वाहन टप्पल-पलवल होकर गंतव्य तक जा सकेंगे।

एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और कार्यक्रम स्थल के आसपास के रास्तों पर सुबह सात से रात 11 बजे तक मालवाहक वाहनों का आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जेवर-टप्पल मार्ग पर गोपालगढ़ की ओर से जेवर की तरफ जाने वाले व्यावसायिक

वाहनों को वापस टप्पल की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वाहन टप्पल-पलवल होकर गंतव्य तक जा सकेंगे।

शुरुआत में लखनऊ, जयपुर समेत दस शहरों के लिए उड़ानों की उम्मीद

नोएडा एयरपोर्ट से नियमित उड़ानों का संचालन अप्रैल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। शुरुआत में लखनऊ, जयपुर समेत दस शहरों के लिए विमान सेवा शुरू होने की उम्मीद है।

घरेलू-कार्गो सेवा से आगाज होगा

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने विमान सेवा के लिए इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया के साथ साझेदारी की है। 20 अप्रैल के बाद उड़ानें शुरू करने की तैयारी है।

दिल्ली-मुंबई, ईस्टर्न पेरिफेरल से सीधे जुड़ेगा

के नाम से दिखने लगा है। हालांकि, अभी टिकट बुकिंग शुरू नहीं हुई। इस प्रक्रिया में 45 दिन लगते हैं। इसके बाद उड़ानें शुरू हो सकेंगी।

04

एक्सप्रेसवे यमुना, गंगा, दिल्ली-मुंबई, ईस्टर्न पेरिफेरल से सीधे जुड़ेगा

ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज

मेक माई ट्रिप वेबसाइट और ऐप पर एयरपोर्ट की एंट्री नोएडा डीएक्सएन के नाम से दिखने लगा है। हालांकि, अभी टिकट बुकिंग शुरू नहीं हुई। इस प्रक्रिया में 45 दिन लगते हैं। इसके बाद उड़ानें शुरू हो सकेंगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 28 MARCH 2026

Noida int'l airport to open today; to ease IGI's load, boost logistics

Vinod Rajput
vinod.rajput@htlive.com

NOIDA: The Noida International Airport will be among the country's most important greenfield projects, will ease congestion at Delhi's Indira Gandhi International (IGI) Airport, and will serve as a major boost to the country's logistics sector, Prime Minister Narendra Modi said on Friday, a day ahead of its inauguration.

"Tomorrow... is a day of immense importance for the people of Uttar Pradesh and NCR. Phase 1 of Noida International Airport will be inaugurated. This will boost commerce and connectivity. It will ease congestion at the IGI Airport in Delhi. The Noida airport is among the key greenfield projects in our nation. In addition to passenger services, it will have a robust cargo ecosystem thus boosting the logistics sector," the PM posted on X.

Spread over 11,742.45 acres, the airport will be home to an 87-acre multi-modal cargo hub, a 40-acre maintenance, repair, and operation hub, and will be the most energy-efficient project of its kind, officials said.

"The Noida International Airport is poised to become India's largest airport upon completion with an ultimate capacity to serve 225 million passengers per annum, serving as a key catalyst for economic growth and connectivity across NCR," said Shailendra Bhatia, additional CEO of the Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) and nodal officer for Noida International Airport Limited (NIAL).

The airport is planned to be developed in two stages. Capacity will be expanded from 70 million passengers to 225 million over the two stages. The first stage will have four phases, where annual passenger footfall is expected to grow from 12 million to 70 million.

A 40-year concession agreement was signed between NIAL and Yamuna International Airport Pvt Ltd (YIAPL) – a 100% subsidiary of Zurich Airport International AG – for development of Stage 1. As part of Stage 1, the airport will be constructed in four phases across 1,334 hectares and will have two runways with a final handling capacity of 70 million passengers per annum. Phase 1 will handle 12 million passengers annually.

Seating and passage areas, and the entry facade a day before the inauguration of the facility. @NARENDRAMODI/X

Multi-modal cargo hub

The airport has allocated 87 acres for development of a Multi-Modal Cargo Hub, which will house an integrated cargo terminal, warehouse, and logistics zone. Approximately 30 acres will be used for domestic, international, and express courier terminals.

"A total investment of ₹800 crore in Phase 1 has been made for the cargo hub, with expected total investment of ₹3,200 crore after the final phase. The cargo terminal is designed to handle 255,000 metric tonnes of cargo per annum, which will be scaled to handle 1.8 million metric tonnes," said RK Singh, NIAL CEO.

First airport with MRO

The airport will become the first in the country to have an in-house Maintenance, Repair, and Overhaul facility. NIAL has allocated 40 acres of land for MRO operations and recently entered into a partnership with SNV Aviation Private Ltd (Akasa Air) to develop, operationalise, and manage the facility, which will be developed over 1.54 acres with an estimated investment of ₹60 crore.

Sustainability features

NIA is designed as a net-zero concept airport, developed in collaboration with Zurich Airport Group to minimise carbon emissions and promote sustainability.

Two ponds have been created for rainwater harvesting to ensure sustainable water supply. A sewage treatment plant of 3 MLD capacity is planned to treat sewage generated from airport operations. An 82.94-acre solar farm with a power generating capacity of 51,966 megawatts has been established.

Industrial growth

YEIDA officials said the development of Noida International Airport has acted as a strong catalyst for industrial growth in the region. Dedicated parks such as Apparel Park, MSME Park, Toy Park, Data Centre Park, and ODOP Handicraft Park are being developed.

The region has also attracted high-value strategic investments, most notably the India Chip semiconductor facility, a joint venture between HCL and Foxconn, with an investment of over ₹3,700 crore aimed at strengthening India's semiconductor ecosystem under the Atmanirbhar Bharat mission. Works have also commenced at the 350-acre Medical Devices Park. Additionally, an International Film City is planned near the airport with an investment of over ₹1,500 crore. In total, industry commitments amounting to nearly ₹30,000 crore have been received.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 28 MARCH 2026

आज से नई उड़ान भरेगा नोएडा, उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा

नोएडा हवाई अड्डा वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा देगा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली/नोएडा, 27 मार्च।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा देगा तथा दिल्ली के आइजीआइ हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ कम करेगा। प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के उद्घाटन से एक दिन पहले कहा कि नोएडा हवाई अड्डा देश की प्रमुख नई परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा इसमें एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी होगी जिससे लाजिस्टिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

मोदी शनिवार को नवनिर्मित नोएडा हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे, जिसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में परिकल्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि 28 मार्च को उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण दिन है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन होगा। इससे वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। यह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आइजीआइ) पर भीड़भाड़ कम करेगा। नोएडा हवाई अड्डा भारत की सबसे बड़ी नई हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है।

3900 मीटर लंबी हवाई पट्टी

हवाईअड्डे के पहले चरण को सार्वजनिक-निजी भागीदारी माडल के तहत 11,200 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है। इस हवाईअड्डे की यात्री संभालने की क्षमता शुरुआत में प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ यात्रियों की होगी। पूरी तरह विकसित होने पर इसे बढ़ाकर प्रतिवर्ष सात करोड़ यात्रियों तक बढ़ाया जा सकेगा। हवाई अड्डे की विशेषताओं में 3,900 मीटर लंबा रनवे शामिल है, जो चौड़े आकार के विमानों को संभालने में सक्षम है। आधुनिक नेविगेशन प्रणाली जैसे इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और हर मौसम में चौबीसों घंटे संचालन के लिए उन्नत 'एअरफील्ड लाइटिंग' भी मौजूद है। हवाई अड्डे में एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी शामिल है। इसमें एक 'मल्टी-मोडल कार्गो हब' होगा जिसमें एकीकृत मालवाहन टर्मिनल एवं लाजिस्टिक क्षेत्र शामिल होंगे।

शुरू में 45 शहरों के लिए 65 उड़ानें

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से अप्रैल के अंत तक व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत की तैयारी है। शुरुआत में देश के 45 शहरों के लिए करीब 65 व्यवसायिक उड़ाने शुरू होंगी। जिसके तहत इंडिगो 45, अकासा सात और एयर इंडिया 13 उड़ानें शुरू करेंगी। सितंबर से अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए एनआइए की कुछ यूरोप, पश्चिमी और पूर्वी एशिया और अमेरिकी देशों की विमानन कंपनियों से बात की जा रही है। टर्मिनल इमारत क्षेत्र 101590 वर्गमीटर का है। हवाई अड्डे को पूरी क्षमता से संचालित किए जाने पर यहां एक घंटे में करीब तीस विमान उतर और उड़ान भर सकेंगे। उद्घाटन के बाद तकनीकी टीम इसके लिए परीक्षण और आपरेशनल जांच उड़ान शुरू करेगी।

बुलेट ट्रेन व आरआरटीएस से भी जुड़ेगा

हवाई अड्डे को यमुना एक्सप्रेस-वे के करीब बनाया गया है, जो नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे और आगरा को सीधे जोड़ता है। हवाई अड्डे को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे से जोड़ा गया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे से भी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को जोड़ा जा रहा है। हवाई अड्डे को खुर्जा-जेवर के बीच एनएच-91, समर्पित माल वाहक गलियारे के अलावा दिल्ली-वाराणसी के बीच प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल गलियारे का एक स्टेशन भी इसके करीब ही प्रस्तावित है। साथ ही यमुना पुस्ता पर प्रस्तावित उपरिगामी मार्ग दिल्ली के एक हिस्से को हवाई अड्डे से सीधा जोड़ेगा। जबकि हवाई अड्डे तक सीधा संपर्क मार्ग स्थापित करने के लिए गाजियाबाद से 71.1 किलोमीटर लंबा आरआरटीएस बनाया जाएगा। जिस पर 11 स्टेशन होंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 16 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

ऐसा रहा सफर

- 2001 जेवर में हवाईअड्डे का विचार यूपी के तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने पहली बार रखा। हालांकि, अगले कुछ वर्षों तक यह ठंडे बस्ते में ही रहा।
- 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती ने जेवर के पास ताज एविएशन हब का प्रस्ताव रखा। हालांकि, यह योजना भी आगे नहीं बढ़ी।
- 2012 से 2016 के बीच अखिलेश यादव के नेतृत्व में सपा सरकार ने जेवर और आगरा में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर चर्चा की।
- 2017 में आखिरकार यूपी में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद हवाईअड्डे के लिए सरकार ने स्थल मंजूरी हासिल की।
- 2019 में तकनीकी और आर्थिक नीलामी की प्रक्रिया हुई। हवाईअड्डे निर्माण के लिए कंपनी तय की गई।
- 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की नींव रखी।
- 2026 में 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे।

11,200 करोड़ की लागत से विकसित किया गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा।

2.5 लाख टन शुरुआती कार्गो क्षमता, बढ़ाकर 18 लाख टन तक करने की योजना।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, सात हजार जवान रहेंगे तैनात

उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और राज्यपाल की मौजूदगी को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा में सात हजार पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। जिसके लिए चार चरण का सुरक्षा घेरा होगा। कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले रास्तों पर निगरानी रखने के लिए 300 उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। प्रधानमंत्री की जनसभा में विभिन्न जनपदों से आने वाली करीब ढाई हजार से अधिक बस चालकों के पास गौतमबुद्ध नगर कलेक्ट्रेट के नियंत्रण कक्ष से फोन किए जाएंगे।

सुबह सात बजे से रात 11 बजे तक मालवाहक वाहनों पर रोक

हवाई अड्डे के उद्घाटन के कारण नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस वे, यमुना एक्सप्रेस वे और कार्यक्रम स्थल के आसपास की सड़कों पर सुबह सात से रात 11 बजे तक आपातकालीन वाहनों को छोड़कर सभी मालवाहक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने मार्ग परिवर्तन के साथ पार्किंग की योजना भी जारी की है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 28 MARCH 2026

Five-tier security, 5,000 personnel for Noida Int'l Airport inauguration

Elaborate security, emergency preparedness and traffic diversions for launch

DIPIKA KIROLA

NOIDA: A comprehensive five-tier security arrangement has been put in place and around 5,000 personnel deployed for the inauguration of the Noida International Airport at Jewar by Prime Minister Narendra Modi on Saturday, with authorities also enforcing traffic restrictions and diversions across Noida and Greater Noida to ensure smooth movement during the high-profile event.

According to officials, the venue and surrounding areas have been secured under a multi-layered security architecture in coordination with the Special Protection Group (SPG). Extensive checks, including anti-sabotage sweeps, bomb disposal squad inspections and anti-mine operations, have been carried out in advance.

Strict access control measures will be enforced at all entry points, with mandatory frisking, baggage screening and identity verification. Invitations issued for the event specify that wearing black clothing and

live streaming of the programme are prohibited.

Security deployment includes personnel from multiple agencies such as PAC, RAF, ATS and CISF, supported by Quick Reaction Teams stationed at strategic locations. Door Frame Metal Detectors have been installed at various points, along with separate enclosures for women attendees.

The area has been declared a red zone with a complete ban on drone operations, and anti-drone teams have been deployed. Authorities are also monitoring social media platforms to track misinformation and potential threats. A central control room has been set up for CCTV surveillance, while help desks will assist attendees at designated points.

Emergency preparedness has been strengthened through coordination with NDRF and SDRF teams. Fire tenders are on standby, evacuation routes have been marked, and mock drills conducted. Medical support will include ambulances, dedicated corridors for emergency movement and on-site medical desks.

TAKEAWAYS

- Traffic restrictions will be enforced across key routes, particularly along the Yamuna Expressway and roads connecting Noida and Greater Noida to Jewar
- Vehicular movement on certain stretches of the expressway will be regulated intermittently during VIP movement

Given the proximity to the Yamuna River, riverine patrolling arrangements have also been made. Additionally, background verification of vendors, staff and volunteers has been completed, and an integrated command and control system is in place for real-time coordination. In parallel, traffic restrictions will be enforced across key routes, particularly along the Yamuna Expressway and roads connecting Noida and Greater Noida to Jewar. Vehicular movement on certain stretches of the expressway will be regulated intermittently during VIP movement.

Heavy vehicles, including trucks and commercial carriers, will be barred from designated stretches during specific hours and diverted via alternative routes identified by the administration. Light motor vehicles may also be rerouted depending on congestion and security requirements.

Authorities have arranged parking for nearly 20,000 vehicles across 15 designated sites, and traffic personnel will be deployed at major intersections to manage flow and assist commuters.

Officials have advised residents to avoid non-essential travel towards Jewar and adjoining areas during peak hours, warning of heavy congestion, especially during the event window. Commuters travelling between Noida and Agra have been advised to allow extra time and check real-time traffic updates. Authorities have also planned phased crowd dispersal and traffic clearance measures to ensure smooth movement and an incident-free airport inauguration event.

WITH AGENCY INPUTS

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 28 MARCH 2026

इस तरह पहुंचेंगे जनसभास्थल तक

शनिवार को समारोह में पहुंचने के लिए आम जन का प्रवेश किशोरपुर गांव की तरफ से होगा। गेट के अंदर पांच गेट बनाए गए हैं। ताकि लोग आसानी से जनसभा स्थल तक पहुंच जाएं। जबकि वीवीआईपी यमुना एक्सप्रेसवे के 32वें किमी पर बने इंटरचेंज से एयरपोर्ट में प्रवेश करेंगे। यहां 20 हजार से वाहनों के आने की उम्मीद है। इसके लिए 12 पार्किंग स्थल है। ताकि लोगों को वाहन खड़ा करने में दिक्कत न हो। इसमें मेरठ से आगरा तक के लोगों को आने की उम्मीद है।

अभी टैक्सी और अपनी गाड़ी ही सहारा

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद आदि शहरों से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचना चाहते हैं तो अभी टैक्सी या अपनी गाड़ी ही विकल्प है। आप यमुना एक्सप्रेसवे के जरिये नोएडा एयरपोर्ट पहुंच सकते हैं। यमुना एक्सप्रेसवे के 32वें किमी पर इंटरचेंज है। यहां से 800 मीटर पर एयरपोर्ट है।

नोएडा एयरपोर्ट को मिला DXN कोड

■ **NBT** रिपोर्ट, ग्रेनो : नोएडा एयरपोर्ट **DXN** के नाम से जाना जाएगा। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने इसे **DXN** कोड दिया है। अगर आप एयर टिकट बुकिंग कराते हैं तो आपको यही कोड डालना होगा। बुकिंग एप में यह कोड दिखने लगा है, लेकिन अभी बुकिंग नहीं शुरू हुई है।

PM आज करेंगे नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन, फ्लाइट के लिए करना होगा जून तक इंतज़ार

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर नोएडा

इंतजार खत्म हो गया और आज जेवर नया इतिहास रचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11.30 बजे नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण और विमानों की मरम्मत के लिए बनने वाले एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) सेंटर का शिलान्यास करेंगे। एयरपोर्ट का संचालन डोमस्टिक और कार्गो सुविधा के साथ शुरू होगा। यहां होने वाली पीएम जनसभा के लिए तीन बड़े पंडाल लगाए गए हैं। जनसभा में दो लाख लोगों के आने की संभावना है।

उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी

घरेलू व कार्गो उड़ानों से शुरुआत

एयरपोर्ट से शुरुआत में सिर्फ घरेलू व कार्गो उड़ाने होंगी। इंटरनैशनल उड़ाने शुरू होने में कुछ माह लग सकते हैं। शुरुआत में सिर्फ दिन में ही उड़ाने शुरू होंगी। एयरपोर्ट पर घरेलू व कार्गो टर्मिनल का काम पूरा हो चुका है, यहां सभी प्रकार के उपकरण लग चुके हैं। यहां से चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अहमदाबाद, जयपुर, अयोध्या आदि शहरों की सेवाएं मिलेंगी। यहां से एक दिन में 65 फ्लाइट का संचालन किया जा जाएगा। इस रनवे पर एक घंटे में 30 फ्लाइट के टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता है। इस एयरपोर्ट से अभी इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस व आकासा एयरलाइंस सेवा मिलेंगी।

12 बजे प्रथम चरण का होगा उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह लगभग 11:30 बजे टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री एयरपोर्ट के प्रथम चरण का उद्घाटन करेंगे। हालांकि अभी संचालन नहीं शुरू होगा। समारोह में यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएम योगी आदित्यनाथ, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के मंत्री राम मोहन नायडू शामिल होंगे। पहले चरण में 11,200 करोड़ खर्च किए गए हैं।

सुरक्षा प्लान मंजूर होने के बाद ही हो सकेगी टिकट बुकिंग

■ NBT रिपोर्ट, ग्रेटर नोएडा

नोएडा इंटरनैशनल एयरपोर्ट का शुभारंभ भले आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर देंगे, लेकिन इसका संचालन जून तक शुरू होने की उम्मीद है। अभी ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बकास) की ओर से सुरक्षा प्लान का अप्रूवल बाकी है। इसी अप्रूवल के बाद टिकट बुकिंग शुरू होगी। नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के लिए इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस व आकासा एयरलाइंस के साथ अनुबंध किया गया है। हालांकि अभी टिकट बुकिंग शुरू नहीं हुई है। सुरक्षा प्लान की मंजूरी मिलने के बाद ही एयरपोर्ट प्रबंधन एयरलाइंस को पत्र लिखेगा।

अभी ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी से सुरक्षा प्लान का अप्रूवल बाकी, अप्रूवल मिलने के बाद एयरलाइंस को टिकट बुकिंग शुरू करने के लिए कहा जाएगा

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 28 MARCH 2026

नवोदय टाइम्स Sat,28 March 2026
Edition: main edition, Page no. 8

नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन आज

एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अब भर सकेंगे उड़ान

रनवे पर पहली बार उतरेगा पीएम का विमान

पांच किमी के दायरे में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

ग्रेटर नोएडा, 27 मार्च (नवोदय टाइम्स): देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एशिया के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट ,जिला प्रशासन की तरफ से उद्घाटन की पूरी तैयारियां कर ली गई है।

नवनिर्मित एयरपोर्ट के रनवे पर पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान सुबह साढ़े 11 बजे के आसपास उतरेगा। एसपीजी ने पूरे एयरपोर्ट परिसर में सुरक्षा की कमान संभाल रखी है। इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल समेत अन्य दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे। उद्घाटन के बाद वह एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जिसके लिए भाजपा संगठन ने पूरी तैयारी कर ली है। दावा किया जा रहा है कि जनसभा में दो लाख से अधिक लोग शामिल होंगे।

2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही इस एयरपोर्ट का शिलान्यास कर भूमि पूजन किया था। अब दूसरी बार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे पर उनका विमान उतरेगा। गेट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, कार्गो टर्मिनल और एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) का उद्घाटन करेंगे। उसके बाद एयरपोर्ट से कुछ ही दूरी पर पंडाल में पहुंचकर जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा के लिए एयरपोर्ट परिसर में तीन बड़े पंडाल बनाए गए हैं। जिनमें आम लोगों के बैठने के लिए व्यवस्था होगी। शुक्रवार को भी एयरपोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में तैयारियां करते हुए लोग नजर आए। साफ-सफाई से लेकर एयरपोर्ट की छत का निर्माण कार्य किया जा रहा था।

लगाए गए दिशा-निर्देश बोर्ड: यमुना एक्सप्रेस-वे से लेकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने में किसी की प्रकार की लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए जगह-जगह दिशा सूचक बोर्ड लगा दिए गए है। ताकि आसानी के साथ लोग कार्यक्रम स्थल तक पहुंच सके। हालांकि, वीवीआईपी और वीआईपी मार्ग पर शुक्रवार को ही आम लोगों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई। वीवीआईपी के लिए यमुना एक्सप्रेस-वे के 32वें किलोमीटर पर बने इंटरचेंज से एयरपोर्ट परिसर में प्रवेश करेंगे। सभी निधारिंत मार्गो पर पुलिस और सिक्यूरिटी गार्ड तैनात कर दिए गए है।

टेक ऑफ से होगा यूपी का आर्थिक विकास

- एयरक्राफ्ट पार्किंग 28 फ्लाइट की है
- टर्मिनल बिल्डिंग एरिया-1 101590 वर्गमीटर का है
- प्रवेश करने के लिए 48 चेक-इन काउंटर, 9 सुरक्षा जांच लेन, 9 इमिग्रेशन काउंटर

नोएडा, 27 मार्च (नवोदय टाइम्स): कागजों से धरातल तक पहुंचने का 25 साल का लंबा इंतजार। इन 25 सालों में उप्र में तीन सरकार भाजपा, बसपा और सपा कार्यकाल में जेवर में एयरपोर्ट बने या न बने इसको लेकर फाइले एक दूसरे विभाग के बीच बीच भेजी जाती रही।

केन्द्र सरकार के महकमों तक भी फाइल गई। आपत्तियों के लौटी फिर भेजी गई लेकिन वर्ष 2018 के बाद जेवर की धरती पर एयरपोर्ट बनेगा इसका निर्णय हुआ। जेवर क्षेत्र के छह गांवों के किसानों से जमीन खरीदने से हुई शुरूआत शनिवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्टके लोकार्पण के साथ ही उप्र के आर्थिक दशा व दिशा बदल देगा।

उत्तरप्रदेश के आर्थिक विकास का जहाज उप्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक मजबूत स्ट्रैटेजिक इंजन के रूप में सामने आएगा।

नोएडा व ग्रेटर नोएडा में जहां छोटे मझोले उद्योग से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां है। जो अपने उत्पादों को विश्व के लगभग 50 से अधिक देशों में सीधे तौर पर निर्यात करती है।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लिमिटेड एक साझा वेंचर है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार का 37.5 फीसदी, नोएडा प्राधिकरण का 37.5 फीसदी, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक प्राधिकारण का 12.5 फीसदी और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक प्राधिकरण की 12.5 फीसदी शेयर होल्डिंग है।

विकास का सारथी

- नोएडा एयरपोर्ट के 15 किमी के दायरे यीडा के पांच औद्योगिक पार्क (मेडिकल डिवाइस पार्क, अपैरल पार्क, एमएसएमई पार्क, टॉय पार्क और हैंडीक्राफ्ट पार्क)बन रहे है। जिसमें देश व विदेश की नामी कपंनियां अपनी इकाई लगाने के लिए जमीन खरीद चुकी है या निवेश की इच्छुक है। कुछ ने निर्माण भी शुरू कर दिया है।
- एयरपोर्ट से चंद किमी दूर ईस्टर्न-वेर्स्टन फ्रेट कॉरिडोर, जो देश का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स हब बन सकता है। इससे वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज और ई-कॉमर्स सेंटर्स का तेजी से विस्तार होगा।
- गौतमबुद्ध नगर के अलावा आगरा, मथुरा, एटा, मैनपुरी, इटावा, बुलंदशहर, अलीगढ़, पश्चिमी उप्र के किसान कृषि उत्पाद जैसे फल, सब्जियां, डेयरी और फूल अब सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजे जा सकेंगे। इससे किसानों की आय में 20-30 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है।
- एमएसएमई सेक्टर को फायदा मिलेगा। आगरा, खुर्जा, मुरादाबाद, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर के उद्योगों को लॉजिस्टिक्स लागत कम होने और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आर्थिक लाभ होगा।
- आगरा, मथुरा, वृंदावन के पर्यटन और धार्मिक महत्व को देखते हुए नोएडा एयरपोर्ट की यमुना एक्सप्रेस वे से सीधी कनेक्टिविट,हर साल हजारों विदेशी मेहमान आते इन जगहों पर—दिल्ली एयरपोर्ट पर ट्रैफिक और भीड़ के मद्देनजर नोएडा एयरपोर्ट दिल्ली और गुरुग्राम के निवासियों के लिए भी अहम ट्रांजिट पॉइंट बनकर उभर सकता है।

- एयरपोर्ट के संचालन के शुरुआती पांच वर्षों में एयरपोर्ट आपरेशन, ग्राउंड हैंडलिंग, सिक्योरिटी, रिटेल और हास्पिटैलिटी जैसे क्षेत्रों में 20,000 से अधिक तथा एमआरओ, कार्गो, लाजिस्टिक्स और एविएशन सर्विसेज में 30,000 से अधिक, कुल मिलाकर 50,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। वहीं कृषि, ट्रांसपोर्ट, सप्लाई चेन, एमएसएमई, होटल और पर्यटन जैसे सेक्टर्स में पांच लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे।
- एयरपोर्ट के विकास के साथ प्रदेश में रियल एस्टेट और औद्योगिक क्षेत्र में निवेश बूस्टर डोज मिलेगा।
- नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण तेजी से निवेश और औद्योगिक केंद्र के रूप में उभरेंगे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 28 MARCH 2026

Route diversions announced ahead of PM's visit to Noida airport

PIONEER NEWS SERVICE
Noida

The Gautam Buddh Nagar Traffic Police has issued a detailed advisory ahead of Prime Minister Narendra Modi's visit to Noida International Airport on March 28. Noida Police officials have advised commuters to follow designated routes and avoid unnecessary travel near the venue to ensure the smooth conduct of the high-profile event.

According to Noida Police officials, the entry routes and parking zones have been marked. Vehicles from Meerut and Ghaziabad will be routed via the Eastern Peripheral Expressway, while those from Mathura and Aligarh will take the Yamuna Expressway. Separate parking zones have been earmarked, including P-07 for Meerut and P-06 for Ghaziabad.

Commercial vehicles will be diverted, and goods vehicles will be restricted on the Noida-Greater Noida Expressway and surrounding roads from 7 am to 11 pm.

Emergency vehicles such as ambulances and fire services will have uninterrupted passage. Parking Arrangements: 15 parking facilities have been arranged for 14,700 heavy and medium vehicles and 5,000 two-wheelers.

Traffic coming from Mathura and Aligarh via the Yamuna Expressway will exit at Jewar Cut and enter through Sabauta Underpass and Kishorpur Gate, with parking allocated in zones P-05, P-09 and P-11.

Vehicles from Hapur, Bulandshahr and nearby areas will be diverted along the Jewar-Khurja road and enter through Parohi Gate, with parking arranged in zones P-13 and P-14.

Dignitaries will access the venue through the dedicated Yamuna Expressway interchange and park in zones P-01, P-02 and P-03, while media personnel will enter via Kishorpur Gate and park in P-08. Police, administrative staff and government employees on duty will also use the Kishorpur Gate, with parking designated at P-10, while official buses will be routed via Dayanantpur and parked in P-15.

Commuters from Noida and Greater Noida using the Noida-Greater Noida Expressway will be diverted through specified roundabouts and service roads before entering via a temporary gate near Ranehra Police Post, with parking mainly at P-07.

Vehicles from Greater Noida West and surrounding areas will be routed through Pari Chowk, while those from Dankaur and nearby regions will follow service roads and canal routes to designated entry points. Two-wheelers and light motor vehicles will be allowed entry through Kishorpur Gate with parking at P-04, while vehicles from Jewar town will use the same gate and park in P-12.

Commercial vehicles on the Jewar-Tappal route will be diverted towards Tappal, while those from Khurja heading to Jewar will be stopped at Khurja itself and redirected.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 28 MARCH 2026

Flight timings curtailed at Srinagar airport till July 31

PIONEER NEWS SERVICE
■ Jammu

During the peak tourist season, Srinagar Airport will restrict flight operations from 8 am to 5 pm every day starting April 6 for an Indian Air Force runway upgrade, which is slated to last until July 31, 2026.

At present, around 60 flights, including arrivals and departures, operate daily between 8 am and 10 pm at the airport. However, as per a Notice to Airmen (NOTAM) issued by the Indian Air Force, operational hours for scheduled flights will be temporarily restricted until 5 pm starting from April 6 due to ongoing runway works.

"While the watch hours will be reduced, flight movements are expected to increase in line with the DGCA (Directorate General of Civil Aviation)-approved summer schedule. Airlines will plan and operate flights accordingly within the revised timings," Srinagar airport said on X.

"Airports Authority of India remains committed to ensuring safe, efficient, and seamless travel. Passengers are advised to stay updated through official channels and avoid unverified information."

The development at the beginning of the tourism season has triggered concern among stakeholders, who fear the reduced operating window will impact tourist arrivals.

Travel industry representatives said fewer flights could also lead to higher airfares, discouraging tourists.

Various stakeholders have urged authorities to increase flight frequency within the restricted hours to minimise the impact on Kashmir's tourism industry.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 28 MARCH 2026

From dream to reality: Noida airport takes off

VIVEK SHUKLA

Prime Minister Narendra Modi is set to inaugurate the Noida International Airport at Jewar on March 28, marking a historic milestone for Uttar Pradesh, Delhi-NCR and the nation. Just days away from this grand launch, the airport — popularly known as Jewar Airport — will commence operations as India's newest and one of its most ambitious aviation hubs. Located in Gautam Buddha Nagar district, approximately 75 km from Delhi, this greenfield facility is poised to become the second major airport serving the National Capital Region (NCR). With its inauguration, India takes a significant leap towards addressing the growing demands of its booming aviation industry.

The Noida International Airport (IATA: DXN) has been developed in phases, with Phase 1 ready to handle 12 million passengers annually. It features a 3,900-metre runway capable of supporting up to 30 aircraft movements per hour, a state-of-the-art terminal spanning 100,000 square metres equipped with 48 check-in counters, 10 aerobridges, nine immigration lanes and advanced security systems. Cargo terminals are fully operational, and the airport will initially focus on both domestic and international flights. Low-cost carriers like IndiGo (the launch airline), Akasa Air and Air India Express are gearing up to operate from here, connecting key cities such as Mumbai, Hyderabad, Kolkata and more. In the long term, the airport aims to scale up to 70 million passengers per annum across multiple phases, eventually featuring multiple runways and positioning itself as one of Asia's largest aviation gateways.

The Pioneer
SINCE 1865

Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath personally inspected the site multiple times, reviewing progress on the domestic terminal, security arrangements, traffic management and inauguration preparations. He has chaired high-level meetings, directing officials to ensure quality, timeliness and zero laxity in execution.

The airport embodies Yogi's "Triple S" model - Safety, Stability and Speed — that has redefined Uttar Pradesh's development narrative. By prioritising infrastructure like the Jewar project, Uttar Pradesh attracts global partners and investors. Plans for a "Singapore City" near the airport, complete with world-class logistics and investor-friendly ecosystems along the Yamuna Expressway, highlight his forward-thinking approach to turning aviation hubs into economic engines.

Land acquisition for the project, executed with sensitivity towards affected families (offering employment options alongside compensation), reflects his people-centric policies.

This development is not merely an addition to infrastructure; it is a strategic response to the crippling congestion at Delhi's Indira Gandhi International (IGI) Airport, which has long exceeded its designed capacity. "I feel by providing a modern alternative, Noida International Airport will decongest NCR's skies, reduce delays and enhance passenger experience. India's aviation sector has been on a rapid growth trajectory, with domestic passenger traffic surging post-pandemic and international connectivity expanding," says Ajit Dubey, an aviation sector expert.

Amrit Mann, Managing Director, Mann Fleet Partners Limited, said, "Noida International Airport represents the future of Indian aviation, and I foresee it will be one of the leading airports in the world." It may be recalled that Noida International Airport strengthened its passenger mobility ecosystem with the appointment of Mann Fleet Partners Limited as its official ground transportation services partner. The collaboration is aimed at delivering seamless, efficient and integrated last-mile connectivity solutions for travellers, enhancing overall passenger convenience across the airport campus. Under the agreement, Mann Fleet Partners Limited will manage a comprehensive portfolio of ground mobility services designed to support smooth passenger movement.

The Noida International Airport's launch comes at a pivotal time for India's aviation ambitions. With air traffic projected to grow exponentially over the next three decades, this facility will play a crucial role in realising the nation's vision of becoming a global aviation leader. It will generate employment on a massive scale, stimulate regional economies and enhance connectivity for millions.

As flights take off from Jewar soon, the airport will not only ease the burden on Delhi but also ignite a new era of prosperity. It stands as a testament to collaborative governance — between the Centre and the state — and Yogi's unwavering focus on transformative infrastructure. India's skies are set to expand, and Noida International Airport will be at the forefront, soaring high as a beacon of progress.

The writer is a senior journalist

dailypioneer
@TheDailyPioneer
dailypioneer

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

PUNJAB KESARI DELHI 28 MARCH 2026

तैयारियां पूरी **पहले चरण में देश के 12 शहरों के लिए शुरू हो जाएंगी विमान सेवाएं...**

मोदी आज करेंगे नोएडा एयरपोर्ट का उद्घाटन

पंजाब केसरी/नोएडा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन करने आएंगे। पीएम दोपहर 12 बजे के करीब जेवर पहुंचेंगे। उद्घाटन के बाद वह जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रशासन पूरी तैयारी में जुटा है। पहली उड़ान कब होगी और किस शहर के लिए होगी, इसका निर्धारण उद्घाटन समारोह के बाद किया जाएगा। तिथि निर्धारित होते ही 15 से 20 दिन पहले टिकटों की बुकिंग और बिक्री शुरू कर दी जाएगी। अप्रैल के मध्य में कॉमर्शियल फ्लाइटों की बुकिंग शुरू जाएगी।एनआईए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए भी विमानन कंपनियों से लगातार संपर्क कर रही है। एअर इंडिया एक्सप्रेस, एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा एयरलाइंस की कॉमर्शियल फ्लाइट समेत अन्य देशों की फ्लाइट्स से यात्री विदेश यात्रा कर सकेंगे।

एयरपोर्ट से अप्रैल में ही उड़ानें शुरू कर दी जाएंगी। पहले चरण में देश के 12 शहरों के लिए विमान सेवाएं शुरू होंगी। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर यहां से 47 शहरों के लिए उड़ानें शुरू होंगी। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से एअर इंडिया एक्सप्रेस, एयर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा एयरलाइंस से करार किया गया है। यह कंपनियां मुंबई, बंगलूरू, चेन्नई, कोलकाता, कानपुर, लखनऊ समेत 12 शहरों के लिए उड़ानें शुरू करेंगी। इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया से हुई बात डोमेस्टिक कॉमर्शियल फ्लाइट शुरू करने के लिए एनआईए से अकासा, इंडिगो और एयर इंडिया कंपनियों ने संपर्क किया था। इंडिगो 45 शहरों में अपनी फ्लाइट शुरू करेगी। इसके अलावा एयर इंडिया की सात शहरों में उड़ानें शुरू होंगी। कार्यक्रम स्थल पर पुलिस की ओर से 300 हाई रिज्योलूशन कैमरे लगाए गए हैं।

वाणिज्य एवं संपर्क को मिलेगा बढ़ावा : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वाणिज्य और संपर्क को बढ़ावा देगा तथा दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ कम करेगा।

प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के उद्घाटन से एक दिन पहले कहा कि नोएडा हवाई अड्डा देश की प्रमुख नई परियोजनाओं में से एक है। यात्री सेवाओं के अलावा इसमें एक मजबूत मालवाहक प्रणाली भी होगी जिससे लॉजिस्टिक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA AHMEDABAD 27 MARCH 2026

Flyer held after making bomb threat at airport

TIMES NEWS NETWORK

Surat: Tension gripped Surat International Airport during peak hours on Thursday evening after a Delhi-bound passenger allegedly issued a bomb threat. The incident occurred around 7.45pm when the passenger told airline staff that he had a bomb.

Taking the threat seriously, airline staff alerted the airport director, after which the bomb threat assessment committee (BTAC) was activated. After a preliminary interrogation and baggage check, the passenger was handed over to Dumas police.

According to sources, the airport director received the information around 7.50pm, 80 minutes before the scheduled departure. As the head of the BTAC, the director alerted committee members.

The passenger and his luggage were isolated. While one team conducted a thorough baggage check, another team questioned the passenger.

The flight departed on time without the passenger.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

Why Megapolis Delhi Needs A Second Airport

Airlines Have A Problem Adding Flights In Prime-Time Slots At Delhi's IGI Airport. Noida Gives Them Much More Room

Saurabh.Sinha
@timesofindia.com

More flights. More destinations. More frequency. And most importantly, more convenience, with flyers — all domestic, to begin with — choosing airports closer to where they live or how smoothly they get to an airport and fly from there.

The Delhi megapolis is all set for a major boost in air connectivity with Noida International Airport (NIA) set to become operational by summer. While home to India's busiest and the world's ninth-busiest hub — IGI Airport, which can currently handle over 10 crore passengers annually (CPA) across its three terminals — slot constraints there have long meant airlines could not meaningfully add flights, especially during the choked morning and evening peak hours or by using smaller aircraft.

For this reason, the Hindon IAF base in Ghaziabad got a civil terminal in Oct 2019 to accommodate regional connectivity scheme (RCS) flights, as IGI simply had no room for them. Post-Covid, Hindon started handling non-RCS scheduled domestic flights too. As of now, it cannot handle more than a handful of commercial aircraft movements because of restrictions that come with being a defence airport.

"It's impossible to add any flight to or from IGIA. And not just in the peak period (6-8am and 5-8pm), in other hours too. We were surprised when scheduled flights at Hindon started getting great traction, with people living nearby choosing that airport due to convenience. Same happened at Mopa as people going to and coming from North Goa prefer that. Noida and Navi Mumbai airports will see a repeat of that," said a senior airline official.

PTI

Noida International Airport will start with a capacity of 1.2 crore passengers per annum

But despite the locational convenience, Hindon is, at best, a stopgap solution. This is where NIA was desperately needed. Not surprisingly, airlines showed such interest in night-parking aircraft to operate more first flights in the day from NCR and NIA had to add more parking bays even before becoming operational. Phase I was originally supposed to have 25 parking bays, but nine more have been built.

"Given the demand, I see the airport hitting its Phase I peak (1.2 crore passengers per annum, or CPA) in two years. The airport should have started operations with at least a 2 CPA terminal. RCS connectivity alone will jump 30% to 40% as both Delhi and Mumbai are getting second airports and the existing IGI and CSMIA (Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport) did not have slots for UDAN flights," said VP Agrawal, former chairperson of Airports Authority of India.

IndiGo, one of three airlines to launch services at NIA, along with Air India Express and Akasa, has shared its plans. "Delhi-NCR is one of the world's most densely populated regions and one of the most important sources of aviation demand in India… there is adequate room for multiple airports in NCR to thrive… A multi-airport system in the Delhi-NCR will enable us to serve our customers more efficiently, reduce congestion, enable continued growth and offer greater flexibility," Abhijit Dasgupta, IndiGo's SVP (planning and revenue management), said recently. "NIA represents a significant step forward in ease of aviation access to large population catchments in western UP," Dasgupta added.

How will NIA impact IGI?

Delhi International Airport Ltd (DIAL) recently commissioned a traffic study by global consulting firm ICF International to gauge the impact of the Covid recovery and the opening of NIA on its footfalls. "Based on present travel times, 58% of the population in the total catchment area of IGIA and NIA may prefer IGIA over NIA; 31% may prefer NIA over IGIA; and 11% may prefer both. Residents on the western side, particularly Haryana, shall be more inclined to use IGIA due to better travel times. Many districts in eastern UP have shorter travel times to NIA, making it a more attractive option for local residents…. NIA will have more passengers from eastern UP and parts of Haryana with lesser travel time," the ICF study said.

While IGI will see some passenger and cargo movement shift to NIA, ICF believes the former has a "clear" competitive advantage. The reason? IGIA's catchment area is more urbanised and economically stronger. DIAL's biggest worry is not the loss of footfalls and cargo to NIA. Aviation turbine fuel (ATF) accounts for 45% of airlines' operating costs in India. UP has levied 1% VAT on jet fuel for NIA, while Delhi govt imposes 25% tax on ATF at IGI. So, apart from slot availability, lower jet fuel prices at Noida are likely to attract airlines. DIAL has for months been seeking a "level playing field" with NIA on jet fuel taxation.

DIAL plans to expand IGIA's capacity to 12.5 crore passengers annually by 2029-30. But clearly, NIA will affect IGIA differently from the way Navi Mumbai will affect Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport. Mumbai's existing airport has been operating at peak capacity, handling about 5.5 crore passengers annually, and airlines simply cannot add more flights there. So, it doesn't compete with Navi Mumbai for traffic.

THE TIMES OF INDIA   DELHI   28 MARCH 2026

NEW WINGS FOR NOIDA

As Phase 1 of the airport is inaugurated today, here's what fliers can expect and how the airport will grow from here

The main check-in area as passengers enter to take flights, and (left) the passenger waiting area of the airport near the boarding gates

Photos: Anushka Kogta, Ramesh Sharma & PTI

Area: 1,334 hectares

Entry gates 2

Immigration counters 9 each at arrival and departure

Lounges 1 domestic and international each

CHECK-IN COUNTERS 48 (20 of them for self-baggage drop)

VIP and reserved lounges 1 each at departure, international and domestic arrivals

Boarding gates 10 domestic & 2 international, all with aerobridge connections

Baggage pickup carousels 2 domestic 1 international

Aircraft stands 10 connected to terminal by aerobridge; **15 with bus**

Runway peak flight handling capacity **30/hour**

Multimodal cargo hub capacity 2.5 lakh metric tonnes annually, to be expanded up to **20 LMT**

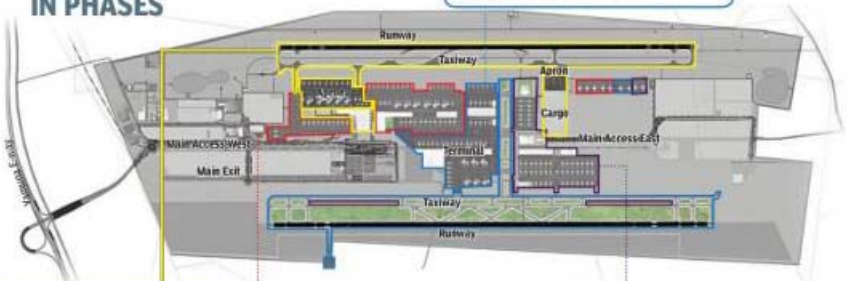

HOW AIRPORT WILL BE EXPANDED IN PHASES

Phase 3 | 2034 | Construction to start once passenger footfall touches 80% of 3 cr
Capacity **5 cr** per annum (+2cr)
Infra | Second terminal building

Phase 1 | Now
Capacity **1.2 cr** fliers a year
Land status | Acquisition complete, rehab complete
Infra | One runway, 1 terminal building, ATC tower, VIP terminal and multi-modal cargo hub

Phase 2 | 2030 | Construction to start once passenger footfall touches 80% of 1.2 cr
Capacity **3 cr** fliers a year (+1.8 in Ph 2)
Land status | Acquisition notified, compensation complete, rehabilitation under way
Infra | T1 mirror expansion, 2nd runway, maintenance, repair, overhaul (MRO) hub

Phase 4 | 2036
Construction to start once passenger footfall touches 80% of 5cr
Capacity **7 cr** per annum (+2cr)
Status | Acquisition notified, compensation payouts yet to begin
Infra | Cargo hub expansion, aerospace manufacturing hubs

What are Noida airport's passenger footfall projections?

	Domestic	International
FY 2027	66 lakh	1.4 lakh
FY 2028	98.5 lakh	4.1 lakh
FY 2029	1.4 cr	6.1 lakh
FY 2030	1.7 cr	7.4 lakh
FY 2031	1.9 cr	8.2 lakh

Source: AERA (All figures are projected and rounded off)

Aerobridge

Airport entrance

Where land will come from

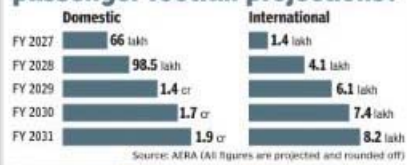

*Airport will eventually span **4,752 hectares**. How land is being acuired*

Phase 1
1,334 hectares from 6 villages

Phase 2
1,330 hectares across 6 villages

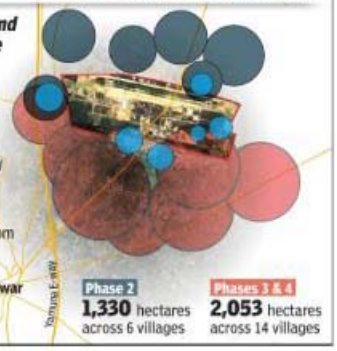

Phases 3 & 4
2,053 hectares across 14 villages

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

1st flight likely only in May after security nod, tariff decision

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: Noida International Airport will be inaugurated by Prime Minister Narendra Modi on Saturday, but the earliest date for flight operations to begin is likely only by May.

The delay is not because of unfinished infrastructure. It is because of final regulatory steps that every airport must clear before airlines can open bookings and begin operations.

The most important of these is the Aerodrome Security Programme (ASP) certification by Bureau of Civil Aviation Security. ASP is the airport's core security framework, laying down how checks will work from entry gates to boarding, and assigning responsibilities to all stakeholders, including the airport operator, airlines, Central Industrial Security Force (CISF) and ground handlers. It also sets out contingency plans to help authorities respond quickly to any security situation.

PTI

Noida airport will begin with one runway and one terminal

Shailendra Bhatia, nodal officer for Noida International Airport Ltd, UP govt's special purpose vehicle overseeing the airport project, said ASP clearance is expected shortly. "ASP is an important stage after the aerodrome licence, which was granted to Noida International Airport on March 6. Once that is approved, it will pave the way for commercial flight operations in the next 30 to 35 days. So, it is likely May," he added.

Another key step pending is the airport'S tariff, which is crucial for airlines. On March 23, Airports Economic Regulatory Authority held a consultation with stakeholders on the tariff and invited feedback till April 17. Only after the tariff is finalised can airlines formally publish routes and open ticket sales, a process that is expected to take about a month.

For now, IndiGo, Akasa Air and Air India Express have committed to operate domestic flights from the airport. The initial network is expected to link Noida with major cities such as Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Chennai, Lucknow and Dehradun, though the final route list will be confirmed after the security clearance comes through. The airport has also signed agreements with UP Roadways, Mahindra Mobility, Uber and Rapido to strengthen last-mile connectivity. All these partners will deploy fleets at the airport.

To be built in four phases, Noida International Airport will begin with one runway and one terminal, with a capacity to handle 1.2 crore passengers a year. A dedicated cargo terminal is also ready for inauguration.

VIP terminal at Noida airport

Forget the cordoned-off VIP lounge, Noida International Airport has gone a step further with a dedicated VIP terminal. Built in the western precinct of the airport campus, close to the west airside gate, the terminal is designed exclusively for VIPs and dignitaries, with a lounge alongside security and immigration facilities to process both departures and arrivals, an NIA official said. Most Indian airports offer VIP lounges, including Delhi's Indira Gandhi International Airport, that allow dignitaries to drive directly to the lounge and take a dedicated elevator to the boarding level, bypassing the main terminal entirely. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

AIRPORT POISED TO START OPERATIONS THIS SUMMER WITH CONNECTIVITY GAPS FROM DELHI, NOIDA & OTHER PARTS OF NCR

No viable public transport to link Jewar, flyers' travel to depend on taxis & pvt cars

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: Passengers heading to the Noida International Airport will largely depend on cabs, bike taxis, and private vehicles when commercial operations start, with metro connectivity and direct bus services still years away.

To bridge the gap, the airport has partnered with Mahindra Logistics Mobility to deploy electric taxis and with ride-sharing platform Rapido to offer bike taxis and cabs directly from the airport premises. Both services will operate round-the-clock, with dedicated pick-up and drop-off points at arrivals and departures. With the airport expected to serve a 150-kilometre catchment spanning 24 districts across UP, Delhi, Haryana, and Rajasthan, UPSRTC has announced plans to connect the airport with 17 western UP districts, including Meerut, Aligarh, Agra, and Mathura, with possible extensions to Gurgaon and Faridabad.

UPSRTC regional manager Manoj Kumar said dedicated airport services are being explored. "Depending on demand, the double-decker buses can also be extended to connect with Jewar," he said.

In Feb 2025, NIA also signed an MoU with Uttarakhand Transport Corporation for air-conditioned bus services to Dehradun, Rishikesh, Haridwar, and Haldwani, likely to begin alongside flight operations. Three industrial authorities — Noida, Greater Noida, and Yamuna — had planned to launch 500 city buses jointly, but the proposal has stalled over high viability gap funding burdens, infrastructure gaps, and delays in forming a Special Purpose Vehicle.

But with no metro link, no direct bus service, and auto-rickshaws barred from expressways, getting there remains a problem it has yet to solve. The disconnect is most visible at Botanical Garden — the key interchange connecting DMRC's Blue Line and Aqua Line, roughly 65 kilometres from the airport. Despite being the region's primary transit hub, it has no direct bus link to Jewar. "We have not received any directions to extend services till Jewar," said Sumit Kumar, a shuttle driver who charges Rs 30 per person for the Botanical Garden-Pari Chowk run.

A handful of UPSRTC buses from Sector 37 pass through Jewar en route to Agra, Aligarh, and Meerut, but residents say the service is too unreliable for air travellers. "Delays in roadways buses can result in missed flights. Authorities must introduce dedicated bus services," said KK Jain, general secretary of FONRWA.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

Interchange for EPE, Delhi-Mumbai e-way link for quick access to Noida airport

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: As Noida International Airport looks to start commercial flights this summer, govt is planning several infrastructure projects to make travel from NCR cities and nearby western UP districts easier.

A 31km link road connecting the airport to the Delhi-Faridabad-Ballabhgarh-Sohna stretch of the Delhi-Mumbai Expressway, being developed by NHAI at a revised cost of Rs 3,631 crore, was approved by the Union Cabinet on March 10. The 7km Noida section of the link road is complete and already connects via a loop to the Yamuna Expressway, providing direct airport access. The remaining Haryana stretch is likely to be ready by 2027.

Previously, airport-bound vehicles exited at the Jewar toll plaza and took the Sikandrabad-Jewar road, that route will primarily serve cargo once the stretch is completed.

A cloverleaf interchange between the Eastern Peripheral Expressway and the Yamuna Expressway near Jaganpur-Afzalpur was also conceived in 2019 but has since been delayed over land disputes, farmer protests, and cost escalations. It is now scheduled for completion by June 2027. Once operational, it will benefit travellers from Palwal, Panipat, Meerut, and Greater Noida to get direct access to the airport.

In Noida, the authority is developing a 1.4-kilometre elevated road linking Mahamaya Flyover to the Yamuna Pushta road from Sector 94, aimed at decongesting the Noida-Greater Noida Expressway. A separate 5.7-kilometre Chilla Elevated Road, running parallel to the Mayur Vihar-Noida link up to Mahamaya Flyover, is 46% complete and expected to be ready by 2027.

A proposed Ghaziabad-Jewar RRTS corridor, in the longer term, would provide a high-speed rail alternative. The project currently is on hold, with its detailed project report still awaiting central govt approval.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

Jewar in the crown: PM to open NCR's 2nd int'l airport today

Flight Operations Likely To Begin Only In May

Shafaque.Alam
@timesofindia.com

Noida: Delhi-NCR's second international airport will be formally inaugurated on Saturday, adding Jewar to the country's aviation map and creating both space and means for the national capital — already India's largest aviation hub — to play a much bigger role in connectivity with the world. A day before the inauguration, PM Modi on Friday said Noida International Airport will not just strengthen commerce and connectivity, but also ease pressure on IGI Airport in Delhi.

"Tomorrow, March 28, is a day of immense importance for the people of Uttar Pradesh and the NCR," Modi wrote on X. "Phase I of Noida International Airport will be inaugurated... Noida airport is among key greenfield projects in our nation. In addition to passenger services, it will have a robust cargo ecosystem, thus boosting the logistics sector," he added, attaching photographs of the terminal with the post.

Flight operations from NIA are likely to begin in May.

The PM is scheduled to arrive at the airport at 11.30am on Saturday, go on a walkthrough of the terminal building, and formally inaugurate the airport around noon before addressing a public gathering. The event is expected to draw large crowds from Noida, Greater Noida, Ghaziabad, Bulandshahr and other parts of western UP. Three pandals have been set up to accommodate more than one lakh people.

NIA will add a capacity of 1.2 crore fliers annually to Delhi-NCs airport infrastructure, allowing carriers more room for expansion and giving flyers more options.

Chief minister Yogi Adityanath, who will accompany the PM on Saturday, posted on X that NIA will help the state emerge as a global connectivity hub. "This airport will open new doors of economic progress and will also give fresh momentum to the state's journey of development and prosperity," he said. Last week, the CM reviewed preparations for the airport's inauguration.

▶Ph-I at ₹11,200cr, P 2

First phase of Noida airport built at a cost of ₹11,200 crore

▶Continued from P1

Phase I of NIA has been built at an investment of about Rs 11,200 crore. The airport has a 3.9km runway capable of handling wider aircraft and advanced airfield lighting for all-weather and round-the-clock operations.

Beyond passenger traffic, the airport is being billed as a logistics hub, too. Its cargo ecosystem will include an integrated cargo terminal, logistics zones and a multi-modal cargo hub. The facility is designed to handle more than 2.5 lakh metric tonnes annually in the first phase, with an expansion potential to around 18 lakh metric tonnes. A dedicated 40-acre maintenance, repair and overhaul facility is also part of the plan.

The airport has an expansion roadmap till 2043, which involves four phases of land acquisition. If passenger footfall grows along estimated lines, the airport will eventually have two terminals and two runways with an annual passenger capacity of seven crore.

On Saturday, visitors will be allowed at the venue only till 9am. Live streaming will be barred, and black clothes won't be permitted as well.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 28 MARCH 2026

Bigger UDAN, same problems

SHEKHAR SINGH

THE Union Cabinet has cleared the Modified UDAN scheme with an outlay of Rs 28,840 crore, a near six-fold jump from the Rs 4,500 crore set aside when the scheme was launched in 2017. Backed by Prime Minister Narendra Modi, the expansion promises to redraw India's aviation map with 100 new airports and deeper access to Tier-2 and Tier-3 cities over the next decade. But the numbers already in hand tell a stark story that the map is expanding, even as large parts of it are going blank.

SYSTEMIC FAULT LINE

At its launch, UDAN was pitched as a connectivity revolution, aimed at reviving unused airstrips and making flying affordable. The modified version sharpens that push. It proposes redevelopment of 100 airports by upgrading existing airstrips, with Rs 12,159 crore committed over eight years to deepen regional connectivity.

Yet the core fault line remains unchanged, which is viability. Data tabled in Parliament by Union Minister of State for Civil Aviation Muralidhar Mohol shows that out of 663 routes launched under UDAN since 2017, as many as 327 have already been discontinued. That is not a marginal drop-off, it is systemic attrition.

The stress is visible on the ground as well. Of the 95 airports revived under the scheme, 15 — including Pathankot, Pakyong, Kushinagar, Aligarh, Azamgarh, Chitrakoot, Shravasti, Moradabad, Bhavnagar, Ambikapur, Rourkela, Ludhiana, Datia, Kalaburagi and Shimla — are currently non-operational. Airports have been built or revived, but not sustained.

Of the 95 airports revived under the scheme, 15 including Shimla, are currently non-operational. FILE

> A six-fold jump in the outlay for aviation expansion across the country seems promising on paper, but the ground situation is vastly different

UNDERLYING HINDRANCES

The government cites familiar reasons: expiry of the three-year viability gap funding (VGF) window, poor visibility at VFR (Visual Flight Rules) airports, runway restrictions, aircraft shortages, leasing issues, and low passenger load factors. But these explanations only describe the symptoms. The underlying problem has already been flagged by the Comptroller and Auditor General of India, which said only 7 per cent to 10 per cent of UDAN routes remained viable once subsidies ended. The scheme was designed to create self-sustaining routes within three years. In most cases, that transition simply did not happen.

The UDAN model rests on subsidised connectivity. Airlines bid for routes and receive VGF support, often covering up to half the seats, in return for offering capped fares of around Rs 2,500 per hour of flight. The model works on paper: open routes, stimulate demand, then withdraw support. In practice, demand has not kept pace.

Regional airlines, already operating on thin margins, face high costs and weak passenger loads on these sectors. Once subsidies taper off, the math collapses. Routes are withdrawn, and connectivity disappears as quickly as it was created.

GRAND PLANS AND OBSTACLES

The wider aviation sector reflects the same fragility. Since 2016, at least 11 airlines in India have shut down operations, exposing the financial stress that runs through the industry, particularly in the regional space.

The Modified UDAN scheme attempts a reset by putting more money into the system. It expands financial support for low-traffic airports, with assistance capped at Rs 3.06 crore per airport and Rs 90 lakh per heliport or water aerodrome, covering around 441 aerodromes at a cost of Rs 2,577 crore.

It also proposes 200 helipads in remote areas at a cost of Rs 3,661 crore, alongside the induction of HAL Dhruv helicopters for Pawan Hans and HAL Dornier aircraft for Alliance Air to strengthen last-mile connectivity.

But more funding does not automatically translate into more flyers. Passenger demand in smaller cities remains tightly linked to local economic activity, income levels, and seamless connections to major hubs. Without that base, routes struggle to survive beyond the subsidy window. The result is a cycle the scheme has already seen: launch, support, withdrawal, shutdown.

The government's larger goal is to expand India's airport network by 2047. UDAN sits at the centre of that ambition. But the data so far raises a fundamental question: can connectivity be sustained, or will it remain intermittent?

With 327 routes already discontinued, 15 airports lying idle, and only a fraction surviving beyond subsidies, the challenge is no longer hidden in fine print.

It is visible in the numbers. Modified UDAN is expanding the network at speed. Whether that network stays operational or continues to thin out is the question that now defines the scheme.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 28 MARCH 2026

PM Modi to unveil 1st phase of Jewar airport today

Design supports expansion to 70 mn passengers | Low-carbon construction targets net-zero emissions

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, MARCH 27

PM Narendra Modi will inaugurate the first phase of the Noida International Airport at Jewar on March 28, marking a major expansion of air infrastructure in the Delhi-NCR region. Backed by Swiss operator Zurich Airport International AG, the project is designed to scale up to 70 million passengers annually, positioning it as a long-term solution to rising air traffic and congestion in North India while strengthening India's global aviation footprint.

At around 11:30 am on Saturday, the PM will undertake a walkthrough of the Terminal Building of Noida International Airport at Jewar, Gautam Buddha Nagar. Thereafter, at around 12 noon, the PM will inaugurate Phase I of Noida International Airport and address a public gathering on the occasion.

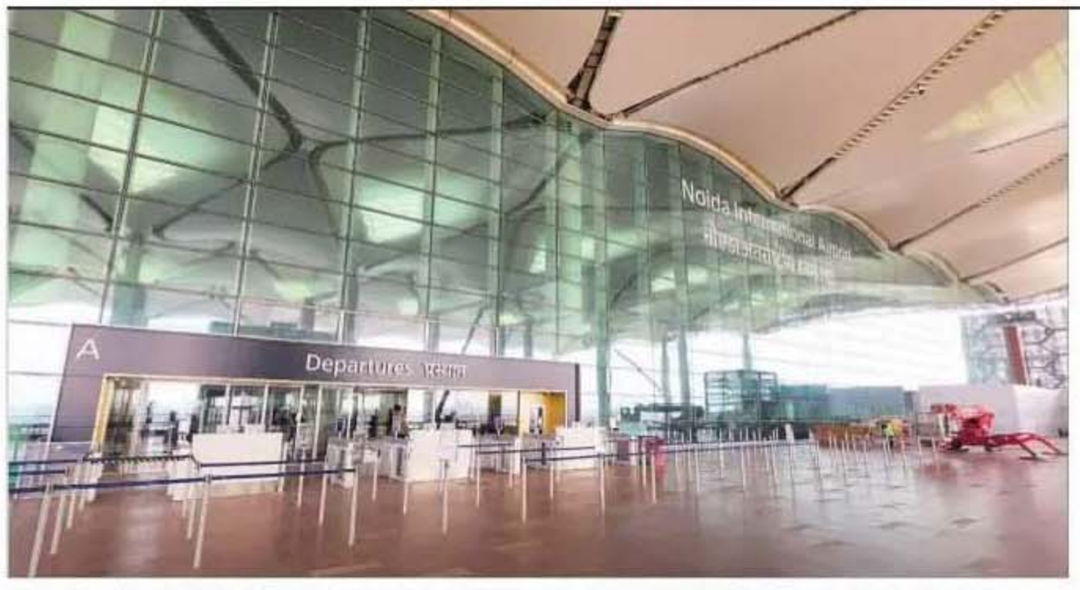

The newly constructed Noida International Airport ahead of its inauguration by Prime Minister Narendra Modi in Uttar Pradesh. PTI

CONNECTIVITY PUSH

- The Noida International Airport at Jewar will become the second international gateway for the region after IGI Airport, which has been operating close to capacity amid steady growth in passenger traffic. Authorities are planning a dual-airport system, where Jewar and IGI together handle future demand, improve efficiency and support the region's emergence as a global aviation hub.
- In Phase I, the airport will handle 12 million passengers per annum, with infrastructure designed for rapid expansion. It features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft and is equipped with advanced navigation systems, including Instrument Landing System and modern airfield lighting, enabling all-weather, round-the-clock operations.

The airport will become the second international gateway for the region after Indira Gandhi International (IGI) Airport, which has been operating close to capacity amid steady growth in passenger traffic. Authorities are planning a dual-airport system, where Jewar and IGI together handle future demand, improve efficiency and support the region's emergence as a global aviation hub.

Built with sustainability as a key focus, the project incorporates low-carbon construction practices and renewable energy use, with long-term plans for net-zero emissions operations.

In Phase I, the airport will handle 12 million passengers per annum, with infrastructure designed for rapid expansion. It features a 3,900-metre runway capable of handling wide-body aircraft and is equipped with advanced navigation systems, including Instrument Landing System and modern airfield lighting, enabling all-weather, round-the-clock operations. The airport has been assigned the IATA code DXN.

Strategically located along the Yamuna Expressway, the project is expected to significantly improve travel access for residents of Noida, Greater Noida, Agra and large parts of western Uttar Pradesh. For many travellers in these areas, Jewar could become the most convenient departure point, cutting travel time to the airport and reducing dependence on IGI. The airport is also planned to be seamlessly connected with road networks, upcoming metro links and rail corridors, strengthening last-mile connectivity across the region.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has granted the aerodrome licence for public use, while the Bureau of Civil Aviation Security (BCAS) has cleared the project on the security front, paving the way for commercial operations once final approvals and airline schedules are in place.

Flight operations are expected to begin within 45 days to two months after inauguration. Initial services are likely to focus on domestic routes, with international operations planned later in 2026. Airlines such as IndiGo, Akasa Air and Air India Express are expected to lead early operations. Early indications suggest that direct flights to around 10 major Indian cities could be rolled

CONTINUED ON PAGE 3

PM Modi to unveil...

out in phases within the first 45 days of operations.

The airport is being developed by Yamuna International Airport Private Limited, a wholly owned subsidiary of Zurich Airport International AG, under a public-private partnership model with the Uttar Pradesh and Centre. The concession period runs for 40 years from October 1, 2021, with Phase I involving an investment of around Rs 11,200 crore. Financing for the project includes a major credit facility from State Bank of India.

The terminal has been designed by a consortium including Nordic, Grimshaw, Haptic and STUP, while Tata Projects Ltd is the engineering, procurement and construction contractor executing the project.

Apart from passenger services, the airport has a strong cargo focus. An integrated cargo terminal is being developed by Air India SATS Airport Services Pvt Ltd, with an initial handling capacity of 2.5 lakh metric tonnes per annum, expandable to 18 lakh metric tonnes. This is expected to improve air freight efficiency and support sectors such as e-commerce and manufacturing.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA DELHI 28 MARCH 2026

इंतजार खत्म, आज से विकास की नई उड़ान भरेगा नोएडा

लोकार्पण के बाद पीएम मोदी की जनसभा में डेढ़ लाख लोगों के आने की उम्मीद, सीएम योगी समेत अन्य मंत्री भी रहेंगे मौजूद

माई सिटी रिपोर्टर

यमुना सिटी। करीब 25 वर्षों के बाद आसमान से जुड़ने का नोएडा का सपना आज पूरा हो जाएगा। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण और विमानों की मरम्मत के लिए बनने वाले एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और संचालन) सेंटर का शिलान्यास भी करेंगे।

एयरपोर्ट पर घरेलू व्यावसायिक उड़ानें और कार्गो सुविधा अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक शुरू होने की संभावना है। हवाईअड्डे के पहले चरण में 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में विकास कार्य किए गए हैं। करीब 11,200 करोड़ की लागत से तैयार हवाई अड्डा उड़ान भरने के लिए तैयार है।

उद्घाटन से पहले पीएम करेंगे निरीक्षण : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह लगभग 11:30 बजे नोएडा एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। जिसके बाद दोपहर 12 बजे प्रधानमंत्री हवाई अड्डे का लोकार्पण करेंगे। समारोह में प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के मंत्री राम मोहन नायडू शामिल होंगे। इसके कुछ देर बाद प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा एयरपोर्ट परिसर में टर्मिनल से कुछ दूरी पर होगी।

अप्रैल के अंतिम सप्ताह में शुरू होंगी घरेलू उड़ान

लोकार्पण के लिए पूरी तरह तैयार नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट। एजेंसी

1334
हेक्टेयर में बना एयरपोर्ट

11,200
करोड़ की आई लागत

3900
मीटर लंबा है रनवे

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रधानमंत्री शनिवार को लोकार्पण करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह 11:30 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री यहां पर एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसकी पूरी तैयारी कर ली गई है। - मेधा रूपम, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर

यमुना नदी में भी तैनात किए गए हैं सुरक्षा कर्मी

यमुना सिटी। प्रधानमंत्री की जनसभा से एक दिन पहले शासन के निर्देश पर प्रधानमंत्री की सुरक्षा लेयर को बढ़ा दिया गया। इसके साथ ही प्रशासन ने यमुना नदी में भी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती कर दी गई। जल पुलिस और सुरक्षा कर्मी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान लगातार यमुना नदी में गश्त करेंगी और इस मार्ग की निगरानी भी की जाएगी। वहीं मौसम में लगातार हो रहे बदलाव को देखते हुए भी प्रशासन ने इसकी तैयारी की है। ब्यूरो

प्रशासन ने मॉक ड्रिल कर जांची व्यवस्था

प्रधानमंत्री का सुरक्षा खाका शुक्रवार को पूरी तरह से तैयार कर दिया गया था। हर प्वाइंट पर सुरक्षा कर्मी तैनात हो गए थे। जिसके बाद पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में मॉक ड्रिल करके सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया गया। जिससे आपातकाल की स्थिति में पीएम की सुरक्षा को सुनिश्चित करते हुए आमजनों को भी सुरक्षित रखा जा सके।

एक रनवे से होगी शुरुआत अभी दिन में ही होंगी उड़ानें

- पहले चरण में एक रनवे बनाया गया है। शुरुआत में देश के 47 शहरों में घरेलू उड़ानें शुरू होंगी। तीन माह में अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने की योजना है। पहले वर्ष एयरपोर्ट से लगभग 50 लाख यात्रियों की आवाजाही की संभावना है। हालांकि पहले चरण की क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों के लिए बनाई गई है। एयरपोर्ट पर 3900 मीटर का रनवे, टर्मिनल और कार्गो का काम पूरा हो चुका है। रनवे पर कैलिब्रेशन टेस्ट भी दोनों तरफ से हो चुका है। फिलहाल सिर्फ दिन में ही उड़ानें शुरू होंगी।

इंडिगो, अकासा और एयर इंडिया शुरू करेगी सुविधा

- शुरुआत में यहां से मुंबई, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलूरु, जयपुर, अयोध्या, चेन्नई आदि शहरों की सेवाएं मिलेंगी। इंडिगो 45 शहरों की लिए विमान सेवा शुरू करेगी। वहीं एयर इंडिया शुरुआत में 13 शहरों और अकासा 7 शहरों में घरेलू उड़ान की सुविधा उपलब्ध कराएगी। नए एयरपोर्ट से एक दिन में अधिकतम 65 फ्लाइट का संचालन किया जा जाएगा। रनवे पर एक घंटे में 30 फ्लाइट के टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 26 MARCH 2026

Centre clears ₹28,850-crore modified UDAN flight plan

10-YEAR SCHEME. Will focus on enhancing connectivity to under-served/unserved areas

Rohit Vaid
New Delhi

With the Union Cabinet on Wednesday approving a ₹28,850-crore modified UDAN, India is set to expand its aviation network through the next iteration of the Regional Connectivity Scheme.

businessline was the first to report on the proposed revamp of the UDAN scheme and its key contours ahead of the Cabinet's approval.

The scheme will be implemented for 10 years from 2026-27 to 2035-36 with budgetary support.

100 NEW AIRPORTS

Announcing the Cabinet decision, Information and Broadcasting Minister Ashwini Vaishnaw said 100 new airports will be developed through a challenge-based approach with the States.

The scheme will cover 120 new destinations and target four crore passengers. Vaishnaw stated that the scheme aimed to democratise air travel and improve regional connectivity across India.

Under the approved structure, the scheme will focus on enhancing regional air connectivity to under-served and unserved areas while improving the viability and sustainability of regional aerodromes and airline operators. The framework includes the development of 100 airports at existing unserved airstrips, with a capital outlay of ₹12,159 crore over the next eight years.

WIDENING HORIZON. The scheme will cover 120 new destinations and target four crore passengers

HELIPORTS, WATER AERODROMES

Additionally, the scheme proposes operational support for aerodromes, with operation and maintenance funding capped at ₹3.06 crore per annum per airport and ₹0.9 crore per annum for heliports and water aerodromes, with a total estimated allocation of ₹2,577 crore.

Industry insiders said this support is to ensure that newly-developed airports remain functional during the initial years of low traffic.

The scheme includes the development of 200 modern helipads in hilly, remote, island and aspirational regions, with an outlay of ₹3,661 crore aimed at improving last-mile connectivity and emergency response.

VGF FOR AIRLINES

Apart from infrastructure development, the scheme includes viability gap funding support for airline operators, with an outlay of ₹10,043 crore over a 10-year period to support operations on regional routes.

Experts said this support is expected to help airlines sustain operations on routes that may not be immediately commercially viable.

AIRCRAFT BUYS

The scheme includes a provision for aircraft acquisition under the Atmanirbhar Bharat initiative, with plans to procure two HAL Dhruv helicopters for Pawan Hans and two HAL Dornier aircraft for Alliance Air. Sectoral analysts said the move could help strengthen fleet availability for operations in remote areas.

"The revised UDAN scheme comes at a moment when oil prices and jet fuel rates are expected to soar to unsustainable levels. UDAN as a scheme is centred on Central and State government subsidies and no matter how lucrative the scheme is for airlines and operators, the government must consider the scheme's efficacy in the backdrop of the rupee depreciating and rising jet fuel prices," said Mark D Martin of Martin Consulting.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 28 MARCH 2026

Indian airlines face headwinds, ICRA revises outlook to negative

Aneesh Phadnis
Mumbai

WAR IMPACT. West Asia is an important market for Indian carriers and cancellations will impact revenue, says an expert

Indian airlines continue to face a double whammy of revenue loss arising from flight cancellations and increased expenses due to airspace closures and extended flight durations.

India carriers are not operating to Bahrain, Doha and Kuwait while offering limited services to Oman, Saudi Arabia and UAE. Geopolitical tensions have resulted in further weakening of the rupee, and domestic jet fuel prices are also expected to witness a sharp price revision from April 1.

IndiGo has said it may have to recalibrate its capacity based as the operating environment remains fluid. The airline said there is a material escalation in operating costs and fuel and forex-related costs expected to increase substantially. "While we have introduced a fuel surcharge to compensate for some of this cost, this and other fare increases required will have an effect on demand," IndiGo said.

"West Asia is an important market for Indian carriers and cancellations will impact revenue. This would have been a busy season for travel given Eid holidays in West Asia and school and college vacations in India," an aviation expert said.

Rating agency ICRA on Friday revised its outlook on the Indian aviation industry to negative from stable, citing cost pressures and downside risks to demand.

ICRA expects domestic air passenger traffic growth for FY26 at 0-3 per cent and international passenger traffic growth for Indian carriers at 7-9 per cent indicating a relatively weak near-term demand environment.

ICRA's earlier growth forecast for FY27, formulated prior to the West Asian conflict, estimated domestic air passenger traffic growth at 6-8 per cent and international growth at 8-10 per cent. However, these projections now carry a downward bias, the rating agency said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 28 MARCH 2026

'We will launch 27 aviation projects if we win'

ALL SET. For the first time, an Opposition has done its homework and prepared alternative programmes for the future: VD Satheesan

bl.interview

Chitra Narayanan
V Sajeev Kumar
New Delhi / Kochi

> Kerala is a consumer State. It should have been the number one beneficiary in India for GST. Unfortunately, we are getting very low compensation
>
> **VD SATHEESAN**
> Leader of the Opposition

Kerala's Opposition leader and senior Congressman VD Satheesan says the party is ready with an economic plan to lift the State out of its severe financial crisis.

"For the first time, an Opposition has done its homework and prepared alternative programmes for the future to combat the failures of the present government," he said, stressing that we will see a *puthuyuga* (new age) Kerala.

Edited excerpts:

Are you confident that UDF will win 100 seats?

We will come back with 100-plus seats. That is our prediction, and it is on the basis of history.

In almost all the States, the Opposition has been losing byelections, but we won here in Kerala with double, triple margins in all byelections. We also won the elections to the local bodies.

In the Parliamentary election, we won 18 out of the 20 seats. First, there is a huge anti-incumbency sentiment. Second, we have been exposing the government for a long time on its failures.

At the same time, two years ago, for the first time in India, an Opposition started to research and work on alternative programmes. Our promise is that wherever the government fails, we will give you alternative projects.

Our narrative has been that in healthcare, Kerala is on the ventilator. We conducted a health conclave in 2025, in which more than 300 doctors from India and abroad participated, and then we presented a very good health document.

In higher education, our narrative was that brain drain is happening in Kerala and within five years, Kerala will be an old age home. Then we produced a very good report on how to prevent the large exodus by improving our education systems.

Our assessment is that the nature of jobs has been changing across the world. So, corresponding to that, we have to restructure the curriculum.

For start-ups, too, we have prepared a very good document that talks of providing management mentors, techno mentors and a revolving fund. We have talked of dream projects such as coastal shipping. We have a 600-km-long coast line and two international seaports, one container terminal and 17 mini ports.

We have declared that we are going to start coastal shipping and cruise shipping. Then we have four international airports, two of which are under the government. We will start 27 aviation projects if we win.

What about attracting investments to the State?

We are inviting ideas, we want to showcase more than 1,000 projects in various sectors. Investors will be treated as state guests, as will the NRIs, the backbone of the Kerala economy through the remittances they send. 10 per cent of the NRI remittances will be channelised for infrastructure development through PPP projects; the government will only be a facilitator.

But Kerala is almost bankrupt, how will you restore the coffers?

I have made a presentation as the leader of the Opposition before the 16th Finance Commission. The commission appreciated it because of the homework we have done. Number one plan is to introduce a planned tax administration, then we will cover all the leakages from the Treasury; then we will stimulate the economy through projects.

Kerala is a consumer State. It should have been the number one beneficiary in India for GST. Unfortunately, we are getting very low compensation.

Do you think Sabarimala will be a central issue in this election?

It will be a major issue because 2019 onwards gold pilferage was happening, and the court has clearly mentioned that the *dwarapalaka* idols were sold to a millionaire.

The CPM and the government have protected all three senior leaders involved in the issue and have not taken any disciplinary action against them.

Everyone wants to know who will be chief minister if the UDF comes to power...

That is the narrative of the CPI(M) because you know in Karnataka and Telangana, there was no chief ministerial candidate. After the Karnataka election, Siddaramaiahji became the CM. Similarly, Revanth Reddy became the CM in Telangana. We are united. We are working together.

So, will the selection be from Kerala or the high command?

It will be from the high command after taking the opinion of the elected MLAs. That is the procedure. For the last several years, the Congress has not projected any chief ministerial candidate anywhere in India.

This factor of the Gandhi family representing Wayanad in Parliament — how much will this help UDF in State politics?

It will help a lot. Because Malayalis like the Gandhi family very much. They treat both Rahulji and Priyankaji as their children.

The five guarantees that Rahul Gandhi announced — where are the funds for that?

The insurance scheme is very good because in our health document we made it clear that Kerala is the number one State when it comes to high out-of-pocket expenses.

That is why we have examined the insurance scheme implemented by the Rajasthan government when Ashok Gehlotji was Chief Minister.

It was a very good project. As for free bus rides for women, I don't think that after one year, there will be any burden on the government side; we also have a plan to make KSRTC self-reliant.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 28 MARCH 2026

DGCA introduces new norms for VVIP flights

Our Bureau
Mumbai

Pilots operating VVIP flights shall not be subjected to undue pressure, Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has said in its new regulations that aim to enhance safety.

Any last minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the company management only and not directly with the crew, the DGCA order said.

UNDUE PRESSURE

The order, which was issued on Friday, also asks charter operators and State governments to keep a pamphlet in the aircraft, indicating capability and limitations of that aircraft. It must also mention planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgement of flight crew and engineers.

The pamphlet should also state that VIP passengers respect decisions taken by the crew regarding diversions and that they be free from any external pressure or undue influence.

The directions come two months after the fatal air crash in Baramati, which resulted in the death of Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar. The order covers various aspects, including aircraft airworthiness requirements, crew qualifications, airfield conditions and other operational and safety issues.

According to the order, the flight duty and time limitation in respect of crew members engaged in the operations shall be in accordance with existing regulations. The flight crew will have to ensure strict compliance with visibility and weather requirements.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 28 MARCH 2026

Pilots' body seeks centralised risk analysis for flights and crew

Pilots' grouping ALPA India on Friday urged the civil aviation ministry and regulator DGCA to suspend flight operations into high-risk conflict zones till a centralised risk assessment is carried out amid the escalating West Asia crisis. Stressing the need for having war-risk insurance, it also said the watchdog should mandate immediate disclosure and verification of valid insurance coverage, including war-risk clauses, for all crew operating into or near conflict zones. The Middle East conflict involving the US, Israel and Iran has significantly disrupted flight operations, and airlines have curtailed their services. In a letter to DGCA, Airline Pilots' Association of India (ALPA India) said commercial airlines do not possess the requisite intelligence, surveillance capabilities, or geopolitical risk assessment infrastructure necessary to adequately evaluate threats in active conflict environments. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 28 MARCH 2026

The regulator's statement comes two months after a Learjet 45 aircraft owned by VSR Ventures crashed at Baramati, Maharashtra, in January, killing the state's deputy chief minister, Ajit Pawar, and four others REUTERS

Resist pressure on VVIP flights: DGCA to pilots

DEEPAK PATEL
New Delhi, 27 March

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Friday told pilots flying VVIPs that they must remain free from pressure and should refuse to operate a flight if safety is in doubt.

On January 28, a Learjet 45 aircraft owned by charter flight operator VSR Ventures crashed inside Baramati airport, killing Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and four others.

In its circular on the "carriage of central, state and other dignitaries," the DGCA explicitly stated that flight crew must not be subject to "undue pressure" to undertake flights.

The regulator also barred direct last-minute instructions from VVIPs or their staff to pilots. It stated that any such changes must be routed through the operator's management instead of being communicated to the cockpit.

According to the circular, there will now be a mandatory passenger briefing for VVIPs.

Before each departure, pilots will hand over a standard pamphlet, which will clearly state that while all due care has been taken for safety and comfort, aircraft operations have limitations related to weather conditions, visibility and night operations at certain airfields. The pamphlet will explicitly tell passengers that decisions on continuation, diversion or cancellation of the flight rest with the crew and must be respected. And, also the crew must remain free from any external pressure or undue influence.

This is aimed at setting expectations upfront and reducing the likelihood of pressure being exerted mid-flight.

The DGCA mentioned that pilots and aircraft maintenance engineers are responsible for planning and conducting flights, and these decisions must rely on technical judgment rather than external influence.

To strengthen operational safety, the regulator mandated the use of twin-engine aircraft for such flights, along with a minimum of two pilots on board.

Twin-engine aircraft are considered safer because they can continue flying even if one engine fails, reducing the risk during emergencies. The aircraft used for VVIP transport must be equipped to operate under Instrument Flight Rules (IFR), the DGCA said.

This means the aircraft must have advanced navigation and communication systems that allow pilots to fly safely even in poor visibility, such as during fog or heavy rain, without relying solely on visual cues.

A functional weather radar, which helps detect storms and turbulence ahead, will now be mandatory, the regulator said.

The DGCA also tightened checks on aircraft readiness. Planes must be inspected and certified before such flights, and any defect in engines, instruments or systems reported by the pilot or detected during ground inspection must be fixed before the next takeoff.

In addition, fuel quality must be verified during refuelling, and sufficient fuel must be carried to cover not just the planned journey but also contingencies such as diversions, it said. The regulator also brought operational preparedness on the ground under scrutiny.

Operators and state authorities will now ensure that helipads or airstrips intended for landing are inspected at least 24 hours in advance. For remote or "uncontrolled" airfields, which lack full-time air traffic control or infrastructure, operators must obtain a no-objection certificate from district authorities.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK BHASKAR DELHI 28 MARCH 2026

सख्ती • डीजीसीए की नई गाइडलाइन जारी

वीवीआईपी उड़ानों के लिए क्रू पर दबाव नहीं डाल सकते नेता

भास्कर न्यूज | मुंबई

डीजीसीए ने वीआईपी व वीवीआईपी (सीएम, राज्यपाल समेत) को ले जाने वाले नॉन-शेड्यूल्ड विमान और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। रेगुलेटर ने साफ कहा है कि फ्लाइट क्रू पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डाला जाए, ताकि सुरक्षा से समझौता न हो।

डीजीसीए के मुताबिक वीआईपी की जरूरत के नाम पर आखिरी वक्त में होने वाले बदलाव सीधे क्रू से नहीं, सिर्फ संगठन के मैनेजमेंट के जरिए ही कराए जाएं। मौसम से जुड़े नियमों का पालन करना होगा। क्रू के फैसले का सम्मान करना होगा। चुनावी उड़ानों के लिए हर ऑपरेटर को एक जिम्मेदार व्यक्ति नामित करना होगा। नियामक के मुताबिक कई दुर्घटनाओं में यह सामने आया है कि निर्देशों के उल्लंघन से सुरक्षा खतरे में पड़ी।

भास्कर नॉलेज

'ना' कह सकेंगे पायलट

नई गाइडलाइन सुनिश्चित करती है कि वीआईपी मूवमेंट के चक्कर में पायलट थकावट का शिकार न हों। अब अगर कोई नेता दबाव डालता है, तो पायलट सीधे मना कर सकता है और उसकी जवाबदेही 'मैनेजमेंट' की होगी, न कि व्यक्तिगत पायलट की।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 28 MARCH 2026

इंडिगो की दिल्ली-कोलंबो के बीच सीधी उड़ानें कल से

नई दिल्ली। भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को मजबूत करते हुए दिल्ली और श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बीच नई सीधी उड़ानों की शुरुआत का ऐलान किया है। यह नई सेवा 29 मार्च से शुरू होगी, जिसके तहत एयरलाइन इस रूट पर हर हफ्ते 6 उड़ानें संचालित करेगी। एयरलाइन के मुताबिक, इन उड़ानों के लिए ए320 विमान का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिलेगा। यह नई कनेक्टिविटी भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगी। भारत और श्रीलंका के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से मजबूत रहे हैं। ऐसे में इस नई सेवा से दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही आसान होगी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DECCAN HERALD BANGALORE 27 MARCH 2026

Air fares fluctuate widely as govt removes cap on domestic tickets

Rise for high-demand routes Delhi, Mumbai, Kolkata & Hyd

ASRA MAVAD
BENGALURU, DHNS

With the union government lifting the domestic airfare cap of Rs 18,000, flight charges have been constantly fluctuating, say travellers and travel agents.

Early trends indicate fares from Bengaluru continue to increase on high-demand routes like Delhi, Mumbai, Kolkata and Hyderabad.

The cap was originally enforced in December 2025, during the Indigo crisis.

It was recalled by the Ministry of Civil Aviation to aid airlines as they grapple with surging fuel costs and operational hurdles like frequent rerouting, amid the West Asia conflict.

As of Thursday, ticket prices on the Bengaluru–Delhi route have risen by Rs 1,500–Rs 3,000, while Bengaluru–Mumbai and Bengaluru–Hyderabad sectors have seen hikes of Rs 800–Rs 2,000, depending on demand and timing, with fares on some routes almost doubling in a day.

"We mostly focus on corporate bookings. When a client gets in touch with us, by the time we send them a quotation and they get back to us, in a matter of 10 minutes, the fare increases by Rs 2,000. We're having to do a back-and-forth with the customer constantly," said Sudhir Balan, manager at Prestige Travellers.

The union government has lifted the Rs 18,000 cap on domestic airfare. The cap was enforced in December 2025, during the Indigo crisis.

An algorithm-related price hike is usually limited to Rs 500, he added.

"When you check a particular route more than twice, it is common for the prices to go up by about Rs 500-700, but a jump of Rs 2,000 in 10 minutes is uncommon. This started happening as soon as the domestic airfare cap was removed," he added.

"During summer, beach destinations like Andaman and Goa are always in demand. From Bengaluru, the fare to Andaman is currently between Rs 25,000 and Rs 30,000, compared to the regular fare of Rs 15,000 to Rs 20,000".

Fares to Goa have been hiked from Rs 4,000 to Rs 6,000, Rs 8,000 and Rs 10,000. Airfares to Northeast are also rising as we speak," said Shamanth Krishnamurthy, proprietor, Sanman Travels.

Kiran B, a Yelahanka resident, shared how flight prices more than doubled in just 24 hours.

"My wife and I were planning to travel to Bhubaneswar on April 10. Originally, the airfare was around Rs 6,500 to Rs 7,000 on March 24, but when we finally decided to book the flight the next day, the fare for the same route had crossed Rs 14,000," he said.

Another family planning a trip from Bengaluru to Ladakh in summer noticed a hike of Rs 4,000 in the airfare in a matter of four hours on March 24.

"The summer season is when most of India's leisure travel takes place, so the prices are already on the higher side. With the cap removed, the prices are only set to rise higher. Between last year's and this year's domestic airfare, we're already seeing a minimum hike of 10%. This will increase in coming weeks," said Rohit Hangal, director, Sphere Travelmedia and Exhibitions.

Earlier this month, the ministry directed the directorate general of civil aviation to implement free seat selection rule, offering at least 60% of seats across flights free of seat-selection charge.

This is likely to make flying costlier in the coming days, as airlines have pushed back on the directive.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 27 MARCH 2026

पायलट को तकनीकी खराबी का आभास बीच सफर से लौटा एअर इंडिया विमान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: एअर इंडिया के अंतरराष्ट्रीय परिचालन में चुनौतियों का सिलसिला थम नहीं रहा है। गुरुवार को दिल्ली से लंदन जा रही एअर इंडिया की उड़ान एआइ111 को सफर के दौरान तकनीकी खराबी के संदेह में सऊदी अरब के एयर स्पेस से वापस आना पड़ा। लगभग सात घंटे की कुल उड़ान के बाद दोपहर करीब 12:30 बजे आइजीआइ एयरपोर्ट पर विमान की सुरक्षित लैंडिंग हुई।

पिछले 10 दिनों के भीतर यह दूसरी ऐसी घटना है, जब किसी अंतरराष्ट्रीय विमान को बीच सफर से यू-टर्न लेना पड़ा है, जिससे एयरलाइन के बेड़े के रखरखाव और परिचालन प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह विमान गुरुवार सुबह करीब साढ़े छह बजे आइजीआइ एयरपोर्ट से लंदन के लिए रवाना हुआ। उड़ान ने जैसे ही सऊदी अरब के एयर स्पेस में प्रवेश किया, पायलटों को विमान में कुछ संदिग्ध तकनीकी आवाजें महसूस हुईं। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए, एयरलाइन ने जोखिम नहीं लेने का फैसला लिया। इस पूरे प्रकरण पर एअर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर हमारी टीम यात्रियों को हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। हम उन्हें जल्द लंदन पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर रहे हैं।

आखिर सऊदी अरब में ही क्यों नहीं हुई लैंडिंग: बड़ा सवाल उठता है कि जब विमान सऊदी अरब तक पहुंच गया था, तो उसे वहीं किसी नजदीकी एयरपोर्ट पर क्यों नहीं उतारा गया। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली एअर इंडिया का मुख्य हब है। यहां उनके पास हर तरह के स्पेयर पार्ट्स और अनुभवी इंजीनियर उपलब्ध हैं।

वैंकूवर के लिए गलत विमान भेजने के बाद डीजीसीए ने एअर इंडिया से कहा, दोबारा न हो ऐसी घटना

नई दिल्ली, प्रेट : पिछले सप्ताह वैंकूवर की उड़ान में गलत विमान भेजने के लिए विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया से सुधारात्मक कदम उठाने के लिए कहा है, ताकि यह घटना दोबारा हो। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस वाकये के लिए एयरलाइन के एक अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई भी की गई है। एअर इंडिया के वैंकूवर जा रहे बोइंग 777-200 एलआर विमान को उड़ान भरने के लगभग सात घंटे बाद 19 मार्च को

दिल्ली लौटना पड़ा था, जब यह पता चला था कि यह विमान उस उड़ान के लिए स्वीकृत नहीं था। इस उड़ान के लिए सिर्फ बोइंग 777-300ईआर विमान को स्वीकृति हासिल थी। इस घटना के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन से रिपोर्ट तलब की थी।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ECONOMIC TIMES DELHI 28 MARCH 2026

DGCA Tightens Safety Rules for VVIP Flights

Our Bureau

New Delhi: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has tightened regulations for operating VVIP flights, two months after Maharashtra deputy chief minister Ajit Pawar died in a plane crash.

The new regulations increase the flying experience that the flight crew operating such flights must have. They require engineers to check and fix any defect in engines, instruments or systems reported by the pilot or detected during ground inspection before the next take-off.

Operators and state authorities need to ensure that helipads intended for landing are inspected at least 24 hours in advance. Pilots operating VVIP flights shall not be subjected to undue pressure, the civil aviation regulator said in an order issued on Friday. ET has seen the order.

Pawar was killed when the Learjet aircraft he was travelling on from Mumbai crashed in Baramati on January 28. Four others also died in the crash. In its preliminary investigation report, the Aircraft Accident Investigation Bureau said the pilots had tried to land the plane with lower-than-permitted visibility. The report also highlighted lack of basic meteorological facilities and operational gaps at the uncontrolled airfield in Baramati.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 28 MARCH 2026

AVIATION REGULATOR PROPOSES NEW CREW DEPLOYMENT RULES

DGCA draft norms place CEOs under lens for lapses

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, March 27

THE DIRECTORATE GENERAL of Civil Aviation (DGCA) has moved to tighten domestic aviation norms, proposing to hold airline chiefs personally and financially accountable for operational lapses in the wake of last year's widespread disruptions.

In a draft amendment, the regulator has said only the chief executive officer (CEO) or managing director (MD) of an airline can be designated as the "Accountable Manager" (AM), a role that carries ultimate responsibility for compliance and safety. The AM must have full corporate authority, including direct control over financial and human resources, and be formally authorised through a board resolution.

The proposal mandates that the AM be the airline's most senior executive. The regulator has invited industry feedback on the draft rules, with a consultation period open until April 25.

The amendments aim to close a loophole that allowed senior leadership to deflect responsibility for operational failures during last year's flight disruption crisis. The change follows findings from the DGCA's inquiry into IndiGo's operational meltdown, when the airline cancelled 2,507 flights between December 3 and 5, stranding more than 300,000 passengers.

A four-member DGCA investigative committee found that "IndiGo's management failed to identify planning gaps, maintain sufficient operational buffers, and effectively implement revised Flight Duty Time Limitation norms."

While a senior vice-president in charge of operations control was removed, the airline's CEO received only a caution for "inadequate oversight", highlighting what the regulator now sees as a structural weakness in accountability.

The draft rules also overhaul crew deployment norms. Airlines will be required to assign crew in line with operational requirements and flight schedules, taking FDTL norms into account, replacing the earlier benchmark of maintaining a minimum of three crew sets per aircraft. The changes also align domestic regulations with international standards. Globally, the AM is tasked with ensuring that all operational activities are adequately financed and conducted in accordance with the requirements for obtaining an Air Operator Certificate.

As established by the International Civil Aviation Organisation (ICAO) and enforced by regulators such as the European Union Aviation Safety Agency (EASA), the role must be held by the highest authority within the organisation—the CEO, as outlined in EASA guidance documents. The DGCA said the proposed changes are aimed at preventing a repeat of operational breakdowns by making top management directly answerable for resource allocation and safety systems.

The rules specify that airlines must employ a sufficient number of flight and cabin crew "commensurate with their operations", checking the over-scheduling that contributed to the IndiGo crisis.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 28 MARCH 2026

Domestic airlines to run fewer flights this summer

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, March 27

IN A NUTSHELL

- Summer 2026 schedule from March 29 sees about **24,400** weekly flights, down **4.6%** vs 2025

- Passenger traffic growing faster than capacity; prices may climb amid tight supply
- Capacity trimmed for costs: Airlines cite higher fuel and forex volatility

DOMESTIC AIRLINES WILL operate fewer flights during the upcoming summer schedule starting March 29, around 10% lower than services during the same period last year. Domestic carriers are expected to operate about 24,400 flights in the 2026 summer schedule, roughly 4.6% lower than 2025, government officials told the *FE*. During the summer schedule of 2025, which ran from March 31 to October 26, as many as 25,610 weekly flights were operated.

With passenger traffic rising faster than flight additions, fares—which have already been increasing—are likely to rise further, experts say. Domestic air passenger traffic grew 3.5% in 2025, outpacing capacity growth.

While the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has put out the airline-wise domestic summer schedule for 2026 on its website, the regulator has not provided a consolidated figure and comparison with the previous summer schedule or the ongoing winter schedule.

The nine airlines operating in the 2026 summer schedule are Air India, Air India Express, IndiGo, Akasa Air, SpiceJet, Alliance Air, FLY91, Star Air, and IndiaOne Air.

Airlines are reducing capacity in response to rising operating costs, particularly fuel and foreign exchange fluctuations. Officials also warned that ongoing geopolitical tensions in West Asia could further dampen travel demand.

In the current winter schedule, from October 26, 2025, to March 28, 2026, airlines were scheduled to operate 26,495 weekly flights. However, operational disruptions at IndiGo in early December led the DGCA to cut the carrier's winter schedule flights by 10%.

Government estimates shared with *FE* suggest IndiGo plans to operate around 14,100 weekly flights in the summer schedule. The airline said on March 24 that it intends to begin its domestic summer operations with nearly 2,000 daily flights in April.

"IndiGo's international schedule was planned at similar levels to winter, but the deployed scale will, of course, vary based on ongoing circumstances in the Middle East. It should be noted that there is a very material escalation in operating costs, with fuel and forex-related costs expected to continue to increase very substantially, in addition to what is already an escalating cost environment," the airline had said.

Estimates show that Air India plans to operate 2,800 weekly flights, nearly 34.6% lower than last year. Air India Express is likely to operate around 3,200 weekly flights, 5.4% lower year-on-year. Akasa Air plans 1,300 weekly flights, up 21.5% from last year.

ICRA revises aviation outlook to negative

PRESS TRUST OF INDIA
Mumbai, March 27

RATINGS AGENCY ICRA on Friday revised its outlook on the Indian aviation industry to negative from stable, citing disruptions in international airspace following escalation of geopolitical tensions in West Asia. The revision in outlook is also on account of a sharp depreciation of the rupee against the US dollar and an expected increase in jet fuel (ATF) prices, ICRA said.

These factors are likely to significantly increase cost pressures for airlines, even as demand growth faces downside risks, it said.

The ratings agency said it expects domestic air passenger traffic growth to beat 0-3% for the ongoing fiscal year and international passenger traffic growth for Indian carriers at 7-9%, indicating a relatively weak near-term demand environment. Prior to the West Asian crisis, ICRA had estimated domestic air passenger traffic growth at 6-8% and international traffic growth for Indian carriers at 8-10% for FY 27.

However, these projections now carry a downward bias, it said. Flight cancellations due to airspace closures are expected to weigh on passenger traffic growth, it said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 27 MARCH 2026

Airlines facing big challenges: DGCA chief

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is trying to promote ease of doing business for airlines to help them grow and flourish, as well as taking steps for passenger rights, its chief Faiz Ahmed Kidwai said on Thursday.

There are big challenges for airlines, including taking longer routes and higher operational costs due to airspace restrictions, he said, expressing hope that there would be "better days".

The ongoing West Asia conflict is posing more challenges for airlines, which have curtailed services to the region. "It is not only passenger rights which we are looking at... we are trying to ease things for the airlines also and the rules and regulations which are there, promote ease of doing business because we want our airlines to grow and flourish," Kidwai said. **-PTI**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

GREATER KASHMIR SRINAGAR 26 MARCH 2026

UDAN scheme to boost regional air connectivity gets Cabinet nod with Rs 28,840 crore outlay

GK News Service
New Delhi, Mar 25

The Union Cabinet, chaired by PM Narendra Modi, has approved the modified Regional Connectivity Scheme–UDAN, aimed at enhancing regional air connectivity and making air travel affordable, for a 10-year period from FY 2026-27 to FY 2035-36 with an outlay of Rs 28,840 crore.

The scheme seeks to expand connectivity to underserved and unserved regions by developing 100 new airports and 200 helipads, while also supporting operations at regional aerodromes and providing viability gap funding to airlines.

According to the government, the initiative will boost tourism, trade and economic growth in Tier-2 and Tier-3 cities, improve access to remote areas, and strengthen emergency and healthcare connectivity. It also includes plans to promote indigenous aviation manufacturing through procurement of locally built aircraft.

Since its launch in 2016, UDAN has operationalised over 660 routes across 95 airports and facilitated travel for more than 1.6 crore passengers, laying the foundation for expanded regional connectivity under the modified scheme.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 28 MARCH 2026

DGCA issues new rules for flights carrying VIPs

Neha LM Tripathi
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Two months after a Learjet 45 crashed near Baramati killing then Maharashtra deputy chief minister Ajit Pawar and four others, India's aviation regulator on Friday issued sweeping new rules for flights carrying high-ranking constitutional and political functionaries, warning that violations could cost operators their permits and pilots their licences.

The order, issued under the Bharatiya Vayuyan Adhiniyam, 2024 and dated March 27, replaces safety circulars that had gone unrevised for decades. It covers flights carrying the speaker of Lok Sabha, the deputy chairperson of Rajya Sabha, chief ministers, governors, Union cabinet ministers, and the Chief Justice of India.

At its core is a restatement of pilot authority. Operators are prohibited from subjecting flight crews to commercial pressure to undertake flights that may compromise safety. Last-minute itinerary changes demanded by VIPs must be routed through airline management — not conveyed directly to the cockpit.

"The aircraft operator shall ensure that flight operations are in accordance with the Aircraft Rules and instructions issued from time to time and flight crew are not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations," the order stated. "Any last minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the organisation's management only, and not directly with the crew."

The DGCA has mandated twin-engine aircraft with a minimum two-person crew for all VIP operations. Aircraft must carry valid airworthiness certification and fully functional weather radar and navigation systems. Any defect must be rectified before the next flight, with no tolerance beyond prescribed maintenance limits.

The move comes two months after a plane crash in Baramati that killed then Maharashtra deputy CM Ajit Pawar. PTI

Pilot eligibility has been tightened. Commanders of fixed-wing aircraft must now log at least 3,000 flying hours, including 2,000 as pilot-in-command. Helicopter pilots must have a minimum of 2,000 hours.

On January 28, a Learjet 45 carrying Pawar crashed as it approached to land at the uncontrolled air strip near Baramati. A preliminary report on February 28 stated the VSR Aviation chartered jet carrying Maharashtra's deputy chief minister Ajit Pawar crashed as the crew attempted to land in visibility of 3,000 metres, against a legal minimum of 5,000 metres for visual flight, the preliminary investigation report has stated.

The order extends the protection applicable to pilots to aircraft maintenance engineers. "The planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgment of the flight crew and AMEs. They should be free from any external pressure or undue influence," it stated.

The DGCA singled out election flying as "highly demanding," citing long duty hours, multiple sectors, poor rest cycles, last-minute schedule changes, and congested airspace as compounding risks. Operators must appoint a dedicated compliance officer for election flying operations.

Written clearance from district authorities must be obtained at least 24 hours before using any helipad or airstrip, with verified coordinates and confirmed arrangements for security, fire, and rescue. Flight crews must verify obstacle-free approach paths and performance compliance before every take-off and landing. Detailed flight plans, passenger manifests, and load sheets must be filed with air traffic control.

Non-compliance could invite action ranging from a formal caution to suspension of a pilot or aircraft maintenance engineer's licence, suspension of operations for a specified period, or cancellation of the operator's Air Operator Permit, the DGCA said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 28 MARCH 2026

India, EU sign aviation production pact

Rezaul H Laskar
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: India and the European Union have concluded a working arrangement on industrial aviation production that will support cooperation between the two sides and "Make in India" production aligned with EU standards, including the assembly of Airbus H125 helicopters in Karnataka.

The working arrangement follows the India-EU Summit in January, when civil aviation safety was identified as a critical focus area, the EU said. EU ambassador Herve Delphin on Friday described the arrangement as a concrete example of bilateral industrial cooperation aligned with the 27-member bloc's world-class safety standards and export certificates that will help deliver aircraft products for the world market.

The arrangement will facilitate the production of the Airbus H125 choppers in Karnataka. HT

Airbus Helicopters and Tata Advanced Systems Limited have established a final assembly line at Vemagal in Karnataka to manufacture the H125 single-engine helicopter, and the facility was inaugurated in February. The facility will make and export the helicopters, with the first deliveries expected in 2027.

The working arrangement was signed by India's Directorate General of Civil Aviation (DGCA) and the European Union Aviation Safety Agency (EASA) on March 23, ahead of a workshop under the EU-South Asia Aviation Partnership Project that was held in New Delhi during March 24-26. This arrangement will help consolidate cooperation to ensure high civil aviation safety standards.

The workshop, organised by EASA in cooperation with DGCA and with the support of European turboprop aircraft manufacturer ATR, brought together aviation authorities, airlines and industry representatives from across the region. It focused on strengthening practical collaboration and sharing operational experience.

"Given the increasing challenges facing the aviation sector, the European Union and its South Asian partners reaffirmed the importance of cooperation to ensure safe, resilient and sustainable air transport at the meeting," the statement said.

Discussions at the workshop addressed day-to-day flight operations and common regional challenges, highlighting the value of dialogue between regulators, operators and industry in improving safety and performance.

India and the EU also adopted a new strategic joint agenda in January that envisages the two sides working at scale and speed to serve mutual interests. The workshop and the working arrangement on industrial aviation production also reflect the EU's broader commitment to working in partnership with India and other South Asian countries to promote high standards of aviation safety, support regulatory cooperation and ensure the sustainable development of the sector, the statement said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 28 MARCH 2026

Air India Express raises borrowing cap

Dipali Banka & Abhishek Law
dipali.banka@livemint.com

MUMBAI/NEW DELHI: Air India Express has raised its borrowing limit by 25% to ₹17,500 crore to fund near-term and next-fiscal operations, marking its third increase since merging AirAsia India in 2024 and underscoring continued turbulence at the Tata Group's low-cost carrier.

The move signals deepening financial strain at the budget airline, which has seen losses widen sharply even as revenue grows. With crude prices rising and West Asian airspace closures disrupting operations, the higher borrowing ceiling gives the airline breathing room to manage cash flows—but also highlights the mounting pressure on the Tata Group's aviation bet.

"In order to manage Q4 (January-March 2026) cash flows and support the annual operating plan, it is proposed to enhance the overall borrowing limits by ₹3,500 crore," said a special resolution passed by Air India Express shareholders at a meeting on February 24 and filed with the ministry of corporate affairs on March 20.

The move signals deepening financial strain at the budget airline, which has seen losses widen sharply even as revenue grows.

Under the Companies Act, 2013, a special resolution requires approval by at least 75% of the votes cast by shareholders.

"The airline has increased borrowing limits and it is perhaps also an indication that it wants to expand. The Middle East conflict has severely impacted its operations and profitability. May be it will try to increase domestic operations or tap the Indian market more, specially the smaller city—larger city routes, and is accordingly making provisions for funds. It is also not necessary they will be using the entire borrowing limit, it could be just an enabling provision too," said G.S. Bawa, secretary general, Air Travellers Association (ATA), a consumer rights group.

Air India Express did not respond to *Mint*'s queries.

Air India Express, a wholly-owned subsidiary of Air India, first raised its borrowing limit to ₹11,600 crore in October 2024, followed by a further increase to ₹14,000 crore in November 2024.

The airline ended March 2025 with ₹10,087.4 crore in debt (excluding lease liabilities). With the revised ceiling, it can now borrow up to ₹17,500 crore—a figure that would exceed its ₹16,033 crore revenue last year.

Revenue rose 26% year-on-year to ₹16,033 crore in FY25. However, losses expanded more than fourfold to ₹5,822 crore.

Debt (excluding lease liabilities) jumped 61% from ₹6,261.7 crore a year earlier to ₹10,087.4 crore.

Put simply, Air India Express lost about ₹36 on every ₹100 of revenue.

In comparison, parent Air India's revenue rose 13% to ₹61,080 crore in FY25. Under chief executive officer Campbell Wilson, it cut losses to ₹3,976 crore from ₹5,031 crore a year earlier—translating to a loss of roughly ₹6.5 for every ₹100 earned.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE INDIAN EXPRESS DELHI 28 MARCH 2026

DGCA issues fresh guidelines for operators flying VIPs and VVIPs

Press Trust of India
Mumbai, New Delhi, March 27

THE DIRECTORATE General of Civil Aviation (DGCA) on Friday issued guidelines for aircraft operators flying VIPs and VVIPs, including Chief Ministers and Governors, and emphasised that the crew should not be subjected to any undue pressure for operating a flight that might impact safety.

The guidelines, applicable for non-scheduled aircraft and helicopter operators carrying VVIPs, come against the backdrop of the fatal plane crash in January that killed Maharashtra Deputy CM Ajit Pawar and four others. The aviation regulator said the aircraft operator should ensure that the flight operations are in accordance with the Aircraft Rules and instructions/ order/ circular issued from time to time and flight crew are not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations.

"Any last-minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the organisation's management only, and not directly with the crew," it said.

Issuing the guidelines, DGCA said an analysis of earlier accidents/ incidents associated with aircraft operations to/ from airstrips/ temporary helipads and during election flying of VVIPs has often revealed violation of instructions and safety was jeopardised. "It is essential that adequate measures are taken by all concerned to ensure the highest standards of safety for the operation of such flights," it said.

On election flying, it said each operator should nominate a responsible person for managing such flights, and the person would be accountable for ensuring compliance with instructions issued by the authorities. "Election flying is a highly demanding exercise in terms of skill levels, professionalism and tact," the regulator said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 28 MARCH 2026

संक्षिप्त

विमानन कंपनियों की चुनौतियों पर चिंता

नई दिल्ली, लोकसत्य। भारत में विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए के प्रमुख ने सेक्टर की मौजूदा चुनौतियों, हवाई मार्ग प्रतिबंधों और बढ़ते ईंधन खर्च पर चिंता जताया है। उन्होंने कहा है कि आने वाले दिनों में एयरलाइंस के लिए व्यापार में आसानी जैसे हालात बनने की उम्मीद है। देश में विमानन क्षेत्र के नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने गुरुवार को कहा देश में एयरलाइंस के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका मकसद एयरलाइंस को बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करना है। साथ ही, डीजीसीए यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी कदम उठा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिन विमानन क्षेत्र के लिहाज से बेहतर होंगे। किदवई ने बताया कि एयरलाइंस के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इनमें हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण लंबे मार्ग अपनाना और परिचालन लागत का अधिक होना शामिल है। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष एयरलाइंस के लिए और अधिक चुनौतियां पैदा कर रहा है। कई एयरलाइंस ने इस क्षेत्र के लिए अपनी सेवाएं कम कर दी हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारत में कई एयरलाइंस बंद हो चुकी हैं। इसलिए वाहकों को समर्थन देने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 28 MARCH 2026

AFTER FATAL JANUARY CRASH

DGCA sets guidelines for aircraft operators flying VIPs and VVIPs

OUR CORRESPONDENT

MUMBAI/ NEW DELHI: Aviation regulator DGCA on Friday issued guidelines for aircraft operators flying VIPs and VVIPs, including chief ministers and governors, and emphasised that the crew should not be subjected to any undue pressure for operating a flight that might impact safety.

The guidelines, applicable for non-scheduled aircraft and helicopter operators carrying VVIPs, also come against the backdrop of the fatal plane crash in January that killed Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and four others. DGCA said the aircraft operator should ensure that the flight operations are in accordance with the Aircraft Rules and instructions/order/circular issued from time to time and flight crew are not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations.

"Any last-minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the organisation's management only, and not directly with the crew," it said.

Issuing the guidelines, DGCA also said an analysis of earlier accidents/incidents associated with aircraft operations to/from airstrips/temporary helipads and during election flying of VVIPs has often revealed violation of instructions and safety was jeopardised.

"It is essential that adequate measures are taken by all concerned to ensure the highest standards of safety for the operation of such flights," the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) said.

With respect to election flying, the watchdog said each operator should nominate a responsible person for managing such flights, and the person would be accountable for ensuring compliance with all instructions issued by the authorities concerned. The person would have to follow the instructions issued by DGCA, AAI (Airports Authority of India), BCAS (Bureau of Civil Aviation Security) and the Election Commission. The person's particulars should be submitted to the Flight Standards Directorate, DGCA, before commencement of election flying, as per the order. The Pilot In Command (PIC) of a non-scheduled aircraft flying VVIPs should have a total experience of at least 3,000 flying hours, and in the case of helicopters, it has to be 2,000 flying hours experience.

"Election flying is a highly demanding exercise in terms of skill levels, professionalism and tact," the regulator said, and mentioned about various challenges in this regard, including long flying hours, a large number of take-offs and landings, hurriedly prepared helipads, frequent changes in itinerary and highly stressed security arrangements. According to the order, the operator's accountable manager should inform the person being flown to respect the decisions taken by the flight crew, aircraft maintenance engineers and other professionals involved in flight planning and dispatch.

The decisions taken by them regarding continuation, diversion or aborting of the flight should be respected, and the crew must remain free from any external pressure of undue influence, as per the order.

Among other requirements, the flight crew should ensure strict compliance with weather minima and proper weather briefing before commencement of flights as per existing regulations. WITH AGENCY INPUTS

HIGHLIGHTS

- The guidelines, applicable for non-scheduled aircraft and helicopter operators carrying VVIPs, also come against the backdrop of the fatal plane crash in January that killed Maharashtra Deputy Chief Minister Ajit Pawar and four others
- 'Any last-minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the organisation's management only, and not directly with the crew'
- Issuing the guidelines, DGCA also said an analysis of earlier accidents/incidents associated with aircraft operations to/from airstrips/temporary helipads and during election flying of VVIPs has often revealed violation of instructions and safety was jeopardised

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 28 MARCH 2026

'Indian aviation sector outlook negative, weak near-term demand'

The ratings agency expects domestic air passenger traffic growth to be at 0-3% for the ongoing fiscal year

MUMBAI: Ratings agency ICRA on Friday revised its outlook on the Indian aviation industry to negative from stable, citing disruptions in international airspace following escalation of geopolitical tensions in West Asia.

The revision in outlook is also on account of a sharp depreciation of the rupee against the US dollar and an expected increase in jet fuel (ATF) prices, ICRA said. These factors are likely to significantly increase cost pressures for airlines, even as demand growth faces downside risks, it said.

The ratings agency expects domestic air passenger traffic growth to be at 0-3 per cent for the ongoing fiscal year and international passenger traffic growth for Indian carriers at 7-9 per cent, indicating a relatively weak near-term demand environment.

Prior to the West Asian crisis, ICRA had estimated domestic air passenger traffic growth at 6-8 per cent and international traffic growth for Indian carriers at 8-10 per cent for FY27.

However, these projections now carry a downward bias, it said.

CLOSER LOOK

- The revision in outlook is also on account of a sharp depreciation of the rupee against the US dollar and an expected increase in jet fuel (ATF) prices, ICRA said
- ICRA expects international passenger traffic growth for Indian carriers at 7-9 per cent for current fiscal
- Flight cancellations due to airspace closures, coupled with higher airfares following the levy of fuel surcharges, are expected to weigh on passenger traffic growth

Flight cancellations due to airspace closures, coupled with higher airfares following the levy of fuel surcharges (estimated at 5-6 per cent of average ticket prices), are expected to weigh on passenger traffic growth, ICRA said.

Additionally, rerouting of flights is likely to increase fuel burn and operating costs, the ratings agency said. Moreover, the removal of airfare caps by the DGCA, which were introduced in December last year following operational disruptions at IndiGo poses further downside risks.

A sharp rise in ticket prices could dampen travel demand going forward, ICRA said.

ICRA had earlier projected net losses for the aviation industry to narrow to Rs 11,000-12,000 crore in FY27, supported by traffic growth.

However, the recent geopolitical developments, along with adverse currency movements and rising fuel costs, have introduced a downward bias to these estimates, it said, adding that for FY26, the industry is expected to report net losses of Rs 17,000-18,000 crore.

The pressure on profitability is being exacerbated by structural cost challenges. Fuel alone accounts for 30-40 per cent of airlines' operating expenses, while 35-50 per cent of total costs, including lease payments and maintenance, are dollar-denominated, making airlines highly vulnerable to currency depreciation, ICRA added. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 27 MARCH 2026

Airlines facing big challenges, 'hope we see better days': DGCA

NEW DELHI: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) is trying to promote ease of doing business for airlines to help them grow and flourish as well as taking steps for passenger rights, its chief Faiz Ahmed Kidwai said.

There are big challenges for airlines, including taking longer routes and higher operational costs due to airspace curbs, he said, expressing hope that there would be "better days".

"It is not only passenger rights which we are looking at... we are trying to ease things for the airlines also and the rules and regulations which are there, promote ease of doing business

because we want our airlines to grow and flourish," Kidwai said.

He said many airlines have gone bust in India and emphasised the need to support carriers.

India is one of the world's fastest-growing civil aviation markets and the DGCA as well as the government has been taking various initiatives.

Recently, it was decided that 60 per cent of seats in a domestic flight will be offered without any additional charges while the fare cap, imposed in the wake of IndiGo operational disruptions in December 2025, has been withdrawn. "We are facing a very typical time because, especially for our carriers, if you see the Pakistan airspace is closed for them," he said.

Against the backdrop of West Asia conflict, airlines have to take longer routes, meaning carrying more fuel and the cost of fuel is going up. Also, carrying more fuel means less cargo and passengers so it hits revenues, he added. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST KOLKATA 27 MARCH 2026

Indian airlines to operate 23K weekly domestic flights during summer schedule, down 10% YoY

NEW DELHI/MUMBAI: Indian airlines are set to operate a little over 23,000 weekly domestic flights during the summer schedule starting from March 29, which is 10 per cent less than the services flown during the same period a year ago.

Aviation watchdog DGCA has published the domestic flights summer schedule, which is from March 29 to October 24, for nine scheduled airlines.

A senior DGCA official on Thursday told PTI that the airlines would be operating around 10 per cent fewer flights in 2026 summer schedule compared to the previous summer schedule.

During the 2025 summer schedule, there were 25,610 weekly flights and this time, a 10 per cent reduction would mean the number of services will come down by 2,561. Accordingly, the total count will be about 23,049 weekly flights, as per an analysis.

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has put out the airline-wise domestic summer schedule for 2026 on its website but has not provided a consolidated figure and comparison with the previous summer schedule or the ongoing winter schedule.

The nine airlines that are to operate flights during the 2026 summer schedule are Air India, Air India Express, IndiGo, Akasa Air, SpiceJet, Alliance Air, FLY91, Star Air and IndiaOne Air.

In the current winter schedule from October 26, 2025, to March 28, 2026, airlines were to operate 26,495 weekly flights. However, the massive operational disruptions at IndiGo in early December had an impact and the DGCA had curtailed the carrier's winter schedule flights by 10 per cent.

Meanwhile, the ongoing West Asia conflict, involving the US, Israel and Iran that started on February 28, is significantly disrupting flight services of Indian carriers to the region.

Against this backdrop, airline executives told PTI that there is a lot of uncertainty and there could be further reduction in the existing summer schedule itself.

The schedule was mostly prepared in January and February, a period during which there were no risks related to the Middle East conflict, which started on February 28. Now, the scenario is completely different and operational complexities have increased, one of the officials said.

On March 24, IndiGo said it intends to start its domestic summer schedule with nearly 2,000 daily flights in April. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE MORNING STANDARD DELHI 28 MARCH 2026

DGCA tightens VVIP flight rules after Pawar crash, pilots have last say

S LALITHA @ New Delhi

IN view of the safety lapses following the Baramati plane crash that killed then Maharashtra Deputy CM Ajit Pawar, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has tightened safety norms for non-scheduled flight operators transporting VVIPs, giving pilots power to decide on whether to undertake risky trips.

Written consent from local authorities where airstrips are located, screening of VVIP baggage, and better aircraft have been made mandatory in an order issued by the DGCA.

"Flight crew must not be subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations," the order said. "The planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgment of the flight crew and maintenance engineers. They should be free from any external pressure or undue influence," it said.

Last-minute changes in operations must be routed through organisational management and the operating crew should not be directed to carry them out, DGCA said.

To avoid risks related to remote landing sites, the order said operators must confirm the availability of suitable helipads or airstrips at least 24 hours in advance. "This needs to be backed by written validation from district authorities. Landing permission or NOCs from district authorities will be mandatory," the order said.

No exemption will be given to VVIPs, and baggage screening prior to loading has been made mandatory. DGCA also called for load and trim sheets before every flight. Twin-engine aircraft with a minimum of two members is mandatory, the order added.

The list of VVIPs has been expanded to include Lok Sabha Speaker, Rajya Sabha Deputy Chairperson, Union and state cabinet ministers, Chief Justice of India, governors, CMs and Z category protectees.

VVIP list expanded to include House heads

The list of VVIPs has been expanded to include Lok Sabha Speaker, Rajya Sabha Deputy Chairperson, Union and state cabinet ministers, Chief Justice of India, governors, CMs and Z category protectees. No exemption will be given to VVIPs as per the new rules.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVODAYA TIMES DELHI 28 MARCH 2026

भारतीय विमानन क्षेत्र पर बढ़ता संकट: इक्रा ने आऊटलुक 'नकारात्मक' किया

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसी): रेटिंग एजेंसी इक्रा ने भारतीय विमानन उद्योग का परिदृश्य 'स्थिर' से घटाकर 'नकारात्मक' कर दिया है। इसका मुख्य कारण पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से अंतर्राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र में आई बाधाएं हैं। इसके साथ ही रुपए में कमजोरी और विमान ईंधन (ए.टी.एफ.) की कीमतों में संभावित वृद्धि से एयरलाइंस की लागत पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

एजेंसी के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू यात्री वृद्धि केवल 0-3 प्रतिशत रह सकती है, जबकि अंतर्राष्ट्रीय यात्री वृद्धि 7-9 प्रतिशत तक सीमित रहने की संभावना है। उड़ानों के मार्ग बदलने, हवाई क्षेत्र बंद होने और ईंधन अधिभार के कारण किराए बढ़ सकते हैं, जिससे मांग प्रभावित होगी। साथ ही, नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा किराया सीमा हटाने से टिकट महंगे हो सकते हैं, जिससे यात्रियों की संख्या पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। इक्रा का अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में विमानन उद्योग को 17,000-18,000 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हो सकता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 28 MARCH 2026

DGCA TIGHTENS VVIP FLIGHT RULES

RAJESH KUMAR
New Delhi

In a move to enhance safety, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Friday issued a fresh guidelines for certain categories of VVIPs including Z+ category SPG protectees, Lok Sabha speaker, Rajya Sabha deputy chairperson, central ministers of cabinet rank, Chief Justice of India, Chief Ministers, Governors and state ministers of cabinet rank, saying pilots operating VVIP flights shall not be subjected to undue pressure.

"Flight crew is not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations," the order stated. The order stated that any last minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the company management only and not directly with the crew.

The guidelines, applicable for non-scheduled aircraft and helicopter operators carrying VVIPs. The directions come two months after the fatal air crash in Baramati which resulted in death of Maharashtra deputy chief minister Ajit Pawar.

CONTINUED ON >> P4

DGCA tightens VVIP flight rules

The order covers various aspects including aircraft airworthiness requirements, crew qualifications, airfield conditions and other operational and safety issues.

"Analysis of earlier accidents/incidents associated with aircraft operations to/from airstrips/temporary helipads and during election flying has often revealed violations of instructions, and safety was jeopardised. It is essential that adequate measures are taken by all concerned to ensure the highest standards of safety for the operation of such fights," it said.

The order which was issued on Friday also asks charter operators and state governments to keep a pamphlet in the aircraft indicating capability and limitations of that aircraft. It must also mention planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgment of flights crew and engineers.

The pamphlet should also state VIP passengers respect decisions taken by the crew regarding diversions and that they be free from any external pressure or undue influence.

The guidelines mandated that the aircraft operator shall ensure that flight operations are in accordance with the Aircraft Rules and instruction/order/circular issued from time to time, and flight crew are not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations. Any fast minutes changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the Organization's management only. and not directly with the crew.

The DGCA has mandated the use of twin-engine aircraft with a minimum of two crew members, stressing "good operational capability, reliability and easy maintainability" as non-negotiable requirements.

It has also made it compulsory for operators and state aviation departments to brief VVIP passengers about aircraft limitations and operational constraints before take-off. "The planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgment of the flight crew and AMEs. They should be free from any external pressure or undue influence," the DGCA said.

"The flight crew shall ensure strict compliance of weather minima and proper weather briefing before commencement of flights as per existing regulations. Before Commencement of flight, the Pilot in Command shall familiarize himself with necessary meteorological information required for the intended flight. For every flight under Instrument Flight Rules, the pilot shall study the current weather reports and forecast and plan alternative course of action to provide for the eventuality that the flight may not be completed as planned because of weather conditions," it said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

SWATANTRA BHARAT LUCKNOW 27 MARCH 2026

विमानन कंपनियों की चुनौतियों पर डीजीसीए प्रमुख ने जताई चिंता

नई दिल्ली। देश में विमानन क्षेत्र के नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने गुरुवार को कहा देश में एयरलाइंस के लिए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका मकसद एयरलाइंस को बढ़ने और फलने-फूलने में मदद करना है। साथ ही, डीजीसीए यात्रियों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी कदम उठा रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिन विमानन क्षेत्र के लिहाज से बेहतर होंगे। किदवई ने बताया कि एयरलाइंस के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। इनमें हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों के कारण लंबे मार्ग अपनाना और परिचालन लागत का अधिक होना शामिल है। पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष एयरलाइंस के लिए और अधिक चुनौतियां पैदा कर रहा है। कई एयरलाइंस ने इस क्षेत्र के लिए अपनी सेवाएं कम कर दी हैं। उन्होंने जोर दिया कि भारत में कई

एयरलाइंस बंद हो चुकी हैं। इसलिए वाहकों को समर्थन देने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है।

डीजीसीए और नागरिक उड्डयन मंत्रालय विभिन्न पहल कर रहे हैं। हाल ही में यह निर्णय लिया गया कि घरेलू उड़ान में 60 फीसदी सीटें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के पेश की जाएंगी। दिसंबर 2025 में इंडिगो की परिचालन बाधाओं के बाद लगाई गई किराया सीमा भी हटा ली गई है।

विमानन क्षेत्र में परिचालन से जुड़ी कौन सी चुनौतियां?

किदवई ने कहा कि विमानन कंपनियां एक बहुत ही अलग तरह के समय का सामना कर रही हैं। विशेष रूप से भारतीय वाहकों के लिए पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद है। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण एयरलाइंस को लंबे मार्ग लेने पड़ रहे हैं। इसका मतलब है कि उन्हें अधिक ईंधन ले जाना पड़ता है। ईंधन की लागत भी लगातार बढ़ रही है।

कंपनियों के राजस्व पर क्या असर?

अधिक ईंधन ले जाने का अर्थ है कि विमानन कंपनियां कम माल और यात्रियों को ले जा पाती हैं। इससे उनके राजस्व पर सीधा असर पड़ता है। परिचालन लागत में भी वृद्धि हो रही है। ये सभी कारक विमानन क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। किदवई ने इन चुनौतियों के बावजूद बेहतर दिनों की उम्मीद व्यक्त की।

विमानन क्षेत्र में डीजीसीए की क्या भूमिका?

डीजीसीए केवल यात्रियों के अधिकारों पर ही ध्यान नहीं दे रहा है। हम एयरलाइंस के लिए भी चीजों को आसान बनाने का प्रयास कर रहे हैं। नियमों और विनियमों को सरल बनाकर कारोबार करने में आसानी को बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि हमारी एयरलाइंस बढ़ें और फले-फूलें। किदवई ने यह बात राष्ट्रीय राजधानी में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) विमानन और पर्यटन शिखर सम्मेलन में कही।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN DELHI 28 MARCH 2026

Flight restrictions at Srinagar airport from 6 April for runway upgrade

UNITED NEWS OF INDIA
Srinagar, 27 March

Flight operations at Srinagar airport will be restricted between 8 am to 5 pm from April 6 as the Indian Air Force has to undertake runway upgrade which is expected to continue through the summer months.

At present, around 60 flights, including arrivals and departures, operate daily between 8 am and 10 pm at the airport. However, as per a Notice to Airmen (NOTAM) issued by the Indian Air Force, operational hours for scheduled flights will be temporarily restricted until 5 pm starting from April 6 due to ongoing runway works. "While the watch hours will be reduced, flight movements are expected to increase in line with the DGCA (Directorate General of Civil Aviation)-approved summer schedule. Airlines will plan and operate flights accordingly within the revised timings," Srinagar airport said on X.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TELEGRAPH KOLKATA 27 MARCH 2026

Storm hits air traffic, CM flight hovers

OUR BUREAU

Calcutta: A strong spell of rain, winds and a brief hailstorm struck Dum Dum and its neighbouring areas on Thursday afternoon, disrupting flight operations and forcing the aircraft carrying chief minister Mamata Banerjee to hover for more than an hour over the city's sky.

Mamata was returning from Andal.

Calcutta airport officials said the chief minister's plane, a Falcon 2000LXS 12-seater aircraft, took off from Andal at 3.39pm and was scheduled to land in Calcutta at 4.07pm.

"However, due to thunderstorm, rain, and hailstorm conditions, flight operations were stalled at the Calcutta airport during that time," said an airport official. Flight operations at the Calcutta airport were suspended from 4.22pm to 5.02pm, he added.

According to sources, the aircraft entered Calcutta's sky at 4.02pm. The pilot was initially given two alternatives: either return to Andal or divert to Ranchi.

"However, the pilot said he would hold in the sky. The aircraft was asked to hold around the Behala area," said an official. Other flights were holding too, he added.

A pedestrian crosses EM Bypass on a sultry Thursday afternoon. The storm was localised and most of Calcutta remained dry.
Picture by Sanat Kr Sinha

"The air traffic control was asked to give the CM's flight priority for landing," he said.

Finally, at 5.04pm, the CM's aircraft was cleared to land. It touched the runway at 5.19pm, said an official. He noted it was the first flight to land after operations resumed.

The first aircraft to take off from Calcutta was IndiGo's Mumbai flight at 5.02pm.

An IndiGo flight from Bhubaneswar to Calcutta and another from Calcutta to Guwahati were among those delayed by the rough weather. A SpiceJet flight from Chennai to Calcutta was diverted to Varanasi.

"In total, 10 flights were delayed. Six of these were departures, and four were headed to Calcutta," an airport official said.

"It was a localised thunderstorm. Most parts of Calcutta were dry, but Dum Dum and neighbouring areas received a sharp spell of rain, hail, and strong gusts of wind," said a Met official in Alipore.

Between 4pm and 5.30pm, Dum Dum recorded 27mm of rain. A peak wind speed of 57kmph was measured around 4.50pm. The hailstorm lasted for around 10 minutes, he said.

CONTINUED ON PAGE 9 ▶

Air traffic hit

▶ FROM PAGE 8

A weather scientist said hailstones are formed when thunderstorm updrafts (strong currents of air that are moving up) carry raindrops into extremely cold areas of the atmosphere, where the raindrops freeze.

The hailstones then grow larger by coming into contact with liquid water drops that freeze on the hailstones' surface. Hails start falling when the thunderstorm's updraft can no longer support the weight of the hailstones.

Earlier on Thursday, the Met office issued an "enhanced thunderstorm" alert for Bengal.

"An upper air cyclonic circulation lies over south Gangetic Bengal adjoining north Odisha and extends up to 1.5km above mean sea level.... In the presence of a favourable wind pattern and strong moisture incursion from the Bay of Bengal, enhanced thunderstorm activity is very likely," said a bulletin.

The intensity of the showers is likely to be on the higher side in north Bengal, where heavy rain is likely on Friday and Saturday. Calcutta is likely to get at least one spell of thunderstorm between Friday and Saturday, said the Met official in Alipore.

Around 2.10pm on Thursday, the Met office issued a nowcast (alert for an imminent weather event), which said "moderate thunderstorms" were likely in North 24-Parganas during the next couple of hours.

Another came around 4.10pm, accompanied by similar alerts for Calcutta and South 24-Parganas. But eventually, most of Calcutta remained dry. The conditions were breezy for a while.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

Pilots can refuse to fly VVIPs if it's not safe: DGCA

Pilots flying VVIPs, including Z-plus category SPG protectees, Lok Sabha speaker, Rajya Sabha deputy chairperson, cabinet ministers, Chief Justice of India, CMs and governors have now been empowered to refuse to fly if it is not safe to do so for any reason. Pilots are often pressured to fly, even in fading light.

Following the death of Maharashtra deputy CM Ajit Pawar in a plane crash this Jan, aviation regulator DGCA issued new guidelines Friday for flying VVIPs.

It has mandated twin-engine aircraft with minimum two crew members and good operational capability to fly VVIPs. **P7**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 28 MARCH 2026

Pilots of VIP charters can now refuse to fly in unsafe conditions

After Ajit's Plane Crash, DGCA Issues New Guidelines

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Pilots flying VVIPs, including Z-plus category SPG protectees, Lok Sabha speaker, Rajya Sabha deputy chairperson, cabinet ministers, Chief Justice of India, CMs and governors have now been empowered to put their foot down and refuse to fly if it is not safe to do so for any reason.

Following the death of Maharashtra deputy CM Ajit Pawar and four others in a small plane crash this Jan, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) Friday issued a new set of "guidelines for carriage of central, state and other dignitaries by aircraft".

The move aims to insulate pilots from pressure as politicians often insist on flying for meetings, even in fading light

"...flight crew (should not be) subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact safety of operations. Any last-minute changes to the planned flight due to VIP requirements should be coordinated through the organisation's management only, and not directly with the crew," the new rules said.

iStock

Flight crew (should not be) pressured to undertake a flight that may impact safety of operations, DGCA said

Besides, the guidelines also said that only well-maintained planes or choppers, with last reported defects rectified, and very experienced pilots will operate such flights.

Noting that VVIPs "use air travel frequently for electioneering and other purposes in (small) aircraft" and choppers, DGCA said, "Analysis of earlier accidents/incidents associated with aircraft operations to/from airstrips/temporary helipads and during election flying has often revealed violation of instructions and safety was jeopardised. It is essential that adequate measures are taken by all concerned to ensure the highest standards of safety for operation of such flights."

The move aimed at insulating pilots from pressure as politicians often insist on flying for public meetings, even in fading light.

A charter operator for decades said, "These new rules make it possible for us to say no to VIPs to operate flights if it is not safe to do so. In my several years, I have myself gotten into trouble for pointing out it may not be safe to operate due any reason like weather. Now while we are responsible for aircraft maintenance and getting landing approvals, the onus for a safe flight lies with everyone on board the plane. This new rulebook makes that amply clear."

Now issuing the new directives for DGCA has also mandated twin-engine aircraft with minimum two crew and good operational capability for VVIPs.

It has also said that 24 hours before flying, state govts, PSUs, aircraft operators and the pilots must ensure the existence of a suitable helipad or air strip for landing. Besides, district authorities need to issue a landing permission or no-objection certificate before aircraft lands on a remote or uncontrolled airport or helipad. State and district administration have to facilitate information on the conditions for a helipad or an airstrip condition along with the coordinates, security, fire and rescue arrangement.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 28 MARCH 2026

DGCA tightens rules for VVIP flights after Baramati plane crash

SHEKHAR SINGH
TRIBUNE NEWS SERVICE

BARS DIRECT VIP INTERFERENCE

In a clear push to ring-fence flight safety from VIP influence, the DGCA underlined that flight planning and execution were professional responsibilities and must remain solely under the sound judgment of pilots and engineers. To reinforce this, the regulator has asked charter operators and state governments to place a pamphlet inside aircraft detailing the capabilities and limitations of the aircraft.

NEW DELHI, MARCH 27

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has brought top-tier VVIPs — from the Lok Sabha Speaker and Chief Justice of India to Chief Ministers and SPG protectees — under a stricter aviation safety framework, issuing fresh guidelines for non-scheduled flights in the wake of the Baramati crash on January 28 which claimed the life of then Maharashtra Deputy CM Ajit Pawar.

In a sweeping order issued on Friday, the regulator expanded the ambit of dignitaries covered, explicitly listing the Lok Sabha Speaker, Deputy Chairperson of the Rajya Sabha, Union Cabinet Ministers, Chief Justice of India, Governors, Chief Ministers, state Cabinet-rank ministers and Z+ category SPG protectees.

The move comes amid concerns flagged by the DGCA that past incidents, especially during election flying and operations to temporary helipads, have "often revealed violation of instructions and safety was jeopardised".

The order underscores that frequent use of chartered aircraft and helicopters by VVIPs during elections cannot come at the cost of safety. "It is essential that adequate measures are taken by all concerned to ensure the highest standards of safety," the DGCA said.

In a clear signal to curb last-minute political pressure, the regulator has directed that pilots must not be pushed into risky operations. "Flight crew are not subjected to undue pressure for undertaking a flight which may impact the safety of operations," the order stated, adding that any last-minute changes must be routed through organisational management and not imposed directly on crew.

The DGCA has mandated the use of twin-engine aircraft with a minimum of two crew members, stressing "good operational capability, reliability and easy maintainability" as non-negotiable requirements.

It has also made it compulsory for operators and state aviation departments to brief VVIP passengers about aircraft limitations and operational constraints before take-off. "The planning and conduct of the flight are professional responsibilities that must remain under the sound judgment of the flight crew and AMEs. They should be free from any external pressure or undue influence," the regulator said.

Tightening ground-level protocols, the order requires preparation of passenger manifests and load and trim sheets before every flight, ensuring strict adherence to weight limits. Baggage screening prior to loading has also been made mandatory.

Crucially, the DGCA has addressed risks linked to makeshift helipads and remote landing sites, a frequent feature of election campaigns. Operators must now confirm the availability of suitable helipads or airstrips at least 24 hours in advance, backed by written validation from district authorities, including coordinates and ground references.

For operations in remote or uncontrolled areas, landing permissions or NOCs from district authorities will be mandatory. The regulator has also directed state administrations to ensure security, fire and rescue arrangements are in place before granting approvals.